सेंसेक्स	~	81,451.01
निफ्टी	~	24,750.70
सोना	~	97,310
चांदी	~	99,900
डॉलर	~	85.56

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

E-mail: balaghatexpress@gmail.com

/padmeshmedia /padmeshmedia

epaper.balaghatexpress.in

बालाघाट
रविवार 01 जून 2025
ज्येष्ठ शुक्ल 06 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 246
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

खास खबर

अब्बास अंसारी की विधायकी हुई खत्म

लखनऊ। अब्बास अंसारी की मऊ कोर्ट से सजा का ऐलान होते ही विधायकी भी खत्म हो गई है। इस संबंध में विधानसभा अध्यक्ष नोटिफिकेशन जारी करेंगे। नोटिफिकेशन में आज की तारीख से सदस्यता रद्द होने का जिक्र रहेगा। दरअसल सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देश के अनुसार अगर सांसदों और विधायकों को किसी भी मामले में 2 साल से ज्यादा की सजा हुई है तो ऐसे में उनकी सदस्यता (संसद और विधानसभा से) रद्द हो जाती है। सुप्रीम कोर्ट ने यह दिशानिर्देश जनप्रतिनिधित्व कानून की धारा 8 (4) निरस्त कर दिया है। हालांकि, कोर्ट ने प्रत्याशियों को एक राहत जरूर दी है। जिसके तहत अगर सदस्य फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाता और फैसला पक्ष में आता है तो सदस्यता स्वतः ही वापस हो जाती है। आपको बता दें कि उत्तर प्रदेश के मऊ में साल 2022 के विधानसभा चुनाव के दौरान दिए गए भडक़ाऊ भाषण के मामले में सुभासपा विधायक अब्बास अंसारी को कोर्ट ने दोषी करार देते हुए दो वर्ष की सजा और तीन हजार का जुर्माना लगाया है।

लालू की याचिका हाईकोर्ट ने खारिज की

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने राजद सुप्रीमो और पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव की याचिका खारिज कर दिया है। लालू प्रसाद ने जमीन के बदले नौकरी घोटाले से संबंधित कथित भ्रष्टाचार मामले में निचली अदालत की कार्यवाही पर रोक लगाने की मांग की थी। इस घोटाले की जांच सीबीआई ने की थी। निचली अदालत में आरोप तय करने के लिए बहस 2 जून को शुरू होगी।

कोर्ट में पेश नहीं हो सके केजरीवाल

सोनीपत। यमुना नदी में जहर मिलाने के हरियाणा सरकार पर आरोप मामले में केजरीवाल की तरफ से दिल्ली का कोई भी वकील नहीं पहुंचा। हालांकि आम आदमी पार्टी की तरफ से स्थानीय वकील पेश हुआ। हरियाणा सरकार स्टेट की तरफ से भुवेश मलिक द्वारा रिप्लाई फाइल करना था। आज रिप्लाई फाइल नहीं किया गया है और कोर्ट के सामने सरकारी वकील भुवेश द्वारा अगली तारीख की रिक्वेस्ट की गई। जिसके चलते अगली सुनवाई 9 अक्टूबर 2025 को होगी।

सीजीएम नेहा गोयल की कोर्ट में अरविंद केजरीवाल की तरफ से पिछली तारीख पर दिल्ली से आए उनके वकील के द्वारा ऑब्जेक्शन एप्लिकेशन लगाई गई थी। वकील ने कहा कि एमपी/ एमएलए के खिलाफ मामले में कोर्ट के पास शिकायत की ट्रायल करने का अधिकार नहीं है। उन्होंने अपनी बात रखते हुए कहा है कि इसके लिए स्पेशल एमपी-एमएलए कोर्ट में सुनवाई की जानी चाहिए। वहीं सरकार की तरफ से सरकारी वकील ने अपना पक्ष रखते हुए ऑब्जेक्शन एप्लिकेशन का रिप्लाई देने के लिए कोर्ट से समय मांगा था। आज सरकारी वकील भुवेश की तरफ से रिप्लाई फाइल करना था।

मादक पदार्थ तस्कर को जुर्माने के साथ 7 साल का कठोर कारावास

कोटा । विशिष्ट एनडीपीएस न्यायालय, कोटा ने अवैध मादक पदार्थ तस्करी के एक पांच साल पुराने मामले में फैसला सुनाते हुए आरोपी को 7 साल के कठोर कारावास और ?75,000 के जुर्माने की सजा सुनाई है। यह निर्णय न्यायाधीश रामपाल सिंह ने सुनाया। आरोपी मांगीलाल, निवासी ग्राम मोरपा, थाना सुल्तानपुर (कोटा ग्रामीण), के पास से 8.5 किलो गांजा बरामद किया गया था।

देवी अहिल्याबाई महिला सशक्तिकरण महासम्मेलन में पीएम मोदी की पाकिस्तान को फिर चुनौती, कहा- सिंदूर भारत के शौर्य का प्रतीक बना

गोली का जवाब गोले से मिलेगा

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को भोपाल के जंबूरी मैदान में देवी अहिल्याबाई महिला सशक्तिकरण महासम्मेलन को संबोधित किया। यह ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहला महिला सम्मेलन था। इसे भाजपा ने देवी अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती पर आयोजित किया। इस दौरान महिला सशक्तिकरण सम्मेलन में संबोधन देते हुए पीएम मोदी ने हाथ जोडक़र मातृशक्ति को प्रणाम किया। उन्होंने कहा कि इतनी बड़ी संख्या में माताएं-बहनें हमें आशीर्वाद देने आई हैं। मैं आपके दर्शन पाकर धन्य हो गया हूं। प्रधानमंत्री मोदी ने जनसभा को संबोधित करते हुए पाकिस्तान पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर आतंकवाद के खिलाफ सबसे बड़ा ऑपरेशन है। हमारी सेना ने आतंकी ठिकानों को सैकड़ों किमी. अंदर घुसकर मिट्टी में मिला दिया। पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि पहलगाम में आतंकियों ने केवल भारतीयों का खून ही नहीं बहाया, उन्होंने हमारे संस्कृति पर प्रहार करने की कोशिश की है। उन्होंने हमारे समाज को बांटने की कोशिश की है। आतंकवादियों ने भारत की नारी शक्ति को चुनौती दी है। ये चुनौती आतंकवादियों और उनके आकाओं के लिए काल बन गई है। प्रधानमंत्री ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर आतंकवादियों के खिलाफ भारत के इतिहास का सबसे बड़ा और सफल ऑपरेशन है। जहां पाकिस्तान की सेना ने सोचा तक नहीं था वहां आतंकी ठिकानों को हमारी सेना ने मिट्टी में मिला दिया। सिंदूर हमारी परंपरा का प्रतीक, अब ये भारत के शौर्य का प्रतीक है।

पीएम मोदी ने इस अवसर पर कहा कि लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर, ये नाम सुनकर ही मन में श्रद्धा का भाव उमड़ पड़ता है। उनके महान व्यक्तित्व के बारे में बोलने के लिए शब्द कम पड़ जाते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि देवी अहिल्या भारत की विरासत की बहुत बड़ी संरक्षक थीं। जब देश की संस्कृति, मंदिरों पर हमले हो रहे थे, तब लोकमाता ने उनको संरक्षित करने का वीणा उठाया। देश में कई मंदिरों-तीर्थों का पुनर्निर्माण किया। मेरा सौभाग्य है, जिस काशी में लोकमाता ने विकास के इतने काम किए, उस काशी ने मुझे भी सेवा का अवसर दिया है। आज अगर आप काशी विश्वनाथ महादेव के दर्शन करने जाएंगे तो वहां आपको देवी अहिल्या बाई की मूर्ति भी मिलेगी।

आतंकियों के मददगारों को चुकानी पड़ेगी भारी कीमत

पीएम मोदी ने कहा कि सिंदूर हमारी परंपरा है, नारी शक्ति का प्रतीक है। राम रंग में रंगे हनुमान जी ने भी सिंदूर का श्रृंगार किया था। शक्तिपूजा में भी सिंदूर का अर्पण किया जाता है। यह सिंदूर शौर्य का प्रतीक बन गया। पहलगाम में आतंकियों ने सिर्फ भारतीयों का खून ही नहीं बहाया, उन्होंने हमारी संस्कृति पर भी प्रहार किया। हमारे समाज को बांटने की कोशिश की। आतंकवादियों ने भारत की नारी शक्ति को चुनौती दी है। यह चुनौती आतंकवादियों और उनके आकाओं के लिए काल बन गई। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर आतंकवादियों के खिलाफ भारत के इतिहास का सबसे बड़ा और सफल ऑपरेशन है। पाकिस्तान ने सोचा तक नहीं था कि वहां आतंकी ठिकानों को हमारी सेना मिट्टी में मिला देगी। हमारी सेना ने सैकड़ों किलोमीटर भीतर घुसकर आतंकी ठिकानों को मिट्टी में मिला दिया। ऑपरेशन सिंदूर ने डंके की चोट पर कह दिया है कि आतंकवाद के जरिए प्रॉक्सी वार नहीं चलेगा। अब घर में घुसकर भी मारेंगे और जो आतंकियों की मदद करेगा उसको भी इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। भारत का एक-एक नागरिक कह रहा है कि अगर तुम गोली चलाओगे तो मान कर चलो कि गोली का जवाब गोली से ही दिया जाएगा।

गांव की बहनों का हौसला और कमाई बढ़ी

पीएम ने कहा कि एक समय था जब नई टेक्नोलॉजी आती थी तो महिलाओं को उससे दूर रखा जाता था। हमारा देश आज उस दौर को पीछे छोड़ रहा है। आज सरकार का प्रयास है कि आधुनिक तकनीक में भी हमारी बहनें आगे बढक़र नेतृत्व दें। खेती में ड्रोन क्रांति आ रही है। इसको हमारी बहनें ही नेतृत्व दे रही हैं। नमो ड्रोन दीदी अभियान से गांव की बहनों का हौसला और कमाई बढ़ रही है। उनकी नई पहचान बन रही है। आज बहुत बड़ी संख्या में हमारी बेटियां वैज्ञानिक, डॉक्टर, इंजीनियर और पॉयलट बन रही हैं। हमारे यहां साइंस और मैथ पढने् वाली बेटियों की संख्या लगातार बढ़ रही हैं। जितने भी बड़े स्पेस मिशन हैं, उनमें बड़ी संख्या में हमारी बहन-बेटियां काम कर रही हैं। चंद्रयान 3 मिशन में तो 100 से अधिक महिला वैज्ञानिक और इंजीनियर शामिल थीं।

पढ़ाई और दवाई के साथ कमाई भी जरूरी है

पीएम ने कहा कि महिलाओं के लिए पढ़ाई और दवाई के साथ ही जो बहुत जरूरी चीज है वो कमाई भी है। जब महिलाएं की अपनी आय होती है तो घर में उसका स्वाभिमान बढ़ जाता है। घर के निर्णयों में उसकी सहभागिता बढ़ जाती है। बीते 11 वर्षों में हमारी सरकार ने देश की महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त करने का काम किया है। 2014 से आपने मुझे सेवा का अवसर दिया उससे पहले, 30 करोड़ बहनें ऐसी थी, जिनके बैंक खाते ही नहीं थे। हमारी सरकार ने उनके खाते खुलवाए और अलग-अलग योजनाओं के पैसे उनके खातों में भेज रही है। वे गांव हो या शहर अपना कुछ न कुछ काम कर रही है। आर्थिक उपार्जन कर रही हैं, स्वरोजगार कर रही हैं। मुद्रा योजना से बिना गारंटी के लोन मिल रहा है। मुद्रा योजना की 75 परसेंट से ज्यादा लाभार्थी हमारी माता-बहनें हैं। देश में 10 करोड़ बहनें सेल्फ हेल्प ग्रुप से जुड़ी हैं। ये बहनें अपनी कमाई के साधन बनाएं इसके लिए सरकार मदद कर रही है। हमने ऐसी 3 करोड़ बहनों को लखपति दीदी बनाने का संकल्प लिया है। डेढ़ करोड़ से ज्यादा बहनें लखपति दीदी बन चुकी हैं।

आयुष्मान भारत योजना ने महिलाओं की चिंता खत्म की

प्रधानमंत्री ने कहा कि पहले माताएं-बहनें अपनी बीमारियों छिपाने पर मजबूर थीं। गर्भावस्था के दौरान अस्पताल जाने से बचती थीं। उनको लगता था कि इससे परिवार पर बोझ पढ़ेगा। इसलिए दर्द सहती थीं। आयुष्मान भारत योजना ने उनकी इस चिंता को भी खत्म किया है। अब वो भी अस्पताल में 5 लाख रुपए तक का मुफ्त इलाज कर सकती हैं।

सरकार हर घर तक नल से जल पहुंचा रही

उन्होंने कहा कि आज सरकार हर घर तक नल से जल पहुंचा रही है, ताकि हमारी माताओं-बहनों को असुविधा न हो। बेटियां अपनी पढ़ाई में ध्यान दे सकें। करोड़ों लोगों के पास पहले बिजली, एलपीजी और टॉयलेट जैसी सुविधाएं भी नहीं थीं। ये सुविधाएं भी हमारी सरकार ने पहुंचाईं। ये सिर्फ सुविधाएं नहीं हैं, ये माताओं-बहनों के सम्मान का हमारी तरफ से नम्र प्रयास है। इससे उनके जीवन से अनेक मुश्किलें कम हुई हैं।

हमारी सरकार लोकमाता के मूल्यों पर चल रही

मोदी ने कहा कि हमारी सरकार लोकमाता अहिल्याबाई के इन्हीं मूल्यों पर चलते हुए काम कर रही है। नागरिक देवो भव: ये आज गवर्नेंस का मंत्र है। सरकार की हर बड़ी योजना के केंद्र में माताएं, बहनें-बेटियां हैं। गरीबों के लिए 4 करोड़ घर बनाए जा चुके हैं। इनमें से ज्यादातर घर हमारी माताओं-बहनों के नाम हैं। इनमें से कई माताएं-बहनें ऐसी हैं, जिनके नाम पर पहली बार कोई संपत्ति दर्ज हुई हैं। यानी पहली बार घर की मालकिन बनी हैं।

अब आतंकियों के जरिए प्रॉक्सी वॉर नहीं चलेगा

पीएम ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने डंके की चोट पर कह दिया है कि आतंकियों के जरिए प्रॉक्सी वॉर नहीं चलेगा। अब घर में घुसकर भी मारेंगे और जो आतंकियों की मदद करेगा उसे भी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। 140 करोड़ देशवासी कह रहे हैं अगर तुम गोली चलाओगे, मानके चलो गोली का जवाब गोले से दिया जाएगा। पहलगाम में आतंकियों ने सिर्फ भारतीयों का खून ही नहीं बहाया उन्होंने हमारी संस्कृति पर भी प्रहार किया। उन्होंने समाज को बांटने की कोशिश की। सबसे बड़ी बात आतंकियों ने भारत की नारी शक्ति को चुनौती दी है। ये चुनौती आतंकियों और उनके आकाओं के लिए काल बन गई है।

मप्र को मिली पहली मेट्रो सुविधा

प्रधानमंत्री ने कहा कि चुनौती कितनी भी बड़ी हो, भारत की बेटियां उस पर विजय पा सकती हैं। नक्सलियों के खिलाफ ऑपरेशन हो या फिर सीमा पार का आतंक, आज हमारी बेटियां भारत की सुरक्षा की ढाल बन रही हैं। मैं आज देवी अहिल्या की इस पवित्र भूमि से देश की नारी शक्ति को फिर से सैल्यूट करता हूं। आज का भारत भी विकास और विरासत दोनों को साथ लेकर चल रहा है। आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण को गति मिल रही है। आज मध्य प्रदेश को पहली मेट्रो सुविधा मिली है। इंदौर पहले ही स्वच्छता के लिए दुनिया में अपनी पहचान बन चुका है। अब इंदौर की पहचान उसकी मेट्रो से भी होने जा रही है। यहां भोपाल में भी मेट्रो का काम तेजी से चल रहा है। मध्य प्रदेश में रेलवे के क्षेत्र में व्यापक काम हो रहा है।

हवाई नेटवर्क से जुड़े दतिया और सतना

उन्होंने कहा कि आज दतिया और सतना भी हवाई यात्रा के नेटवर्क से जुड़ गए हैं। इससे बुंदेलखंड और विंध्य क्षेत्र में एयर कनेक्टिविटी बेहतर होगी। मां पीतांबरा, मां शारदा देवी और पवित्र चित्रकूट धाम के दर्शन करना और सुलभ हो जाएगा। भारत इतिहास के उस मोड़ पर है जहां हमें अपनी सुरक्षा, अपने सामर्थ्य और अपनी संस्कृति हर स्तर पर काम करना है। हमें अपना परिश्रम बढ़ाना है। इसमें हमारी मातृशक्ति, हमारी माता-बहनों और बेटियों की भूमिका बहुत बड़ी है। हमारे सामने देवी अहिल्याबाई जी की प्रेरणा है। रानी लक्ष्मीबाई, रानी दुर्गावती, कमलापति, अवंती बाई लोधी, सावित्रीबाई फुले ऐसे कई नाम हमें गौरव से भर देते हैं।

नारी शक्ति के बीच पीएम मोदी का शानदार रोड शो

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को यहां जंबूरी मैदान में हो रहे लोकमाता देवी अहिल्याबाई महिला सशक्तिकरण महासम्मेलन में शामिल हुए हैं। महिला सशक्तिकरण महासम्मेलन में शामिल होने के लिए पीएम नरेंद्र मोदी ने कार्यक्रम स्थल जंबूरी मैदान में सख्त सुरक्षा के बीच विशेष रूप से तैयार की गयी खुली जीप में सवार होकर लोगों के बीच पहुंचे। खुली जीप पर सवार होकर पीएम मोदी ने लोगों का अभिवादन किया, इनमें मुख्य रूप से महिलाएं शामिल थीं। मोदी एयरपोर्ट विशेष हेलीकॉप्टर से कार्यक्रम स्थल जंबूरी मैदान पहुंचे। वे हेलीपेड से सभास्थल में प्रवेश के समय खुली जीप में सवार नजर आए। खुली जीप में सवार होने के दौरान मार्ग के दोनों ओर हजारों महिलाएं हाथों में तिरंगा लिए हुए मोदी का स्वागत करती हुईं नजर आयीं। इस दौरान पीएम मोदी भी हाथ जोडक़र और दोनों हाथों को लहराकर सभास्थल पर मौजूद लोगों का अभिवादन किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती के अवसर पर महिला सशक्तिकरण महासम्मेलन में लोकमाता देवी अहिल्याबाई पर केंद्रित प्रदर्शनी का अवलोकन किया। राज्यपाल मंगुभाई पटेल और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

देश में 500 और 200 के नकली नोट के बढ़ने से चिंतित आरबीआई

नई दिल्ली। देश में नकली करेंसी का खतरा फिर बढ़ रहा है, खासकर 500 और 200 के नोटों को लेकर चिंता बढ़ी है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की वार्षिक रिपोर्ट 2024-25 में सामने आया है कि 500 के नकली नोटों की संख्या में 37.3 प्रतिशत और 200 के नकली नोटों में 13.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इस अवधि में कुल 2,17,396 नकली नोट पकड़े गए, जो कि बीते कुछ वर्षों की तुलना में काफी ज्यादा है। रिपोर्ट के मुताबिक, नकली नोटों का बड़ा हिस्सा निजी बैंकों द्वारा पकड़ा गया है, जबकि केवल 4.7 प्रतिशत नोट आरबीआई की निगरानी में आए हैं। यह दिखाता है कि नकली नोट आम बैंकिंग लेन-देन के जरिए बाजार में आ रहे हैं, जिससे आम जनता के लिए सतर्क रहने की जरूरत है। 500 के नकली नोटों की कुल संख्या 1,17,722 है,जबकि 200 के नकली नोट 32,660 पकड़े हैं। कुल नकली नोटों की संख्या 2022-23 के 2,25,769 से कुछ कम होकर 2024-25 में 2,17,396 रह गई है, लेकिन फिर भी चिंता का विषय है कि 500 और 200 के नोटों में नकली नोटों की संख्या में वृद्धि हुई है। नकली नोटों के इस बढ़ते प्रचलन को रोकने के लिए आम लोगों को खुद भी सतर्क रहना होगा और नोटों की जांच करने की आदत डालनी होगी। असली 500 नोट की पहचान करने के लिए कुछ खास बातें ध्यान में रखनी होंगी, जैसे इसका रंग स्टोन ग्रे होता है, आकार 66 मिमी × 150 मिमी है, और इसमें महात्मा गांधी की तस्वीर के साथ देवनागरी में '500' लिखा होता है। सिक्योरिटी थ्रेड रंग बदलने वाला होता है जो हरे से नीले रंग में बदलता है।

ऑपरेशन शील्ड : जम्मू-कश्मीर, गुजरात समेत 6 राज्यों में मॉक ड्रिल, रेस्क्यू और ब्लैकआउट का अभ्यास

हवाई हमले, बम ब्लास्ट और आपात स्थिति से निपटने की तैयारी का परीक्षण

नई दिल्ली। देश की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने और आपात स्थितियों में त्वरित कार्रवाई की तैयारी को परखने के लिए शनिवार को ऑपरेशन शील्ड के तहत छह राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मॉक ड्रिल की गई। इसमें जम्मू-कश्मीर, गुजरात, राजस्थान, हरियाणा, पंजाब और चंडीगढ़ शामिल रहे।

ऑपरेशन शील्ड के तहत शनिवार को जम्मू-कश्मीर और गुजरात समेत 6 राज्यों में मॉक ड्रिल शाम 5 बजे शुरु की गई जो रात 9 बजे तक चली। रात में कुछ देर का ब्लैकआउट अभ्यास भी किया गया। ऑपरेशन शील्ड के तहत की गई मॉक ड्रिल का मकसद युद्ध या आतंकवादी हमलों जैसी गंभीर परिस्थितियों में नागरिक प्रशासन, पुलिस, फायर ब्रिगेड और मेडिकल सेवाओं की आपसी तालमेल और तत्परता का परीक्षण करना था।

जम्मू-कश्मीर में एयर स्ट्राइक की मॉक ड्रिल

जम्मू, अनंतनाग और बारामुल्ला सहित कई जिलों में मॉक ड्रिल की गई। जम्मू के अखनूर में एयर स्ट्राइक की स्थिति को दर्शाया गया। ब्लैकआउट के दौरान बिजली बंद कर दी गई और सभी जगहों पर रेस्क्यू और सुरक्षा एजेंसियों को तैनात किया गया।

गुजरात में हुआ रेस्क्यू ऑपरेशन का प्रदर्शन

गुजरात के पाटण और वलसाड में सायरन बजाए गए और एयर स्ट्राइक की मॉक ड्रिल की गई। पाटण तहसील कार्यालय में आग लगने की घटना दर्शाई गई, जिसमें तीन लोगों के फंसे होने की सूचना पर दमकल और रेस्क्यू टीम ने उन्हें सुरक्षित बाहर निकाला।

राजस्थान में धमाकों और बचाव अभियान की रिहर्सल

जयपुर, अजमेर, कोटा और सीकर जिलों में हवाई हमले की मॉक ड्रिल की गई। जयपुर के खातीपुरा क्षेत्र में अचानक धमाके और फायरिंग की स्थिति पैदा की गई। सीकर के कल्याण मेडिकल कॉलेज में भी चार धमाकों का मॉक सीन तैयार किया गया।

ट्रंप का नया वॉर... स्टील सेक्टर पर लगाया 50 प्रतिशत टैरिफ

वाशिंगटन। डोनाल्ड ट्रंप ने स्टील सेक्टर पर एक और वॉर कर दिया है। अमेरिकी आयात शुल्क को 25 प्रतिशत से बढ़ाकर 50 फीसदी कर दिया है यानी अब इस्पात आयात पर टैरिफ 50 प्रतिशत लगेगा। ट्रंप का मानना है कि इस नए नियम से अमेरिका इस्पात को नया बल मिलेगा। पेंसिल्वेनिया में यूएस स्टील के मोन वैली वर्क्स-इरविन प्लांट में बोलते हुए डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि टैरिफ में इस बढ़ोतरी से घरेलू इस्पात के कारोबार में मजबूती आएगी।

यह नया टैरिफ बुधवार से लागू कर दिया जाएगा। स्टील के अलावा एल्युमीनियम टैरिफ में भी इसी तरह की बढ़ोतरी होने वाली है। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है, जब जनवरी में ट्रंप के सत्ता में वापस आने के बाद से घरेलू स्टील की कीमतों में 16 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। वाणिज्य विभाग के अनुसार, मार्च में स् में स्टील की कीमत 984

डॉलर प्रति मीट्रिक टन थी, जो यूरोप के 690 डॉलर और चीन के 392 डॉलर प्रति मीट्रिक टन से कहीं ज्यादा थी।

भारत पर इन देशों की टिकी नजर

टैरिफ बढ़ोतरी वैश्विक व्यापार गतिशीलता को हिलाकर रख देने वाली है। यूरोपीय संघ, चीन और ब्राजील जैसे प्रमुख उत्पादकों से स्टील और एल्युमीनियम निर्यात, जो अब अमेरिकी बाजार से काफी हद तक बाहर हो चुके हैं, के भारत सहित वैकल्पिक रास्तों की तलाश करेंगे। विश्लेषकों ने इस बढ़ते जोखिम की चेतावनी दी है कि भारत, जो पहले से ही वैश्विक अतिक्षमता से जूझ रहा है, सस्ते स्टील की डंपिंग में वृद्धि का सामना कर सकता है। इससे घरेलू कीमतें और मार्जिन कम हो सकते हैं। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव की एक रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा स्टील और एल्युमीनियम आयात पर टैरिफ दोगुना करने के फैसले से भारत के 4.56 बिलियन अमेरिकी डॉलर के धातु निर्यात पर असर पडने् वाला है। वित्त वर्ष 2025 में भारत ने अमेरिका को 4.56 बिलियन अमेरिकी डॉलर मूल्य के लौह, इस्पात और एल्युमीनियम उत्पादों का निर्यात किया। इसमें लोहा और इस्पात में 587.5 मिलियन अमरीकी डॉलर, लोहे या इस्पात के लेखों में 3.1 बिलियन अमरीकी डॉलर और एल्युमीनियम और संबंधित लेखों में 860 मिलियन अमरीकी डॉलर शामिल थे।

भाजपा की महिला नेत्री के बेटे के 130 अश्लील वीडियो वायरल, उप्र में मचा हड़कंप

लखनऊ। भाजपा नेताओं के एक के बाद एक वीडियो वायरल हो रहे हैं। कोई हाईवे पर सेक्स करता नजर आता है तो कोई ठुमके लगाती महिला के साथ अश्लील हरकत करता दिखाई देता है। अब उत्तर प्रदेश के मैनपुरी की एक भाजपा नेत्री के बेटे की करतूत उजागर हुई है। उसके करीब 130 वीडियो वायरल हुए हैं। ये अश्लील वीडियो जिस महिला के साथ हैं उसने भी आरोप लगाते हुए कहा है कि नशा कराने के बाद ये गंदा काम किया और अश्लील वीडियो बनाए। उधर आरोपी की पत्नी ने भी कहा कि मुझे शादी के बाद से ही प्रताड़ित किया गया और मुझे भी अश्लील वीडियो दिखाए गए हैं। यह वीडियो होटलों और रेस्तरां में बनाए गए हैं। वीडियो में दिख रही युवती खुद सामने आ गई है और भाजपा नेत्री के बेटे के खिलाफ पुलिस में केस दर्ज कराया है। मामला मैनपुरी के कोतवाली थाना क्षेत्र में रहने वाली भाजपा नेत्री के बेटे का है। पुलिस केस दर्ज कर नेत्री के बेटे की तलाश कर रही है। फिलहाल बेटा फरार बताया जा रहा है। विपक्षी दलों ने भी भाजपा के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। एक्शन की मांग सोशल मीडिया पर भी खूब हो रही है।जिस भाजपा नेत्री के बेटे का वीडियो वायरल हो रहा है वह फिलहाल मैनपुरी शहर के एक मंडल की अध्यक्ष हैं। वीडियो में नजर आ रही युवती ने पुलिस को तहरीर देकर आरोप लगाया है कि नशीला पदार्थ खिलाकर उसके साथ यह घटना की गई और वीडियो बनाया गया है। पुलिस ने युवती की तहरीर पर ही भाजपा नेत्री के बेटे के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। बताया जाता है कि युवती भी शादीशुदा है और अपने पति से अलग रहती है।

नक्सल क्षेत्र के दुर्गम गांव पालागोंदी में जिला प्रशासन ग्रामीणों से सम्पर्क के लिए पहुँचा

17 विभागों ने चालिसबोडी, कावेली और मोहनपुर के नागरिकों को दिया हितलाभ, 126 नागरिकों को 9 विभागों की योजनाओँ का दिया लाभ, मूलभूत सुविधाएं देने के लिए अग्रसर-कलेक्टर श्री मीना

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। बालाघाट के नक्सल क्षेत्र में दुर्गम गांव पालागोंदी में शनिवार को जिला प्रशासन के 19 विभागों द्वारा संपर्क शिविर आयोजित किया गया। कलेक्टर श्री मीना ने शिविर के सम्बंध में कहा कि जिले में नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विशेष रूप से ऐसे शिविर लगाकर वहां के नागरिकों की समस्याओं को जानने और उन्हें सुविधाएं देने के प्रयास किये जा रहें है। साथ ही कई योजनाओँ का लाभ दिया जा रहा है। हम संपर्क कर उनकी आवश्यकताओं को महसूस करते हुए लाभ भी दे रहे है। शिविर के दौरान पेंशन योजना में 12, संबल के 41, जाति प्रमाण पत्र 16, खाद्याह्न पर्ची 37, कृषि बीज वितरण 9, आयुष्मान कार्ड 7, ला ?ली लक्ष्मी के 2 और सोलर लाइट ट्रेप व गेंदा फूल के 1-1 हितग्राही को लाभ दिया गया। यह शिविर मुख्य रूप से आईजी संजय सिंह जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन द्वारा शिविर आयोजित किया गया।

भटके लोगों को परिवार के सदस्य और गांव वाले समझाएं

शिविर में आईजी संजय सिंह ने कहा कि जो लोग भटक गए है और वे नक्सल क्षेत्र में चले गए है। उन्हें परिवार और गांव वाले समझाए, नक्सल में कोई भविष्य नहीं है। मप्र शासन की आत्मसमर्पण नीति बहुत अच्छी है। इसमें नोकरी के साथ अन्य लाभ भी है।पुलिस की मदद करे और ईनाम भी पाए। शिविर में जिला पंचायत सीईओ अभिषेक सराफ, एएसपी आदर्शकान्त शुक्ला, एसडीएम प्रदीप कौरव, सीईओ धनीराम उइके,पीडब्ल्यूडी कार्यपालन यंत्री श्री अडमे, महाप्रबंधक एमपीआरआरडीए श्रीमति माया परते सहित अन्य विभागों के विभाग प्रमुख मौजूद रहे।

आआई बेस्ड एक्स-रे मशीन से की टीबी की जांच तुरंत प्राप्त हुई रिपोर्ट

शिविर के दौरान स्वास्थ्य विभाग द्वारा आआई बेस्ड पोर्टेबल डीआई मशीन से एक्स रे किये गए। रेडियोग्राफर श्री अंकुश माहुले ने बताया कि इस मशीन के द्वारा तत्काल रिपोर्ट भी जनरेट हो जाती है। जिसे डॉक्टर द्वारा जांचने के पश्चात टीबी कार्यक्रम के एक अन्य कर्मचारी को और सम्बंधित गांव की आशा को प्रदान की जाती है। आवश्यकता अनुसार उपचार और आर्थिक प्रदान किया जाता है। यह शिविर में कृषि विभाग ने बारिश से पूर्व बुवाई की तैय्यारी के साथ क्या फसल और कैसे बोए? सामाजिक न्याय विभाग ने पेंशन योजनाओँ और राजस्व विभाग ने बताया कि जंगल में बाघ द्वारा पशुओं का शिकार कर लेने पर उस पशु का पोस्ट मार्डम कराने की आवश्यकता के बारे में बताया गया।

व्यक्तिगत रूप से प्राप्त शिकायतों का कलेक्टर ने निराकरण के लिए समय दिया

कलेक्टर श्री मीना ने शिविर के दौरान व्यक्तिगत लाभ के साथ ही व्यक्तिगत और सार्वजनिक समस्याओं के आवेदन प्राप्त करते हुए मंच से उनके निराकरण के सम्बंध में भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बिजली की वायरिंग बदलने का कार्य किया जा रहा है। पूरे क्षेत्र में वोल्टेज की समस्या 1 माह में खत्म हो जाएगी। जल जीवन मिशन में जो ठेकेदार काम कर रहा था। उसने काम बंद कर दिया है, दूसरे ठेकेदार से काम 3 माह में पूर्ण कराया जाएगा। कलेक्टर श्री मीना ने पेंशन योजनाओं के लाभ, जाति व वनाधिकार पट्टों और स्वामित्व योजना का लाभ देने के एसडीएम को निर्देश दिए है। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता नियुक्ति शीघ्रता से होगी, वही हाई स्कूल बाउंड्रीवाल,बालक छात्रवास बनाने के लिए प्रस्ताव और मोहनपुर के शंकरघाट के सौंदर्यीकरण के लिए एस्टिमेट प्रस्तुत करने के भी निर्देश दिए है।

पीएम एक्सीलेंस महाविद्यालय में मनाय ा गया विश्व तम्बाकू निषेध दिवस

रैली एवं कार्टून फिल्म के जरिये बताया गया धूम्रपान के क्या है दुष्परिणाम

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय में 31 मई विश्व तम्बाकू निषेध दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमे महाविद्यालय के एनसीसी एवं एनएनएस कैडेट्स तथा स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के छात्र छात्राओं द्वारा रैली निकाली गई एवं नगरवासियों को तम्बाकू खाने से होने वाले नुकसान के बारे में बताया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ. सीमा श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में तम्बाकू निषेध दिवस के बारे में छात्र छात्राओं को जानकारी प्रदाय की गई। साथ ही समस्त विद्यार्थियों को नशा न करने तथा नशा करने वालो को रोकने की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम में एक कार्टून फिल्म के माध्यम से बताया गया की तम्बाकू खाने से हमारे शरीर में क्या क्या रोग होते है। इस दौरान समस्त विद्यालय परिवार उपस्थित रहा।

एनसीसी का दस दिवसीय संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर हुआ प्रारंभ

शिविर में विभिन्न तरह के सैन्य एवं आत्मरक्षा तथा व्यक्तित्व निर्माण के दिए जाएंगे प्रशिक्षण

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। कैम्प कमाण्डेन्ट ले.कर्नल विनीत कमल गुप्ता, 6 मप्र बटालियन एनसीसी बालाघाट के तत्वाधान में एवं असिसटेंट कमिश्नर राहुल नायक ट्राइबल, पी के अंगुरे, प्राचार्य शासकीय कन्या शिक्षा परिसर बालाघाट (गोंगलई), के सहयोग से दस दिवसीय 99वां संयुक्त वार्षिक एनसीसी प्रशिक्षण शिविर का प्रारंभ शुक्रवार से शासकीय कन्या शिक्षा परिसर गोंगलई में किया गया। इस शिविर में दिनांक 30 मई से 08 जून तक विभिन्न प्रकार के सैन्य एवं आत्मरक्षा तथा व्यक्तित्व निर्माण के प्रशिक्षण दिये जायेंगें। इस प्रशिक्षण शिविर में कैडेटस को योगा, पीटी, ड्रिल, शस्त्र विद्या, मैपरिडिंग, लीडरशिप, यातायात सुरक्षा, रास्ट्रीय एकता, भारतीय सेना में प्रवेश के अवसर विषय पर सतत प्रशिक्षण दिया जायेगा। इसके साथ ही विभिन्न खेलकूद गतिविधियाँ जैसे वालीवाल, खो खो, रस्साकस्सी सभी शारिरिक दक्षता को बढाने के लिये आयोजित की जायेगी। दस दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में राष्ट्रीय महत्व के महत्वपूर्ण बिदुओं जैसे व्यक्तित्व का विकास, राष्ट्र के निर्माण में युवाओं का योगदान, प्राथमिक उपचार, आपदा प्रबंधन, राष्ट्रीय सुरक्षा, प्रदूषण नियंत्रण सामाजिक सुरक्षा आदि विषयों पर भी विषय विषेशज्ञों द्वारा व्याख्यान आयोजित किये जायेंगे। शिविर का महत्वपूर्ण भाग फायरिंग है, जिसमें प्रत्येक कैडेट को फायरिंग कराने का प्रयास किया जायेगा। इस कैम्प में बालाघाट एवं छिंदवाड़ा जिले के 412 कैडेटस भाग ले रहे हैं कैप्टन हेमंत कुमार मण्डाले, डिप्टी कैम्प कमाण्डेंट, कैप्टन राजेन्द्रसिंह कुशराम, कैम्प एजूटेन्ट, सूबेदार जोगिन्दर लाल, प्रशिक्षण एवं सुरक्षा शिविर प्रभारी तथा अन्य एनसीसी अधिकारी एवं पीआई भी शिविर में सम्मिलित है।

राष्ट्रीय नेत्र ज्योति अभियान के तहत जून माह भर शिविर होंगे क्रियान्वित

कस्तूरा युति भवन में प्रतिदिन होगी मरीजों का स्क्रीनिंग

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। राष्ट्रीय अंधत्व नियंत्रण कार्यक्रम के तहत जिले में राष्ट्रीय नेत्र ज्योति अभियान का प्रारंभ किया जा रहा है। जिसके अंतर्गत 02 जून से मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए स्वयं सेवी संस्था दादा वीरेन्द्र पूरी (देवजी नेत्रालय) संस्थान जोतपुर तिलवाराघाट जबलपुर के सहयोग से जिले के सिविल अस्पताल सामू.स्वास्थ्य केंद्रों में नेत्र रोग के निदान के लिए शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। सीएमएचओ डॉ. परेश उपलव ने जानकारी देते हुए बताया कि जिले की प्रत्येक सीएचओ अपने कार्यक्षेत्र-आयुष्मान आरोग्य मंदिर में नेत्र की बीमारियों के मरीजों को चिन्हित कर सूचीबद्ध करेगी। साथ ही मोतियाबिंद ऑपरेशन का लक्ष्य हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर को 1000 की आबादी पर सात मोतियाबिंद की दर से ऑपरेशन लक्ष्य निर्धारित कर प्रतिमाह लगने वाले ब्लॉक स्तरीय शिविर में मोतियाबिंद मरीजो को भेजना सुनिश्चित करेंगी।

इन केंद्रों पर होंगे शिविर

राष्ट्रीय नेत्र ज्योति अभियान के तहत कस्तूरा युति भवन सुभाष चौक बालाघाट में प्रतिदिन केवल मरीजो की स्क्रीनिंग एवं पंजीयन के लिए शिविर होगा। इसके अतिरिक्त सिविल अस्पताल बैहर एवं सा. स्वा. केंद्र बिरसा में 2, 16 व 23 जून को, सामू.स्वास्थ्य केंद्र परसवाड़ा एवं लामता में, 3, 17 व 24 जून को, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खैरलांजी व रामपायली में 4,18 व 25 जून को, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कटंगी में 5, 19 व 26 जून को, सिविल अस्पताल वारासिवनी एवं सा. स्वास्थ्य केंद्र लालबर्रा में 6, 20 व 27 जून को, सिविल अस्पताल लांजी में 9, 20 व 30 जून को और सामुदायिक केंद्र किरनापुर में 14, 21 एवं 28 जून को शिविर आयोजित किया जाएगा।

वाजिद मोहिब का स्थानांतरण हुआ सिवनी

उनके स्थान पर खाद एवं औषधि विभाग में उपसंचालक गीता तांडेकर देंगी अपनी सेवाएं

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। खाद्य एवं औषधि विभाग बालाघाट के उपसंचालक वाजिद मोहिब का स्थानांतरण खाद्य औषधि विभाग सिवनी हो गया है एवं उनके स्थान पर मण्डला की उपसंचालक गीता तांडेकर अब बालाघाट में खाद्य एवं औषधि विभाग में अपनी सेवाएं देंगी। आपको बता दे की बीते दिनों से प्रदेश में स्थानांतरण शुरू हो गए हैं । जिसके तहत अब जिले के अलग-अलग विभाग से अधिकारी, कर्मचारी अपना स्थानांतरण करवा रहे हैं तो वहीं दूसरे जिले से अधिकारी जिले में आ रहे हैं । इसी प्रकार 31 मई को भी लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा विभाग की एक लिस्ट जारी हुई , जिसमें खाद एवं औषधि विभाग के उपसंचालक वाजिद मोहिब का स्थानांतरण सिवनी हो गया है एवं उनके स्थान पर मण्डला की उपसंचालक गीता तांडेकर अब बालाघाट में खाद्य एवं औषधि विभाग में उप संचालक के पद पर अपनी सेवाएं देंगी ।

आवश्यकता है

पंचकर्म थेरेपिस्ट (महिला एवं पुरूष)

योग्यता-12वीं पास या डिप्लोमा

पता-सुनेरी आयुर्वेद एवं पंचकर्म क्लिनिक प्रेमनगर, वार्ड नं. 25 मार्डीकर गली बालाघाट

7000293553, 9479697117

बिजली कंपनी का उपाय ऐप हुआ अपग्रेड

बिजली उपभोक्ता अब पेन कार्ड के जरिए भी करा सकेंगे ई-केवायसी

भोपाल। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा कंपनी कार्यक्षेत्र के भोपाल, नर्मदापुरम, ग्वालियर एवं चंबल संभाग के अंतर्गत आने वाले 16 जिलों के बिजली उपभोक्ताओं को अनेक सुविधाएं एक ही प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध कराई गई हैं। कंपनी ने बिजली उपभोक्ता की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए कंपनी के उपाय ऐप को अपग्रेड कर दिया है। अब बिजली उपभोक्ता कंपनी के उपाय ऐप से घर बैठे ही अपने बिजली कनेक्शन से संबंधित अनेक सुविधाओं का लाभ केवल एक ऐप के माध्यम से ही उठा सकते है। कंपनी ने उपाय ऐप को अपग्रेड कर समग्र आईडी के साथ ही पैन कार्ड के माध्यम से भी ई-केवायसी करने की सुविधा उपलब्ध करवाई है। उपभोक्ता परिसरों में स्थापित स्मार्ट मीटर में बिजली खपत की जानकारी को देखने के साथ ही बिजली रीडिंग, बिलिंग, चेकिंग और अन्य बिजली संबंधी कार्यवाही के लिए उपभोक्ता परिसर में आने वाले बिजली कार्मिकों की पहचान हेतु एम्पलाई वेरिफिकेशन संबंधी फीचर भी उपलब्ध कराया है। उपभोक्ता अब उपाय के माध्यम से कंपनी के अधिकृत कर्मचारी की पहचान हेतु उससे कर्मचारी नंबर पूछकर उपाय एप के एम्पलाई वेरिफिकेशन फीचर के माध्यम से देख सकेंगे और अनधिकृत व्यक्ति तथा जालसाजों द्वारा बिजली कार्मिक बनकर किये जाने वाले धोखे से भी बच सकेंगे। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक क्षितिज सिंघल ने कहा है कि बिजली उपभोक्ताओं को निर्बाध बिजली आपूर्ति और उपभोक्ता सेवाएं प्रदान करना कंपनी का प्राथमिक दायित्व है और इसी क्रम में कंपनी द्वारा उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए उपाय ऐप को अपग्रेड किया गया है। इससे उपभोक्ता अब आसानी से अपने बिजली बिलों के भुगतान के साथ ही कनेक्शन संबंधी अन्य सेवाओं जिनमें बिल भुगतान, नवीन कनेक्शन आवेदन, बिल कंप्लेंट, पॉवर कंप्लेंट, कंप्लेंट स्टेट्स, बिल कैल्कुलेटर, बिजली चोरी की सूचना (इनफॉर्मर स्कीम), नेट मीटरिंग (सोलर रूफटॉप), विजिलेंस बिल भुगतान, ई-केवायसी, स्मार्ट मीटर खपत विवरण जैसी अनेक सुविधाओं का लाभ अब एक ही प्लेटफॉर्म पर उठा सकेंगे। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने उपभोक्ताओं से अपील की है वे गूगल प्ले स्टोर पर उपलब्ध उपाय ऐप को डाउनलोड कर बिजली संबंधी सेवाओं का लाभ उठाएं।

स्ट्रीट डॉग के लपकने से दो मोपेड सवार छात्र लोडिंग वाहन के नीचे आए, एक की हालत गंभीर

भोपाल। पुराने शहर के तलैया थाना इलाके में स्थित मोती मस्जिद रोड पर आवारा कुत्तों का झुंड मोपेड सवार छात्रों के पीछे लपक गया। छात्र घबरा गए और बचने की कोशिश में जिससे मोपेड अनियंत्रित होकर सामने से आ रहे लोडिंग वाहन में जा घुसा। हादसे में दोनों छात्र लोडिंग वाहन के नीचे आकर गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना बीती अलसुबह 6 बजे की है। दोनों छात्र टीटी नगर स्टेडियम जा रहे थे। एक छात्र की हालत गंभीर है। हादसे में एक अन्य बाइक सवार भी गिर गया था। मिली जानकारी के अनुसार, जुझर हुसैन (16) और मोईज अब्बास (17) लखेरापुरा में रहते है। जुझर 11 वीं का और मोईज 12 वीं क्लास का छात्र है। दोनों एक मोपेड पर टीटी नगर स्टेडियम जा रहे थे। घर से थोड़ी दूर निकलते ही लगभग आधा दर्जन आवारा कुत्तों ने उनका पीछा करना शुरू कर दिया। डर और घबराहट में स्कूटर बेकाबू होकर पास से गुजर रही बाइक से टकरा गई, जिससे छात्र सड़क पर गिर पड़े। उसी समय मोती मस्जिद क्षेत्र की ओर से एक लोडिंग आटो गलत दिशा में आते हुए छात्रों से टकरा गया। हादसे में जुझर के सिर में गंभीर चोट आई है, जबकि मोईज को हाथ-पैर में हल्की चोटें लगीं है। घटना के बाद दोनों घायलों को फ़ौरन ही इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां जुझर की हालत नाजुक बताई गई है। बाइक सवार युवक भी गिरा, लेकिन उसे मामूली चोट आई।

शहरी परियोजना के समस्त आंगनबाड़ी केंद्रों में विश्व तम्बाकू निषेध दिवस की गतिविधियां प्रारम्भ

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। कलेक्टर मृणाल मीना एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती दीपमाला मंगोदिया तथा परियोजना अधिकारी शैलेंद्र चौकसे के मार्गदर्शन में बालाघाट शहरी परियोजना के समस्त आंगनबाड़ी केंद्रों में विश्व तम्बाकू निषेध दिवस की गतिविधियां प्रारम्भ हो चूँकि है।

शनिवार को परियोजना स्तरीय विश्व तम्बाकू निषेध दिवस के उपलक्ष्य में जागरूकता रैली का आयोजन वार्ड नं 29 जय प्रकाश कॉलोनी में किया गया। जिसमें तम्बाकू और धूम्रपान से होने वाले दुष्परिणामों वाले नारों के साथ रैली निकाली गई। इस दौरान पर्यवेक्षक श्रीमती अंजना दुबे, श्रीमती नेहा ठाकुर एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ताएं उपस्थित रहीं।

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध

लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता

तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स

मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट

फोन:- 07632-243531

मो:- 8989976858, 9425139998

किरनापुर क्षेत्र में गौवंश को लेकर दो पक्षों में हुई मारपीट

विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ता हुए चोटिल, थाने में कराई शिकायत दर्ज, कड़ी कार्यवाहीं की कर रहे मांग

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। किरनापुर क्षेत्र के ग्राम भालवा में गौवंश को लेकर दो पक्षों में मारपीट हो गई। जिसमें विश्व हिंदू परिषद के कुछ कार्यकर्ता घायल हो गए। जिन्हें उपचार के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती किया गया है। बताया जा रहा है कि यह मारपीट गौवंश को लेकर की गई है, जहां विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ता बीती रात से ही गौवंश तस्करी रोकने के लिए घात लगाकर बैठे थे और अचानक जंगल में बंधे मवेशियों को दिन के समय थाने ला रहे थे उसी समय कुछ ग्रामीणों द्वारा मवेशी गांव के हैं कहकर कार्यकर्ताओं के साथ मारपीट कर दी। जिसमें कुछ कार्यकर्ता गंभीर रूप से घायल हो गए तो कुछ कार्यकर्ताओं को मामूली चोटे आई है इसके बाद विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ताओं ने इस पूरी घटना की शिकायत थाने में दर्ज करवा दी है और कड़ी से कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं वही अभी दूसरा पक्ष सामने नहीं आया है।

बता दे कि जिले के किरनापुर थाना अंतर्गत भालवा में शनिवार की दोपहर गौवंश को लेकर हिन्दुवादी संगठन और अन्य एक पक्ष के बीच विवाद के बाद मारपीट हो गई। जिसमें विहिप और बजरंग दल के 5 कार्यकर्ताओं को चोटें आई है। विहिप कार्यकर्ता रोहित पिछोड़े के सिर, पैर और पीठ में चोटें गंभीर होने पर उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जाता है कि इस दौरान वाहन में भी तोड़फोड़ की गई है। फिलहाल घटना के बाद किरनापुर थाने में घायल रोहित की शिकायत पर पुलिस ने अपराध दर्ज कर जांच में लिया है। घटना की जानकारी के बाद क्षेत्रीय विधायक राजकुमार कर्राहे भी अस्पताल पहुंचे और यहां घायल विहिप और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं से मुलाकात की। विधायक कर्राहे ने एसडीएम किरनापुर, थाना प्रभारी को गौतस्करों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही करने के निर्देश दिए। घायल रोहित पिछोड़े ने बताया कि गौवंश की तस्करी की सूचना पर वह, साथियो के साथ, भालवा गए थे।

जहां तालाब के खेत के पास लगभग 40 गौवंश को छुड़ाकर ला रहे थे। इस दौरान ही कुछ लोगों ने हमला कर दिया। घायल रोहित की मानें तो उस पर लोहे के पाई और चाकु से हमला किया गया है। फिलहाल गंभीर रूप से घायल रोहित को जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है। जबकि घायल अन्य लेखराम खरे, धनराज बिरनवार, बंटी ठाकरे और अन्य कुछ लोगों का किरनापुर अस्पताल में ही उपचार चल रहा है।

जिला स्तर पर आंदोलन किया जाएगा - चंदर दमाहे

विहिप उपाध्यक्ष चंदर दमाहे ने कहा कि मामले में पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई है। जिसमें पुलिस से कार्यवाही की मांग की गई है, यदि पुलिस कार्यवाही नहीं करती है तो प्रखंड स्तर के बाद जिला स्तर पर आंदोलन किया जाएगा। क्योंकि उनके कार्यकर्ता गौवंश तस्करी को रोकने के लिए कार्य करते हैं। भालवा में भी सूचना मिलने पर गौवंश की तस्करी रोकने के लिए ही कार्यकर्ता काम कर रहे थे। जहां पर जंगल में बांधे मवेशियों को उनके कार्यकर्ता थाने ला रहे थे, जिस पर कुछ लोगों ने उनके कार्यकर्ताओं के साथ मारपीट की है वह इस घटना का विरोध करते हैं, क्योंकि यदि गाय पलकों की यदि गाय थी तो वह जंगल में क्यों बंद कर रखी गई थी क्योंकि गाय पलकों की गाय हमेशा घरों में होती है। जंगलों में गाय तस्करों के द्वारा जानबूझकर बांधकर रखी गई थी और उन गायों की तस्करी की जानी थी, किसी की सूचना पर उनके कार्यकर्ता वहां पहुंचे थे।

घायल की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया है-ओमप्रकाश

एसडीओपी ओमप्रकाश ने दूरभाष पर चर्चा में बताया कि मामले में मारपीट का प्रकरण दर्ज कर जांच की जा रही है। गाय को लेकर विवाद की बात सामने आई है, जो जांच के बाद ही सामने आ पाएगा कि गाय की तस्करी हो रही थी या वह गौपालकों की थी। घायल की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया है।

आयुष्मान सेवा केन्द्र का मोतीनगर में हुआ शुभारंभ

जिले में अन्य स्थानों पर भी शीघ्र खुलेगें आयुष्मान सेवा केन्द्र

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। नगर में द्वितीय आयुष्मान सेवा केन्द्र का शुभारंभ जिले के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं आयुष्मान भवः फाउंडेशन के अध्यक्ष हीरालाल ताम्रकार वारासिवनी के पावन करकमलों द्वारा किया गया। जो

नागरिक सुविधा केन्द्र सर्च इन्फोटेक पर संचालित किया जायेगा। यहां आयुष्मान सेवा केन्द्र पर आयुष्मान से संबंधित बालाघाट एवं गोंदिया के निजी हास्पिटल की सूची को सार्वजनिक तौर पर लगायी गई है। शुभारंभ के शुभअवसर पर हीरालाल ताम्रकार द्वारा बताया गया कि विगत गई महीनों आयुष्मान भवः फाउंडेशन प्रयास कर रहा है कि पात्रता रखने वाले जरूरतमंद हितग्राहियों योजना का लाभ आसानी से कैसे मिले, इसके लिए संगठन ने अनेक बार संबंधित अधिकारी के साथ संपर्क किया एवं कलेक्टर मृणाल मीना ने भी आयुष्मान भारत योजना के सफल क्रियान्वयन के लिए पांच सूत्री मांगों के लेकर ज्ञापन सौंपा गया था, जिसे कलेक्टर ने गंभीरता से लिया और चार मांगों पर शासन की मुहर भी लगी जिससे सबसे बडी मांग यह थी कि योजना में उपचार पाने वाले हितग्राही को जानकारी दी जाये कि उसका अस्पताल द्वारा 5 लाख रूपये में से कितने रूपये का उपचार किया है एवं उसके परिवार के लिए शेष राशि कितनी बची हुयी है। जो 1 जून को पूरे प्रदेश में लागू किया जा रहा है जिसमें ब्हास्टएप्स चिटचेट के माध्यम से हितग्राही उपचार की राशि की संपूर्ण जानकारी प्राप्त कर सकते है। आगे उन्होंने बताया कि आयुष्मान भारत जैसी गरीबों की जीवनदायिनी योजनाओं को प्रचार प्रसार की ओर प्रयास किये जायेगें। संस्था की शिविर प्रभारी ने बताया कि शीघ्र ही अस्पतालों की सूची को संकलित करके सरल हिन्दी भाषा में जनसामान्य को उपलब्ध करवायी जायेगी जिसमें बालाघाट, गोंदिया, नागपुर, रायपुर, भंडारा आदि नगरों के आयुष्मान योजना से संबंधित निजी हास्पिटल के नाम, पता, मोबाइ्ल नंबर एवं बीमारियों के नाम होगें। संगठन के कोषाध्यक्ष डीपी राहंगडाले ने आयुष्मान कार्ड बनाने का कार्य स्थानीय बेरोजगार युवाओं से करवाने की मांग रखी। कार्यक्रम का संचालन पीसी भालाधरे द्वारा किया गया। स्वास्थ्य विभाग से उपस्थित हुये डीपी खरोले ने आयुष्मान योजना के बारे में विस्तृत से जानकारी दी। कार्यक्रम में उपाध्यक्ष विष्णुचरण राजौरिया, उपसचिव राकेश वर्मा ताम्रकार, संगठनमंत्री नानाजी बिसेन, संगठनसचिव नेतराम लिल्हारे, शिविर प्रभारी श्रीमति नूतन ताम्रकार, ओमप्रकाश मूलचंदानी, अभय जैन, राकेश दुबे, राजेश सिंह बैस, रूद्रांश ताम्रकार एवं अन्य नागरिक शामिल हुये।

अमृत भारत योजना के तहत हो रहे रेलवे स्टेशन के उन्नयन कार्य में डेडलाइन हुई खत्म

अभी भी नवीनीकरण का काम नहीं हुआ पूरा, धीमी गति से चल रहा कार्य, सिवनी जिले में हो चुका उद्घाटन

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। इन दिनों बालाघाट रेलवे स्टेशन में अमृत भारत योजना के तहत नवीनीकरण का कार्य चल रहा है जो बहुत ही धीमी गति से हो रहा है। जिससे यहां यात्रियों को भी परेशानी हो रही है तो साथ ही चल रहे काम को डीआरएम नागपुर सहित रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा भी समय-समय पर निरीक्षण के समय काम को तय समय सीमा में किए जाने की बात कही गयी थी। बालाघाट सिवनी सांसद द्वारा भी काम की गुणवत्ता सहित हो रही देरी को लेकर भी बीते दिनों संबंधित निर्माण एजेंसी और विभाग के अधिकारियों पर नाराजगी जाहिर की गई थी। जबकि सिवनी जिले में यही स्टेशन के नवीनीकरण का कार्य हो गया है तो वही बालाघाट में लेट लतीफी के कारण यह कार्य अभी भी पूरा नहीं हुआ है और कब तक पूरा होगा इस विषय पर कुछ कहा नहीं जा सकता, जबकि काम की अंतिम डेट लाइन 31 मार्च थी। आपको बता दे की अमृत भारत योजना के तहत पड़ोसी जिला सिवनी सहित देशभर के अन्य रेलवे स्टेशन की तरह बालाघाट रेलवे स्टेशन का 7.5 करोड़ की लागत से उन्नयन अथवा नवीनीकरण किया जा रहा है। स्टेशन के बाहरी परिसर का कार्य तो पूरा हो चुका है, लेकिन प्लेटफार्म क्रमांक-एक की तरफ बन रहे प्रतिक्षा कक्ष, शौचालय आदि का निर्माण कार्य अब भी अधूरे हैं। टाइल्स लगाने से लेकर पार्किंग का काम भी अटका पड़ा है। जबकि सिवनी

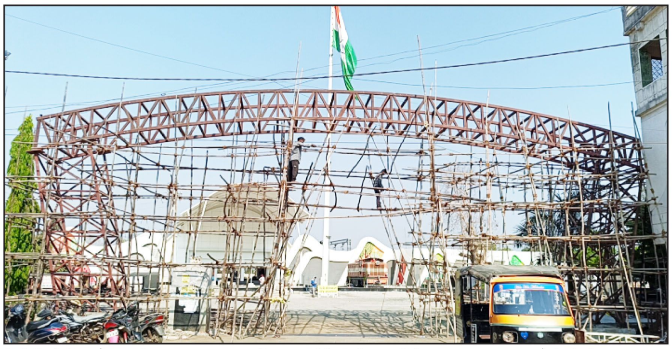

जिले में इसी योजना के तहत स्टेशन का उन्नयन पूर्ण हो चुका है, जिसका हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्चुअल उद्घाटन किया था, बालाघाट में ये काम अब भी अधूरा है।

बता दें कि उन्नयन का यह काम 31 मार्च को पूरा होना था, जो देरी के चलते नहीं हो पाया। सूत्रों के अनुसार, इस काम के लिए एजेंसी को दो महीने का अतिरिक्त समय दिया गया है। यानी नई डेडलाइन के मुताबिक, 30 जून तक काम पूरा होगा। जबकि समय-समय पर रेलवे के संबंधित वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा भी इस बन रहे रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया गया है तो वहीं बालाघाट सिवनी सांसद भारती पारधी द्वारा भी इसके निरीक्षण में काम को तय समय सीमा में किए जाने की बात कही गई थी। कई बार चल रहे काम की गुणवत्ता पर भी सवाल खड़े किए गए थे और काम को पूरी गुणवत्ता के साथ किए जाने की बात कही गई थी, वहीं ऐसा माना जा रहा था कि शुरू में सिवनी के साथ-साथ बालाघाट के भी रेलवे स्टेशन का उद्घाटन साथ में ही होगा, लेकिन काम की धीमी रफ्तार होने के कारण बालाघाट के रेलवे स्टेशन का उद्घाटन नहीं किया जा सका। अभी भी यह कहना संभव नहीं है कि चल रहे जिर्णोद्धार का कार्य कब तक पूरा होगा जबकि दो महीना एक्स्ट्रा भी कार्य को किए जाने को लेकर लिया गया है। यहां से आवागमन करने वाले यात्रियों को भी इस धीमी गति से चल रहे कार्य से परेशानी हो रही है उन्हें भी वाहन पार्किंग सहित स्टेशन में बैठक आदि व्यवस्था के लिए परेशान होना पड़ रहा है।

राष्ट्र सेविका समिति ने मनाया लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर की त्रिशताब्दी जन्मोत्सव, आयोजीत की व्याख्यान माला

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर, त्रिशताब्दी जन्म समारोह समिति ने शनिवार को, एक वर्ष से चले आ रहे त्रिशताब्दी जन्म, समारोह कार्यक्रम का समापन किया। एक निजी होटल में आयोजित, समापन समारोह कार्यक्रम में वरिष्ठ महिला चिकित्सक डॉ. अर्चना लोकरे, संघ संघचालक वैभव कश्यप, समारोह समिति जिला संयोजित स्वाती बंसोड़ सहित अन्य अतिथि और बड़ी संख्या में नागरिक मौजूद थे। समापन समारोह में व्याख्यान माला का आयोजन किया गया। जिसमें वक्ताओं ने लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर का स्मरण करते हुए कहा कि विकट परिस्थितियों में अहिल्याबाई ने जो बहुत कुछ किया। जो हमेशा, चिरस्मरणीय रहेगा। उन्होंने 12 ज्योतिर्लिंगों में एक सोमनाथ मंदिर का जीर्णोद्धार कराने के साथ ही बनारस के काशी विश्वनाथ मंदिर बनवाया। अहिल्याबाई ने अपने शासनकाल में महिलाओं के सम्मान, शिक्षा और समानता, विधवा विवाह को समर्थन, बालिकाओं की शिक्षा पर जोर देने के साथ ही इस प्रकार उन्होंने देश की प्रगति में विशेष योगदान दिया। साथ ही महिलाओं को शिक्षा का अधिकार दिलाया और महिला सशक्तिकरण के लिए जीवन पर्यंत प्रयत्न किया। उन्होंने महिलाओ को आगे बढ़ाने में योगदान दिया। जिनका आदर्श आज भी समाज को प्रेरित करता है। समापन राष्ट्र सेविका समिति की जिला कार्यवाहिका और लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की त्रिशताब्दी जिसमें तीन बड़े व्याख्यानमाला सहित विद्यालय, महाविद्यालय और छात्रावासो में बालिकाओं को लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर के प्रसंग और कहानियों से उन्हें प्रेरित करने का काम किया गया। इसके साथ ही उनके जीवन पर आधारित विषयों पर कविता, भाषण, निबंध और रंगोली प्रतियोगिता आयोजित की गई। आज त्रिशताब्दी जन्मोत्सव कार्यक्रम का समापन किया जा रहा है।

समारोह में महारानी लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर के राजसी प्रसंग का भी नाट्य रूपांतरण किया गया। जिसमें बच्चों ने इसमें प्रस्तुति दी। जन्म समारोह समिति की जिला संयोजिका स्वाती बंसोड़ ने बताया कि वर्ष भर समिति के माध्यम से विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

एक व्यक्ति को पत्नी को डांट फटकार लगाना महंगा पड़ा

साले,सास और पत्नी ने पिटाई कर,दी जान से मारने की धमकी

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। नगर के वार्ड नंबर 24 इंदिरा नगर विवेक ज्योति स्कूल के पास रहने वाले एक व्यक्ति को पत्नी को डांट फटकार लगाना उस समय महंगा पड़ गया। जब इस व्यक्ति की उसके साले,सास और पत्नी ने उसकी जमकर पिटाई कर दी और पुनः डांट फटकार लगाने पर जान से मार डालने की धमकी दे दी। 30 मई की रात्रि 9ः00 बजे यह घटना पारिवारिक विवाद के चलते हुई। कोतवाली पुलिस ने मुकेश पिता सूरजलाल राउत 36 वर्ष वार्ड नंबर 24 इंदिरा नगर बालाघाट निवासी द्वारा की गई रिपोर्ट पर उसके साले दीपक सरवरे सास श्यामा बाई सरवरे और पत्नी लक्ष्मी राउत के विरुद्ध मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार नगर के वार्ड नंबर 24 इंदिरा नगर निवासी मुकेश राउत ठेकेदारी का काम करते हैं। जिसके परिवार में उसकी पत्नी लक्ष्मी राउत तीन बच्चे हैं। मुकेश राउत अपने ससुराल के बाजू में मकान बनाकर परिवार सहित रहते हैं। 30 मई की रात्रि 9ः00 बजे जब मुकेश राउत काम करके घर आए, उसे समय उसकी बेटी दीपा राउत घर में नहीं दिखी। तब उसने अपनी पत्नी लक्ष्मी राउत से पूछा की लड़की दीपा कहां गई। तब लक्ष्मी राउत ने बताई की दीपा नानी के घर गई है। मुकेश राउत का कहना आया कि जब शाम के समय मैं घर में था, तब तुमने मेरे से पूछ कर लड़की क्यो नही भेजी। बाकी सभी बातों को लेकर तो बार-बार पूछती रहती हो। मुकेश राउत अपनी पत्नी लक्ष्मी राउत को इसी बात पर से डांट फटकार लगा रहा था। उसी समय मुकेश राउत का साला दीपक सरवरे और सास श्यामा बाई सरवरे दोनों आए और लक्ष्मी राउत को क्यों डांट फटकार लगा रहा है कहकर दोनों मां बेटे मुकेश राउत को अश्लील गालियां देने लगे, मुकेश राउत ने उन्हें गालीयो देने मना किया तो साले दीपक सरवरे ने कवेलू उठाकर मारा और सास श्यामा बाई सरवरे, पत्नी लक्ष्मी राउत ने मुकेश राउत को हाथबुक्के से मारपीट कर दिये। शोर सुनकर मोहल्ले पड़ोस के लोग दौड़े और बीच बचाव किये। कवेलू के टुकड़े और हाथ बुक्के से की गई मारपीट से मुकेश राउत के दाहिना हाथ, कोहनी,सिर माथा दोनो हाथ मे चोंटे आई। इसके बाद मुकेश रात को उसके साले दीपक सरवरे, सास श्यामा सरवरे और पति लक्ष्मी राउत ने दोबारा डांट फटकार लगाने पर जान से मार डालने की धमकी दे दी। इसके बाद मुकेश राउत रिपोर्ट करने के लिए कोतवाली पहुंचे। कोतवाली पुलिस ने मुकेश राउत का जिला अस्पताल में इलाज मुलाहिजा करवाये और उसके द्वारा की गई रिपोर्ट पर उसकी पत्नी लक्ष्मी राउत साले दीपक सरवरे सास श्यामा बाई सरवरे के विरुद्ध धारा 296 115(2) 351(3) 3(5) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की गई है।

उपनिरीक्षक श्री झारिया के छोटे पुत्र सागर झारिया असिस्टेंट प्रोफेसर के लिए चयनित

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित परीक्षा में जिला पुलिस बल बालाघाट में पदस्थ उप निरीक्षक आर आर झारिया के छोटे पुत्र सागर झारिया असिस्टेंट प्रोफेसर के लिए चयनित किए गए। ज्ञात हो की उप निरीक्षक आर आर झारिया मूल रूप से मंडला जिले में आने वाले ग्राम आमाडोंगरी (बम्हनी बंजर) के निवासी है। जो 2011 से जिला पुलिस बल बालाघाट में अपनी सेवाएं दे रहे

हैं और वे वर्तमान में जिले के गढ़ी पुलिस थाना में पदस्थ है। जिनकी दो बेटों में सागर झारिया छोटा बेटा है। जो उत्तराखंड के रुड़की में पीएचडी कर रहे थे। सागर झारिया मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित परीक्षा में असिस्टेंट प्रोफेसर के लिए चयनित किए गए। सागर झारिया के असिस्टेंट प्रोफेसर के लिए चयनित होने पर झारिया परिवार में जहां खुशी की लहर है वही उनके शुभचिंतकों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई शुभकामनाएं दी है।

देवी अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती पर पुलिस व्दारा महिला सशक्तिकरण हेतु जनजागरूकता कार्यक्रमों का किया गया आयोजन

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। जिले के लामता, वारासिवनी, खैरलांजी, मलाजखण्ड, परसवाड़ा, कटंगी और तिरोड़ी थानों में लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती पर महिला सशक्तिकरण के लिए जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इनमें संगोष्ठी, नुक्कड़ नाटक और सांस्कृतिक कार्यक्रम शामिल रहे, जिनमें महिलाओं और युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। आयोजित कार्यक्रमों का उद्देश्य महिलाओं को उनके संवैधानिक अधिकारों, सुरक्षा और सशक्तिकरण की जानकारी देना था। अहिल्याबाई के सुशासन, नारी सम्मान, विधवा विवाह और बालिका शिक्षा जैसे क्रांतिकारी कार्यों को याद किया गया। जनजागरुकता

कार्यक्रमों दौरान महिला पुलिस कर्मियों ने आत्म-सुरक्षा उपायों और महिला हेल्पलाइनः 1090, साइबर हेल्पलाइनः 1930, पुलिसः 100, बाल सहायताः 1098) की जानकारी साझा कर, संदेश दिया गया कि महिलाएं किसी भी आपात स्थिति में बिना हिचक सहायता प्राप्त कर सकती हैं, और पुलिस विभाग उनकी हर संभव मदद के लिए सदैव तत्पर है।

उपयंत्री की लापरवाही का खामियाजा भुगत रहे मजदूर, भुगतान कटौती से मजदूरों में आक्रोश व्याप्त

मजदूरों को कटकर मिल रही मनरेगा की मजदूरी, मौके पर पहुंचकर सही जानकारी नहीं देते उपयंत्री, मनरेगा योजना से करवाये जा रहे कार्यों में लगे मजदूरों ने पूरी मजदूरी देने की शासन-प्रशासन से की मांग

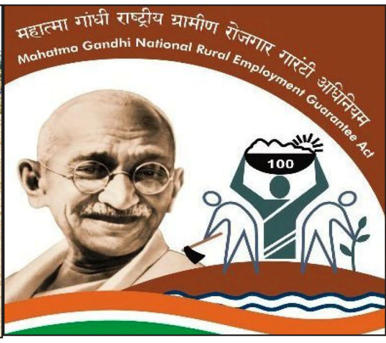

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली विभिन्न ग्राम पंचायतों में शासन के निर्देशानुसार मजदूरों को रोजगार उपलब्ध करवाने की मंशा से मनरेगा योजना के तहत अनेक काम करवाये जा रहे है। जिससे गांव का विकास हो सके और अधिक से अधिक मजदूरों को मनरेगा के तहत रोजगार मिल सके। लेकिन इस योजना के निर्माण कार्य में मजदूरों के भुगतान को लेकर अनेक तरह की समस्याएं आ रही है। प्रशासन के द्वारा मजदूरों से पूरा काम करवाने के बाद काम अधूरा एवं कम होने का हवाला देकर उनकी मजदूरी काटकर उनके खाते में भुगतान किया जा रहा है। जिससे मजदूरों में शासन प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है। ऐसा ही मामला ग्राम पंचायत खारी, मिरेगांव सहित अन्य पंचायतों का प्रकाश में आया है जहां मजदूरों से मनरेगा के तहत काम तो करवाया जा रहा है लेकिन उनकी मजदूरी उन्हे पुरी नही मिल पा रही है। जिसमें खारी पंचायत में किसी मजदूर की १२३ रूपये तो मिरेगांव में ६१ रूपये काटकर मजदूरी का भुगतान किया गया था जिससे मजदूरों में आक्रोश व्याप्त है। वहीं जिम्मेदारों का कहना है कि शासन के निर्देशानुसार मौके पर जितनी प्रोग्रेस दिखाई देगी उसके अनुसार ही मजदूरी का भुगतान किया जा रहा है। यानि की यह मानकर चले कि मजदूर जितना काम करेगें उतनी ही उन्हे मजदूरी मिलेगी। लेकिन शासन स्तर से मजदूरी कट रही है किन्तु मजदूरों के द्वारा मेटों, रोजगार सहायक, सचिव व सरपंच को मजदूरी काटने का दोषी मान कर उन्हे खरी-खोटी सुना रहे है। वहीं उपयंत्रियों के द्वारा भी मजदूरों को काम के बारे में सही जानकारी नही दी जाती है जिसके कारण मजदूरों को काम कैसे करना है उसकी जानकारी अच्छे से नही मिल पाता है। जिसका खामियाजा मजदूरों को भुगतना पड़ रहा है।

मनरेगा में अब जितना काम, उतना मिलेगा मजदूरों को भुगतान

आपको बता दें कि १०० दिन का रोजगार उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से शुरू की गई मनरेगा (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम) योजना मजदूरों के लिये वरदान की जगह अभिशाप साबित हो रही है क्योंकि इस योजना के तहत शासन-प्रशासन के द्वारा एक तरह से मजदूरों को शोषण किया जा रहा है। मजदूरों से पूरा काम करवाकर उनके खातों में मजदूरी काटकर भुगतान किया जा रहा है जिससे मजदूरों ने नाराजगी व्यक्त की है। जबकि मनरेगा के तहत मजदूरों को प्रतिदिन २६१ की मजदूरी मिलती और वे शहरी व ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में अन्य कामों में प्रतिदिन ४०० तक कमा सकते हैं जहां एक ओर यह असमानता मजदूरों को मनरेगा योजना में भाग लेने से हतोत्साहित कर रही है। तो वहीं वर्तमान में जो प्रशासन के द्वारा मजदूरों से पूरा काम लेने के बावजूद मजदूरी में कटौती की जा रही है जिससे मजदूरों का मन अब मनरेगा से उब रहा है। नतीजा यह है कि अमृत सरोवर निर्माण, खेत तालाब, चेक डैम, सीसी रोड, स्टॉप डैम, तालाब जीर्णोद्वार जैसी परियोजनाए कई पंचायतों में अधूरी रह गई हैं। पंचायतों पर समय सीमा के भीतर परियोजनाओं को पूरा करने के लिए अधिकारियों का दबाव भी है। मजदूरों का कहना है कि मनरेगा के तहत जो भी निर्माण कार्य हो रहे है उन निर्माण कार्य को देखने के लिये उपयंत्री मौके पर नहीं पहुंचते है और जब हम काम करके अपने-अपने घर चले जाते है। तब उपयंत्री कार्य स्थल पर पहुंचकर काम का मूल्यांकन कर उसमें कमियां निकालकर हमारी मजदूरी काटते है। जबकि उपयंत्री को कार्य स्थल पर रोजाना आकर काम की संपूर्ण जानकारी देनी चाहिये, काम किस तरह से करना है, कितना करना है, कब तक करना सहित अन्य आवश्यक जानकारी देनी चाहिये परंतु उनके द्वारा मजदूरों को कोई जानकारी नहीं दी जाती है। जब हम काम पूर्ण कर देते है और मजदूरी भुगतान का समय आता है तो फिर काम कम होने का हवाला देकर हमारी मजदूरी काटी जाती है। इस तरह से हम लोगों को उपयंत्री की लापरवाही का खामियाजा भुगतना पड़ता है और पूरी मेहनत के बाद भी हमें शासन प्रशासन के द्वारा अधूरी मजदूरी का भुगतान किया जाता है। शासन प्रशासन से हमारी मांग है कि मौके पर पहुंचकर उपयंत्री हमें पूरा काम समझाये जिसके अनुसार हम काम पूरा करके अपनी पूरी मजदूरी प्राप्त कर सके।

१ अप्रैल से २४३ से बढ़कर २६१ रूपये हुई है मजदूरी

ज्ञात हो कि शासन के द्वारा १ अप्रैल से दैनिक मजदूरी में केवल १८ रूपये की वृध्दि की गई है जिससे यह मजदूरी २४३ से बढ़कर २६१ हो गई। जबकि अन्य जगहों पर काम करने पर मजदूरों को इससे अधिक रोजी मिल जाती है और इतनी कम मजदूरी में भी मजदूर शासन के निर्देशानुसार ही मनरेगा में काम कर रहे है। लेकिन उपयंत्री की लापरवाही व सही जानकारी नहीं मिलने के कारण उनकी मजदूरी काटी जा रही है जिससे उनमें शासन-प्रशासन के प्रति रोष व्याप्त है।

मौके पर पहुंचकर उपयंत्री नहीं देते जानकारी - येदन

मजदूर श्रीमती येदन कावरे ने बताया कि मनरेगा योजना के तहत पंचायत में जारी निर्माण कार्य में काम कर रहे है। लेकिन मजदूरी भुगतान काटकर हमारे खातों में डाली जा रही है जिससे सभी मजदूर परेशान है, जबकि हम लोग अपना काम पूरा कर रहे है उसके बाद भी मजदूरी काट रहे है। साथ ही उपयंत्री निर्माण स्थल पर नही आते है, न ही काम किस तरह से करना है उसके बारे में कोई जानकारी देते है। जब हम लोग चले जाते है उसके बाद आकर मूल्यांकन कर हमारी मजदूरी काट देते है। जो गलत है, मेहनत से काम करते है तो पुरी मजदूरी मिलनी चाहिए।

जो नाप कर दिया जाता है उतना काम हम करते है - निर्मला

श्रीमती निर्मला बड्डे ने बताया कि मनरेगा योजना के तहत २६१ रूपये की मजदूरी मिलती है लेकिन विगत दिवस हमारी मजदूरी से १२३ रूपये काटकर भुगतान किया गया है। इस संबंध में इंजीनियर से जानकारी लिये तो उनका कहना है कि काम सही नही किया गया है इसलिए आपकी मजदूरी काटी है। जबकि हम लोग मेट के द्वारा जो नाप कर एवं काम दिया जाता है उसे पूरा करते हैं। लेकिन अधिकारी बाद में पहुंचकर काम कम होने हवाला देकर मजदूरी काट रहे है, जिससे मजदूर परेशान है। जबकि काम प्रारंभ होने के पहले पहुंचकर मजदूरों को आवश्यक दिशा निर्देश देना चाहिए।

घर जाने के बाद पहुंचते हैं अधिकारी - शंकुतला

श्रीमती शंकुलता सेलोकर ने बताया कि मिरेगांव के मीनाक्षी तालाब के निर्माण कार्य में मजदूरी का काम कर रहे है। जिसके एवज में प्रतिदिन २६१ रूपये की मजदूरी दी जाती है। लेकिन जब हमारे खाते में मजदूरी का भुगतान हुआ तो उसमें २६१ की जगह २०० रूपये मजदूरी का ही भुगतान किया गया था, ६१ रूपये काटी गई है। इसी तरह अन्य मजदूरों के साथ हो रहा है। साथ ही यह भी बताया कि भुगतान काटने के संबंध में जिम्मेदारों से चर्चा किये तो उनका कहना है कि काम कम होने के कारण काटी गई है। जबकि जब हम काम करते है तो कोई अधिकारी-कर्मचारी आकर हमें किस तरह काम करना है उसके बारे में जानकारी नही देते है और जब हम घर चले जाते है उसके बाद आते है।

मजदूरी कटने से मजदूर है परेशान - कला

मेट श्रीमती कला सार्वे ने बताया कि खारी पंचायत में मनरेगा योजना के तहत जितनी जानकारी हमें दी गई है उसके अनुसार मजदूरों से काम करवाया जा रहा है। लेकिन जब काम बंद था उस समय उपयंत्री मौके पर पहुंचे थे और उन्होंने नाप किया तो लंबाई-चौड़ाई कम होने की बात कहकर मजदूरी काटी है। जबकि उन्हें काम प्रारंभ होने के पहले आकर पूरी जानकारी मजदूरी को देनी चाहिए थी। काम समझना चाहिए था, उसके बाद यदि मजदूर काम कम करते तो भुगतान काटना चाहिए था, बिना जानकारी के काम करवाया जाता और बाद में मजदूरों की मजदूरी काटी जाती है जिससे मजदूरों में आक्रोश व्याप्त है। श्रीमती सार्वे ने बताया कि सरपंच के द्वारा हमें जो काम समझाया जाता है उसके अनुसार हम काम करवाते है एवं २६१ रूपये मजदूरी मिलेगी इस आश से मजदूर काम पर आते है। लेकिन २६१ न देकर १२३ रूपये भुगतान किया जाता है जिससे मजदूर परेशान है, मजदूरों को पुरा भुगतान मिलना चाहिए।

इनका कहना है

मनरेगा योजना के तहत पंचायतों में तालाब सहित अन्य निर्माण कार्य करवाये जा रहे है और मजदूर जितने काम कर रहे है उस कार्य का मूल्यांकन के आधार पर उनका भुगतान शासन स्तर से किया जा रहा है। स्थानीय स्तर पर भुगतान काटने का जो आरोप लगा रहे है सभी आरोप निराधार है।

मनीषा नागेश्वर
एसडीओं
मनरेगा जनपद पंचायत लालबर्रा

घोटी के वार्ड नं. ६ एवं ७ में नाली निर्माण होने से पानी निकासी की नही होगी परेशानी

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यसलय से लगभग ५ किमी. दूर ग्राम पंचायत घोटी के वार्ड नं. ६ एवं ७ में विगत वर्षों से पानी निकासी के लिए नाली नही होने के कारण बरसात के दिनों में निवासरत लोगों को खासा परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। साथ ही लंबे समय से निवासरत लोगों के द्वारा सरपंच से पक्की नाली का निर्माण करवाने की मांग कर रहे थे। जिसके बाद वार्ड नं. ७ पंच सीताराम गजबे के द्वारा शासन से राजाराम के घर से आंगनवाड़ी केन्द्र एवं दशरम के घर से गोपाल निकुहरे के मकान तक पक्की नाली स्वीकृत करवाकर बारिश के पूर्व पक्की नाली का निर्माण कार्य करवाया गया है, जिसका कार्य पूर्ण हो चुका है। इस तरह से लंबे समय बाद वार्ड नं. ६ एवं ७ में पक्की नाली का निर्माण हो जाने से अब पानी की निकासी नाली के माध्यम से होगी। चर्चा में पंच सीताराम गजबे ने बताया कि घोटी के वार्ड नं. ६ एवं ७ में लंबे समय से पक्की नाली निर्माण की मांग वार्डवासी कर रहे थे। जिनकी मांगों को पंचायत में प्रमुखता से रखते हुए शासन से नाली निर्माण कार्य स्वीकृत करवाकर नाली का निर्माण कार्य करवाया गया है, जिसका कार्य पूर्ण हो चुका है। साथ ही यह भी बताया कि पक्की नाली बन जाने से वार्डवासियों में हर्ष व्याप्त है और जिस समय नाली नही बनी थी। उस समय रोड़ के ऊपर से पानी बहता था जिससे सभी को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। अब नाली बन जाने से पानी की निकासी नाली से होगी जिससे गंदगी से मिलेगी निजात। नाली का निर्माण हो जाने से वार्ड पंच एवं वार्डवासियों ने सरपंच का जताया आभार।

शाही संदल और लंगर का हुआ आयोजन

हजरत सै. सफी अली शाह की मजार शरीफ में तीन दिवसीय उर्स का हुआ समापन

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय के सिवनी मार्ग स्थित हजरत सैय्यद सफी अली शाह र. अ. की मजार शरीफ में गत २९ मई से जारी तीन दिवसीय उर्स का ३१ मई को फजर की नमाज के बाद गुस्ले-पाक, कुल शरीफ व फातियाखानी के साथ समापन किया गया। इस तीन दिवसीय उर्स के अवसर पर २९ मई को बाद नमाजे फजर गुस्ले मजारे पाक, कुरान खानी मिलाद शरीफ व झंडा परचम कुशाई कार्यक्रम संपन्न हुआ। ३० मई को सादिक यासिनी के निवास से शाम ६ बजे भव्य शाही संदल निकाला गया और यह शाही संदल जुलूस जंगी चौक से हनुमान मंदिर अमोली होते हुए नगर मुख्यालय के विभिन्न चौक-चौराहों का भ्रमण करते हुए हजरत बाबा सफी अली शाह के मजार पहुंची जहां चादर पोशी की गई। इस शाही संदल में युवाओं ने जमकर नृत्य भी किया। साथ ही मजार शरीफ में लंगर का वितरण किया गया एवं ३१ मई को फजर की नमाज के बाद गुस्ले पाक, कुल शरीफ व फातिहा खानी कर तीन दिवसीय उर्स का समापन किया गया। आपकों बता दे कि नगर मुख्यालय के बालाघाट-सिवनी हाईवे मार्ग स्थित कौमी एकता व साम्प्रदायिक सौहार्द के प्रतीक हजरत सैय्यद शफी अली शाह रह.अलैह की दरगाह शरीफ में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी मई माह के अंतिम पखवाडे २९, ३० एवं ३१ मई को तीन दिवसीय सालाना उर्स का आयोजन किया गया। जिसमें उर्स के दूसरे दिन ३० मई को शाम ६ बजे शाही संदल विशेष आतिशबाजी के साथ निकाला गया जो पुरे नगर का गस्त करते हुए मजार शरीफ पहुंचा जहां चादर पोशी के बाद लंगर का वितरण किया गया। चर्चा में आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी हजरत सैय्यद सफी अली शाह र. अ. की मजार शरीफ में २९ मई से तीन दिवसीय उर्स का आयोजन किया गया था। जिसमें प्रथम दिन झंडा परचम कुशाई कुर्आन ख्वानी व मिलाद शरीफ का आयोजन किया गया, दुसरे दिन ३० मई को शाम ६ बजे सादिक यासिनी के निवास से भव्य शाही संदल निकाला गया और यह शाही संदल अमोली, लालबर्रा के विभिन्न चौक-चौराहों का भ्रमण करते हुए हजरत बाबा सफी अली शाह के मजार पहुंचा जहां चादर पोशी की गई तत्पश्चात लंगर का वितरण किया गया एवं ३१ मई को फजर की नमाज के बाद गुस्ले-पाक, कुल शरीफ व फातियाखानी के साथ समापन किया गया। साथ ही यह भी बताया कि इस तीन दिवसीय सालाना उर्स के अवसर पर विविध कार्यक्रम आयोजित कर सभी के जीवन में खुशहाली बनाये रखने की दुआएं मांगी गई और प्रतिवर्ष ३० मई को कव्वाली कार्यक्रम आयोजित किया जाता है किन्तु इस वर्ष मौसम परिवर्तन होने के चलते कव्वाली का आयोजन नही हो पाया। इस तीन दिवसीय उर्स शरीफ में दरगाह खादिम हाजी मो. अनवर यासीनी, सादिक यासीनी, उर्स कमेटी अध्यक्ष सरफराज खान, उपाध्यक्ष मीम रंगरेज, राजा खान, सचिव रिहान खान, सहसचिव फैजान कुरैशी, मेजबान इमरान खान, रफीक मुल्ला चच्चा, जैनुल आबेदिन, सिराज खान, नसीर उल्ला कुरैशी, शहबाज खान, राशिद खान, रिजवान रंगरेज, गोपाल उइके, मोहसीन खान, जुनेद खान, तालिब गुल्लर भाई, राजा खान, जावेद खान, मकसूद छोटू खान, अनिल जेवरानी, राजा भाई, राशिद भाई (फलवाले), वजीर भाई (सब्जी), सागर श्रीवास, तनवीर अहमद, शादाब खान, यतीम नाई, नाजिम खान, अनस अंसारी, अयाम, खान, अरमान खान, तालिय रंगरेज, मोनू रंगरेज, अरवाज खान, फैजल खान, अरसद खान, छोटु श्रीवास, फैजान खान, अमन आबेदीन, आसिफ पटेल, कामिल कुरैशी, सलमान खान, आदिल खान, दानिश खान, मीनू रंगरेज, इरफान खान, अंकित पिपलोद, राजा खान, भैया मोहसिन, अंकु अंसारी, जावेद खान, जुनेद खान, आमीर खान, साजीद खान, आसिफ कुरैशी, तौसिफ कुरैशी, अंकित लालू सानेकर, सरफराज खान, शाहरूख खान, असार भाई (कव्वाल), शाहिद खान, वहिद खान, जाहिद खान, भूरा भाई, जाहिद खान, जमीन टेलर, शहवाज रंगरेज, इमरान रंगरेज, जावेद आशु खान, होलू सोनी, रेवा उइके, आदि कुरैशी, वसीम रंगरेज नगपुरा, सलमान खान, मो. सुलेमान खान, सिराज अली, तासीम कुरैशी, रोहित नगरगढ़े, करीम रंगरेज, मो.अय्युब भारती, मोहसिन खान, मतीन रजा सहित अन्य का सराहनीय योगदान रहा।

लालबर्रा गार्डन में आया ऊंट, नगरवासी ऊंट में बैठकर कर रहे सवारी

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय की ग्राम पंचायत पांढरवानी के लालबर्रा गार्डन में राजस्थान से ऊंट आया है। जिसे देखने एवं उसमें बैठकर सवारी करने के लिए लोग पहुंच रहे है और ऊंट के ऊपर बैठकर सवारी कर रहे है। वहीं यह ऊंट लालबर्रा गार्डन के साथ ही रविवार को नगर मुख्यालय के विभिन्न चौक-चौराहों में भ्रमण करते हुए नजर आयेगा। साथ ही जिन लोगों को लालबर्रा गार्डन में ऊंट आने की जानकारी लगने के बाद वे लोग लालबर्रा गार्डन पहुंचकर उसमें बैठकर सवारी कर आनंद लिये। वहीं ऊंट अधिक संख्या में राजस्थान में पाये जाते है, लेकिन लालबर्रा नगर मुख्यालय में पहली बार ऊंट आने की जानकारी लगते ही लोग बड़े उत्साहित है कि राजस्थान तो नही जा पाते है। लेकिन अब लालबर्रा में ऊंट को देखकर उसकी सवारी करने का मन बना रहे है। साथ ही कुछ लोगों ने तो शनिवार की समय में लालबर्रा गार्डन पहुंचकर ऊंट की सवारी भी किया है। चर्चा में पांढरवानी सरपंच अनीस खान ने बताया कि शनिवार की शाम में ऊंट लालबर्रा मुख्यालय स्थित गार्डन में पहुंचा है। जिसे देखने एवं उसमें बैठकर सवारी करने के लिए लोग पहुंच रहे है एवं रविवार को यह ऊंट लालबर्रा नगर मुख्यालय में घुमेगा और लोग ऊंट में बैठकर सवारी का आनंद भी ले सकते है।

नगझर से बिना अतिक्रमण हटाये बेरंग लौटा राजस्व विभाग

मामला स्कूल के कब्जे की शासकीय मद की भूमि पर अतिक्रमण का

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत नगझर में अतिक्रमण हटाने पहुंचा राजस्व अमला बैरंग लौटा। जहां मौके पर राजस्व अधिकारी उपस्थित हुए परंतु पुलिस प्रशासन उपस्थित नही होने से अतिक्रमण हटाने में असमर्थ जाहिर की गई। यह अतिक्रमण गांव के कुछ लोगों के द्वारा शासकीय प्राथमिक एवं माध्यमिक शाला के कब्जे की शासकीय मद की भूमि पर किया गया है। जिसे हटाने के लिए ग्रामीणों के द्वारा लगातार शिकायत की गई थी जिसमें नायब तहसीलदार के न्यायालय के द्वारा टीम गठित कर अतिक्रमण हटाने के लिए ३० मई को निर्देशित किया गया था। परंतु पुलिस मौके पर उपस्थित नही होने से यह अतिक्रमण नहीं हटाया गया। जिसको लेकर ग्रामीणों के अंदर काफी आक्रोश व्याप्त है। जिनके द्वारा ३० मई की रात में थाना प्रभारी से मुलाकात कर आक्रोश व्यक्त किया गया तो वहीं ३१ मई को तहसील कार्यालय में उपस्थित होकर अधिकारियों से चर्चा करते हुए जल्द अतिक्रमण हटाने की मांग की गई है।

अतिक्रमण हटाने पुलिस प्रशासन की नही रही मौजूदगी

ग्राम पंचायत नगझर में शासकीय प्राथमिक एवं माध्यमिक शाला का संचालन शासन के द्वारा करवाया जाता है। यह स्कूल का लंबे समय से ग्राम की शासकीय मद की भूमि पर कब्जा था जिसे स्कूल के द्वारा ठेके पर देकर प्राप्त होने वाली राशि के माध्यम से स्कूल मरम्मत एवं विभिन्न कार्य किए जाते थे। परंतु बीते कुछ समय से उक्त भूमि पर आसपास के किसानों के द्वारा अतिक्रमण कर लिया गया है। जिस पर बीते १० महीने से ग्रामीणों के द्वारा अतिक्रमण मुक्त करने के लिए प्रशासनिक अधिकारियों से मांग की जा रही है। जहां मौके पर सीमांकन व विभिन्न कार्यवाही वारासिवनी तहसीलदार के द्वारा की गई वहीं मामले में अतिक्रमण सिद्ध होने पर बेदखली आदेश जारी किया गया था। परंतु अतिक्रमणकर्ताओं के द्वारा अतिक्रमण नहीं हटने पर न्यायालय नायब तहसीलदार वारासिवनी के द्वारा २१ मई को आदेश जारी किया गया कि ग्राम नगझर पटवारी हल्का नंबर १ राजस्व निरीक्षक मंडल बुदबुदा में न्यायालय नायब तहसीलदार के बेदखली आदेशानुसार कार्यालय शासकीय माध्यमिक शाला नगझर खसरा नंबर १९३ रकबा ०.८०९ हेक्टर मद सरकार बच्चों के खेलकूद का मैदान, खसरा नंबर १९५ रकबा २.६६५ हेक्टर मद सरकारी चराई खसरा अभिलेख में अनावेदकगणो के द्वारा किया गया। अतिक्रणकर्ताओं के द्वारा उक्त भूमि पर से कब्जा स्वयं से नही हटाया गया है। उक्त बेदखली आदेश के उपरांत भी अतिक्रमणकर्ताओं के द्वारा अपना कब्जा नहीं हटाया गया। न्यायालय के आदेश की अवहेलना करने से न्यायालय के द्वारा अतिक्रमणकर्ताओं को बेदखल करने की कार्यवाही की जावेगी। जिसका व्यय भू.राजस्व की भांती अतिक्रमणकर्ताओं से वसूल की जावेगी। उक्त अतिक्रमण ३० मई को हटाने मुकेश कुमार सोनी राजस्व निरीक्षक बुदबुदा उत्कर्ष बैस हल्का पटवारी नांदगांव,नगझर ,अखिलेश भोरजार हल्का पटवारी रमरमा संयुक्त दल नायब तहसीलदार बुदबुदा के नेतृत्व में अतिक्रमण हटाकर प्रतिवेदन प्रस्तुत करने किया गया। जो सभी ३० मई को मौके पर पहुंचकर आवश्यक कार्यवाही किया जायें। परंतु पुलिस प्रशासन की मौजूदगी ना होने के कारण शाम ५ बजे तक रास्ता देख राजस्व विभाग बैरंग वापस लौट गया। इसके बाद ग्रामीणों में आक्रोश देखने को मिल रहा है इसी कड़ी में रात्रि में बड़ी संख्या में ग्रामीण पुलिस थाना वारासिवनी उक्त विषय को लेकर पहुंचे थे जहां आदेश की जानकारी नही होने का हवाला दिया गया। जिसके बाद ग्रामीण ३१ में की सुबह तहसील कार्यालय पहुंचे जहां उनके द्वारा अधिकारियों से चर्चा कर जल्द अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही करने की मांग की गई।

बच्चों का भविष्य बेहतर हो अतिक्रमण मुक्त करवाना चाहते है-बाबूलाल ठाकरे

ग्रामीण बाबूलाल ठाकरे ने बताया कि वर्ष २०१२ के बाद से स्कूल की भूमि जिस पर आसपास वाले किसानों के द्वारा कब्जा कर लिया गया था जो वहां पर खेती कर रहे थे। इसके लिए हमने तहसीलदार को दो से तीन बार आवेदन देकर सीमांकन करवाए तो अभी वहां पर अतिक्रमण हटाने का आदेश जारी हुआ था। समय पर आरआई ,पटवारी सभी अधिकारी पहुंचकर माप जोक किया गया परंतु अतिक्रमण हटाने पुलिस नहीं पहुंची तो वह कार्यवाही अधूरी ही रह गई। इसलिए हम तहसील कार्यालय पहुंचे थे कि क्या हुआ है हम अपने बच्चों का बेहतर भविष्य बनाने के लिए वह भूमि को अतिक्रमण मुक्त करवाना चाहते हैं

ग्रामीणों ने स्कुल की भूमि पर किया है अतिक्रमण-निर्मल बिसेन

ग्रामीण निर्मल बिसेन ने बताया कि शासकीय प्राथमिक शाला एवं शासकीय माध्यमिक शाला दोनों अभी एक स्थान पर है। हम देख रहे हैं कि १९८० से वह खेत स्कूल का है जिसको ठेका देकर वार्षिक जो भी आय होती है उसे स्कूल के लिए उपयोग किया जाता था। परंतु पूर्व में स्कूल में एक प्रेमचंद रहाँगडाले शिक्षके आये थे उन्होंने स्कूल के नाम जमीन नहीं है कहते हुए दूसरे लोगों का सहयोग किया। ठेका बंद हो गया वहां पर लोगों ने कब्जा कर लिए थे। परंतु १ वर्ष पहले कृष्ण कुमार चौधरी नए शिक्षक आये हैं उनके द्वारा रिकॉर्ड निकाला गया यह भूमि से जो आवक होती थी उस स्कूल में शिक्षक रखने या विभिन्न कार्य कराए जाते थे। जहां करीब ६ लोगों के द्वारा अतिक्रमण किया गया है जिसके लिए ३० मई को आदेश भी जारी किए गए थे। हम लोग जेसीबी चुना रस्सी खूंटी और मजदूर की व्यवस्था कर शाम तक देख परंतु पुलिस नहीं आई। हम चाहते हैं कि यह अतिक्रमण हटे और स्कूल पूर्व की तरह चलता रहे।

तहसीलदार ने सोमवार को नया आदेश जारी कर अतिक्रमण हटाने का दिया आश्वासन-मनोज टेंभरे

भाजपा नेता मनोज टेंभरे ने बताया कि नगझर के ३० ग्रामीणों के द्वारा राजस्व प्रकरण में थाने में पहुंचने की सूचना दी गई थी। जिस पर हम वहां पहुंचे और मामले को समझा तो बताया गया कि शासकीय स्कूल के कब्जे में गांव की कोई जमीन थी जिस पर कुछ लोगों के द्वारा अतिक्रमण कर लिया गया है। उन्हें हटाने के लिए सरपंच के द्वारा आवेदन दिया गया था और इसी के तहत नायब तहसीलदार ने ३० मई को आदेश दिया जिस पर राजस्व अधिकारी तो मौके पर पहुंचे परंतु पुलिस नहीं आई। इसी को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश था इसी के चलते रात्रि में ग्रामीण लोग थाने में आए हुए थे । वहां पर थाना प्रभारी से भी चर्चा की गई तो उन्होंने बताया कि यह आदेश उनके संज्ञान में नहीं था उनके स्टाफ ने उन्हें सूचना नहीं दी थी। जहां आश्वासन दिया गया है कि आगे कभी भी कार्यवाही होगी तो पुलिस प्रशासन की उपस्थिति निश्चित करवाई जाएगी। वहीं नायब तहसीलदार मंजुला महोबिया ने भी सोमवार को नया आदेश जारी करने की बात कही हैं।

मौके पर पुलिस के नहीं आने से अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही नहीं हुई-मंजुला महोबिया

नायब तहसीलदार मंजुला महोबिया ने बताया कि ग्राम में अतिक्रमण का प्रकरण था जिसमें बेदखली का आदेश जारी कर कब्जा हटाने के लिए अतिकमणकर्ताओं को समय दिया गया था। फिर भी उनके द्वारा कब्जा नहीं हटाया गया जिस पर अतिक्रमण हटाने के लिए आदेश जारी किया गया था । यह आदेश आवेदक अनावेदक थाना व राजस्व अधिकारियों को दिया गया था। जिसमें राजस्व के सभी अधिकारी सुबह ११बजे से ५ बजे तक मौके पर रहे परंतु पुलिस नहीं आई इस कारण कार्यवाही नहीं हुई। अब जल्द ही आगामी समय में पुन अतिक्रमण हटाने के लिए आदेश जारी किया जायेगा।

७ वर्ष से फरार स्थाई वारंटी प्रदीप गिरफ्तार

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी पुलिस के द्वारा ३१ मई को ६ साल से चोरी के मामले में फरार स्थाई वारंटी प्रदीप भगत को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार वर्ष २०१८ में प्रदीप पिता भागचंद भगत ३३ वर्ष कोस्ते निवासी के द्वारा वारासिवनी थाना अंतर्गत चोरी की घटना की गई थी। जिसमें वारासिवनी पुलिस के द्वारा उसके खिलाफ भादवि की धारा ४५७/३८० के तहत अपराध पंजीबध्द कर जांच में लिया गया था। वहीं घटना के बाद से आरोपी प्रदीप भगत फरार चल रहा था जिसमें न्यायालय के द्वारा फरार स्थाई वारंटी घोषित कर दिया गया था। इसमें पुलिस के द्वारा थाना क्षेत्र के फरार स्थाई वारंटी की धर पकड़ के लिए पुलिस अधीक्षक बालाघाट सहित वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर सरगर्मी से आरोपीयों की पतासाजी की जा रही हैं। इसी कड़ी में मुखबिर की सूचना पर वारासिवनी पुलिस के द्वारा ३१ मई की सुबह प्रदीप पिता भागचंद भगत ३३ वर्ष कोस्ते निवासी को चंगेरा रावनवाड़ी महाराष्ट्र से गिरफ्तार कर थाने लाया गया। जहां कार्यवाही करने के उपरांत उसे वारासिवनी न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया गया।

प्रधान पाठक पंचम हनवत की सेवानिवृत्ति पर शाला परिवार ने दी बिदाई

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। टिहली बाई शासकीय माध्यमिक विद्यालय के प्रधान पाठक पंचम हनवत की सेवा निवृत्ति पर शाला परिवार के द्वारा अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें सर्व प्रथम माँ सरस्वती के छाया चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर सरस्वती वंदना की प्रस्तुति श्याम शर्मा और श्वेता शर्मा के द्वारा दी गई। तत्पश्चात शाला परिवार की ओर से प्रधान अध्यापक अंजू वासनिक,संतोष वाल्दे, अंजू नगपुरे एवं स्टाफ के द्वारा शाल श्रीफल और पुष्प गुच्छ एवं प्रतीक चिन्ह उपहार भेंट कर पंचम हनवत और उनकी जीवन संगिनी सुनीता हनवत, बेटी पारुल हनवत का स्वागत किया गया। तत्पश्चात प्रणय श्रीवास्तव ने पंचम हनवत के सम्पूर्ण जीवन वृत्त पर आधारित अभिनंदन पत्र का वाचन करते हुए उन्हें एक कुशल पर्यावरण रक्षक , श्रेष्ठ गणित शिक्षक एवं उत्कृष्ट मार्गदर्शक के साथ ही संवेदन शील जागरूक एवं कर्तव्यनिष्ठ राष्ट्र भक्त बताया। जिन्होंने शिक्षा विभाग में ज्ञान की मशाल जलाते हुए सरकारी राजस्व की भूमि को अतिक्रमण से बचाते हुए खंडहर हो रही टिहली बाई शासकीय विद्यालय की इमारत का जन भागीदारी से जीर्णोद्धार कराया एवं उत्कृष्ट विद्यालय को हरितिमा से युक्त किया। वहीं प्रधान पाठक पंचम हनवत का एवं उनके भ्राता समाज सेवी छगन हनवत का अभिनंदन करते हुए अभिनंदन पत्र भेंट किया गया । इस दौरान एम राइस स्कूल के प्राचार्य हुमराज पटले, मनोहर सिंह ठाकुर ,नीता बोपचे, राजेंद्र प्रसाद श्रीवास्तव,बीआरसी सत्येंद्र शरणागत,के एल चौहान, संजय गौतम, के जी बिसेन,गणेश सिंह ठाकुर,अशोक बिसेन,आर के गौतम,तिलक गौतम, दशरथ बिसेन,कमलेश पारधी,अनिल श्रीवास,प्रमोद पारधी,दिलेश खंडेलकर, धनेंद्र सोनेकर,समीर खारपाते, शलभ सिंह बेस,कमल टेंभरे, हुलेश हनवत, कन्हैया खैरवार, अन्नपूर्णा मेश्राम,सुरेंद्र बिसेन, प्रदीप खंडेलवाल ,मनोहर सिंह ठाकुर, मनीराम बिसेन, कमल पटले, ओम प्रकाश नगपुरे , अशोक ओचानी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

बुदबुदा नदीटोला के पुल निर्माण कार्य का प्रदीप जायसवाल ने किया निरीक्षण

कंटगी से लालबर्रा को सीधे जोड़ने वाले पुल से दर्जनो पंचायतों को मिलेगा लाभ

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम बुदबुदा के नदीटोला पुल निर्माण कार्य का पूर्व केबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल के प्रयासो से स्वीकृत पुल का निरीक्षण किया गया। पिछले पंचवर्षीय कार्यकाल में पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने क्षेत्र को ८ पुलों की सौगात दी थी। सभी पुलों का निर्माण कार्य अंतिम चरणों में है। खण्डवा पंचायत के पुल पर तो आवागमन तक शुरू हो चुका है। पुल के निरीक्षण के दौरान ग्रामीणजनों ने प्रदीप जायसवाल से व्यस्त आवागमन को देखते हुये एप्रोच रोड़ के घुमाव को लगभग ५० मीटर से अधिक रखने की मांग भी की। जिसे गंभीरता से लिया गया। ज्ञात हो की दोनो तरफ की अप्रोच सड़क का काम भी चालू हो रहा है। जिसमें एक तरफ सड़क का घुमाव २५ की जगह ५० मीटर दूर से करने की मांग ग्रामीणों के द्वारा की गई है। जिस पर तत्काल प्रदीप जायसवाल ने विभाग के एसडीओ अर्जुन सनोडिया को दूरभाष से ही आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किये। कटंगी से लालबर्रा को जोड़ने वाले इस महत्त्वपूर्ण पुल से बुदबुदा से निकलने के बाद नदीटोला होते हुये कंटगझरी से लालबर्रा जाने का मार्ग सुगम हो गया है। इस दौरान संदीप कुर्वे,अनीश निश्रा, ज्ञानचंद बिसेन,सूरज कडुकार,रमेश बानेवार,धनेंद्र बानेवार,सुरेश सिरसाठे, मंगल सिंह बिसेन सहित अन्य ग्रामीणजन मौजूद रहे।

अज्ञात चोरों ने मोटर साइकिल की चोरी

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी पुलिस थाना अंतर्गत ग्राम पंचायत बुदबूदा के विवाह कार्यक्रम में शामिल होने आए रूपेश धुवारे की २९ मई को अज्ञात चोरों के द्वारा मोटरसाइकिल चोरी कर ली गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार रूपेश पिता रमेश धुवारे चोर पिंडकेपार निवासी अपने संबंधी व्यक्ति के घर विवाह कार्यक्रम में शामिल होने के लिए २९ मई को बुदबूदा में आए हुए थे। जहां पर उनके द्वारा कारूलाल रहाँगडाले के घर के सामने में अपनी मोटरसाइकिल खड़ी कर दी गई थी। इसके बाद वह विवाह कार्यक्रम में शामिल हुए जिसके बाद वह वापस घर जाने के लिए मोटर साइकिल वाले स्थान पर आए जहां से उनकी मोटरसाइकिल गायब थी। उन्होंने आसपास पतासाजी की गई परंतु कहीं कोई जानकारी नहीं मिलने पर पुलिस थाना वारासिवनी में उपस्थित होकर रिपोर्ट दर्ज करवाई गई है। पुलिस ने मामले में अज्ञात आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा ३०३,२ के तहत अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

मोटरसाइकिल चोरी का आरोपी आलोक रिनायत गिरफ्तार

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी पुलिस थाना अंतर्गत ग्राम कोस्ते निवासी रवि लांजेवार की मोटरसाइकिल चोरी के आरोप में पुलिस ने आलोक रिनायत को गिरफ्तार कर ३१ मई को न्यायालय के समक्ष पेश किया जिसे न्यायालय ने जेल भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार रवि पिता रोशनलाल लांजेवार के द्वारा वारासिवनी थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई गई थी कि मैं ग्राम कोस्ते रहता हूँ। मजदुरी का काम करता हूँ २७ मई को मैं अपनी मोटर साईकिल क्रमांक एमपी ०४ एमएफ ६९१९डिस्कवर से ग्राम कनकी काम करने गया था। रात्री में करीबन८ बजे काम करके घर वापस आया और अपनी मोटर साइकिल को घर के बाहर आंगन में खड़ी कर दिया था। रात्री करीबन ११ बजे घर से बाहर निकलकर देखा तो मेरी मोटर साइकिल आंगन में नहीं थी। तब मैनें अपनी मोटर साइकिल के बारे में आस पड़ोस में व गाँव में पता किया मेरी मोटर साइकिल का कहीं कोई पता नहीं चला। मेरी मोटर साइकिल क्रमांक एमपी ०४ एमएफ ६९१९ डिस्कवर है जिसे किसी अज्ञात चोरो के द्वारा चोरी कर ले गया है। मेरी मोटर साइकिल इस्तेमाली है जिसकी कीमत करीबन १५००० रुपये की है। मामले में पुलिस के द्वारा चोरी की धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर जांच की जा रही थी। तभी मूखबीर सूचना के आधार पर पुलिस के द्वारा अलोक पिता रामकिशन रिनायत वार्ड नं. ६ कोस्ते निवासी को राउंडअप कर पूछताछ की गई। जिसे अपना जुर्म कबूल किया जिसके बाद पुलिस के द्वारा उसे पूर्व में दर्ज अपराध में गिरफ्तार कर वारासिवनी न्यायालय के समक्ष पेश किया गया जहां न्यायालय ने उसे जेल भेज दिया है।

औद्योगिक उत्पादन सूचकांक

औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) द्वारा हर महीने मापा जाने वाला तथा सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) द्वारा जारी भारत का कारखाना उत्पादन प्रदर्शन वित्तीय वर्ष 2026 की शुरुआत में अप्रैल माह में आठ महीने के निचले स्तर 2.7 फीसदी पर आ गया। इसने भारी गिरावट भी दर्ज की और यह पिछले अप्रैल की 5.2 फीसदी की वृद्धि से लगभग आधी रह गया। यह वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा आठ प्रमुख क्षेत्रों के मासिक आकलन से मेल खाता है, जिनमें अप्रैल में 0.5 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई थी और जो आठ महीने का न्यूनतम स्तर भी है। ज्यादा महत्वपूर्ण बात यह है कि यह पिछले अप्रैल के 6.9 फीसदी से भारी गिरावट है। ये आठ प्रमुख क्षेत्र आईआईपी में शामिल मदों के भार का लगभग 40 फीसदी हिस्सा बनाते हैं। ऐसी स्थिति पिछले वित्त वर्ष के दौरान औद्योगिक उत्पादन में चार फीसदी की वृद्धि के बाद आई है, जो पिछले चार वर्षों में सबसे कम थी। खास चिंता की बात यह है कि खनन क्षेत्र में 0.2 फीसदी की गिरावट आई है, जो अगस्त 2024 के बाद पहली बार है। पिछले दशक में भले ही खनन निर्यात का निरपेक्ष मूल्य वित्तीय वर्ष 2015 में 25 बिलियन डॉलर से बढ़कर वित्तीय वर्ष 2025 में 42 बिलियन डॉलर हो गया, लेकिन निर्यात में इसकी हिस्सेदारी 8.1 फीसदी से घटकर 5.1 फीसदी रह गई है। यह अभी भी भारत के समग्र माल निर्यात में एक बहुत ही मामूली हिस्सा है, जबकि व्यापार में भारी अस्थिरता है। हालांकि, अप्रैल में मैन्यूफैक्चरिंग और बिजली उत्पादन दोनों ही में क्रमश: 3.4 फीसदी (4.2 फीसदी) और 1.1 फीसदी (10.2 फीसदी) की गिरावट आई।

जहां व्यापार और टैरिफ संबंधी अनिश्चितताओं ने वस्तुओं के उत्पादन को सबसे ज्यादा प्रभावित किया है, वहीं लगातार तीसरे महीने उपभोक्ता गैर-टिकाऊ वस्तुओं के उत्पादन में जारी मंदी से लगातार कम ग्रामीण उपभोग का संकेत मिलता है, क्योंकि खाद्य जैसी आवश्यक वस्तुएं उपभोक्ता गैर-टिकाऊ वस्तुओं का एक महत्वपूर्ण हिस्सा होती हैं। यह इस बात का साफ संकेत है कि अप्रैल में खुदरा मुद्रास्फीति लगभग छह साल के निम्नतम स्तर 3.16 फीसदी पर पहुंचने के बावजूद, ग्रामीण समुदायों की खर्च करने की क्षमता में बढ़ोतरी नहीं हुई है। ग्रामीण समुदायों में उपभोक्ता गैर-टिकाऊ वस्तुओं की मांग सबसे ज्यादा है। खाद्य पदार्थों की कीमतें लगातार छठे महीने घटकर 2.14 फीसदी पर आ गईं, जिसकी वजह से मंडियों में अधिकांश प्रमुख वस्तुओं की कीमतें न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से कम हो गईं। सरकार को कृषि उपज के लिए एमएसपी को ज्यादा व्यवस्थित तरीके से लागू करके ग्रामीण आय बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। इससे ग्रामीण उपभोग को बढ़ाने में मदद मिलेगी। हालांकि, अप्रैल में निम्न आधार से पूंजीगत वस्तुओं के उत्पादन में 20.3 फीसदी की वृद्धि घरेलू अर्थव्यवस्था में विश्वास को दर्शाती है, क्योंकि निवेशक निर्यात में विविधता लाने की अपनी योजनाओं पर काम जारी रखे हुए हैं तथा अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर कम निर्भर रहने का प्रयास कर रहे हैं। निकट भविष्य में व्यापार-संबंधी क्षेत्रों में अस्थिरता जारी रहने की आशंकाओं के मद्देनजर, केंद्र को निजी क्षेत्र पर घरेलू मोर्चे पर पूंजीगत व्यय बढ़ाने के लिए दबाव डालना चाहिए। इससे आय में बढ़ोतरी होगी तथा उपभोग संबंधी मांग को बढ़ाने में मदद मिलेगी। निर्यातोन्मुख क्षेत्रों को भी मजबूत घरेलू उपस्थिति सुनिश्चित करके टैरिफ, कीमत और आपूर्ति श्रृंखला के झटकों से खुद को सुरक्षित रखने का लक्ष्य रखना चाहिए और साथ ही अमेरिका एवं यूरोपीय संघ के पारंपरिक निर्यात क्षेत्रों के बाहर जाकर भी विकल्प तलाशना चाहिए।

सरकारी घोषणाओं के झरनों में सूखते भारत की पुकार!

पानी के लिए तरसती आंखें, सूखते कंठ, और एक झूठ जो हर चुनावी मंच पर झाग़ की तरह फूटता है—'हर घर नल से जल'। महाराष्ट्र के नासिक जिले का पेठ तालुका और उसका एक छोटा-सा गांव बोरीचिवारी, उस झूठ का ऐसा आईना है जिसमें सत्ता का चेहरा अब भी चमकता नहीं, बल्कि धुंधलाता हुआ नज़र आता है। यहाँ की महिलाएं आज भी जान हथेली पर रखकर कुएं में उतरती हैं, अपने और अपने परिवार के लिए कुछ बूंदें पानी की तलाश में। विकास के दावों की छाती पर चढ़कर जब लोकतंत्र की ये बेटियाँ रस्सियों के सहारे नीचे उतरती हैं, तब यह दृश्य 'अमृतकाल' नहीं, अपवित्र त्रासदी की गाथा गढ़ता है। वैसे ये तस्वीर सिर्फ़ नासिक के एक गांव की नहीं, सूखते कंठ की दर्द भरी दास्तां राष्ट्रव्यापी समस्या बन चुकी है। महाराष्ट्र के नासिक से लेकर झारखंड के पलामू तक, जल संकट की त्रासदी एक ऐसी सच्चाई है, जो सरकार के 'हर घर जल' जैसे तमाम वादों और अभियानों की पोल खोलती है। जल जीवन मिशन के अंतर्गत 2024 तक सभी ग्रामीण घरों में नल से जल उपलब्ध कराने का दावा किया गया, लेकिन कैग और नीति आयोग की रिपोर्टें बताती हैं कि यह योजना आंकड़ों के मायाजाल से आगे नहीं बढ़ पाई। नीति आयोग की 'जल प्रबंधन सूचकांक' 2018 की रिपोर्ट चेतावनी देती है कि 2030 तक देश के 21 शहरों का भूजल पूरी तरह समाप्त हो सकता है। वहीं विश्व स्वास्थ्य संगठन और यूनिसेफ की 2022 की रिपोर्ट के अनुसार भारत में अब भी 15 करोड़ से ज्यादा लोग स्वच्छ पेयजल से वंचित हैं। विगत वर्षों में लातूर को ट्रेन से पानी भेजना पड़ा, बुंदेलखंड में महिलाएं निर्वस्त्र होकर प्रदर्शन करती हैं, और झारखंड के गाँवों में लोग पेड़ों से रिसती बूंदों को जमा करके पीते हैं। ये घटनाएं 21वीं सदी की नहीं लगतीं, फिर भी ये हमारे आज की सच्चाई हैं। विश्वगुरु बनाने को लालायित देश की हक़ीक़त है, लेकिन रहनुमाओं को सिर्फ़ अपनी फ़िक्र है। तभी तो बोतलबंद पानी पीने वाले नेतागण 'नमामि गंगे', 'अटल भूजल योजना' और 'जल क्रांति अभियान' जैसे कार्यक्रम को शुरू कर ही अपने कर्तव्यों की इतिश्री समझ लेते हैं। राष्ट्रीय सैंपल सर्वे के अनुसार, ग्रामीण महिलाओं को प्रतिदिन 2-3 घंटे पानी लाने में गंवाने पड़ते हैं, जिससे शिक्षा और स्वास्थ्य प्रभावित होता हैं। जबकि यूनेस्को की एक रिपोर्ट कहती है कि भारत में जल संकट सामाजिक असमानता और जलवायु परिवर्तन के साथ मिलकर एक गहरी मानवीय आपदा का रूप ले चुका है, और यह अब चेतावनी नहीं, बल्कि वास्तविकता है। इतना ही नहीं स्कूलों में लड़कियों की उपस्थिति जल की अनुपलब्धता के कारण भी प्रभावित होती है। यूनेस्को की ही एक अन्य रिपोर्ट के अनुसार, जल संकट वाले क्षेत्रों में लड़कियों की ड्रॉप-आउट दर लगभग 23 प्रतिशत से अधिक होती है। दूसरी तरफ हमारी रहनुमाई व्यवस्था है, जो 2024 आकर बीत जाने के बाद भी 'हर घर नल' वाला सपना भूल गई है। पीएम मोदी ने लालकिले से घोषणा की थी कि जल जीवन मिशन के अंतर्गत देश के हर ग्रामीण घर को नल से शुद्ध पानी मिलेगा। सरकारी पोर्टल्स और पीआईबी की प्रेस रिलीज़ों में सफलता की झिलमिलाती कहानियाँ दर्ज हैं, करोड़ों कनेक्शन दिए जा चुके हैं, ग्राफ़ ऊपर की ओर जा रहे हैं और कागज़ों में भारत प्यासा नहीं है। लेकिन बोरीचिवारी में ज़मीन पर उतरते ही ये आँकड़े गले में अटक जाते हैं। महिलाओं के हाथों में मटके हैं, लेकिन उनमें पानी नहीं, शिकायतें भरी हैं। कुएं में उतरकर पानी निकालने की उनकी आदत आज़ादी के 75 साल बाद भी नहीं छूटी, क्योंकि 'नल' उनके घर की दीवारों पर सिर्फ़ एक मेटल का पाइप है जो सूखा और खामोश है। ऐसे में क्या यही है 'अंतर्राष्ट्रीय जल दिवस' मनाने का औचित्य? क्या यही है यूनिसेफ और नीति आयोग की सिफारिशों पर खरे उतरने वाला भारत? यदि जल जीवन मिशन इतना सफल रहा है, तो फिर क्यों पेठ तालुका के बोरीचिवारी, भोर, त्र्यंबकेश्वर, अक्कलगांव जैसे गांवों की बच्चियां स्कूल के बजाय दिन भर पानी की लाइन में लगी रहती हैं? क्या उनके लिए शिक्षा का अधिकार अब भी सिर्फ किताबों में छपी इबारत है?

भारत के संविधान की धारा 21 'जीवन के अधिकार' की बात करती है, जिसमें स्वच्छ जल की उपलब्धता एक बुनियादी मानवीय अधिकार माना गया है। लेकिन इस अधिकार को पाने के लिए इन महिलाओं को कुएं की गहराई में उतरना पड़ता है, बिना सुरक्षा के महज एक रस्सी के सहारे। क्या इसी को 'सुशासन' कहते हैं? महाराष्ट्र में ही 2023-24 के बजट में जल संसाधन परियोजनाओं के लिए 15,000 करोड़ रुपए से अधिक की राशि आवंटित की गई थी। जल जीवन मिशन के लिए केंद्र सरकार ने 3.6 लाख करोड़ का प्रावधान किया था। इन योजनाओं का लाभ किसे मिला? क्या ठेकेदारों को? क्या टेंडर लेने वाले निगमों को? या फिर अधिकारियों की ट्रैवल रिपोर्ट्स को, जिनमें प्रोजेक्ट्स ऑन ट्रैक लिखा होता है? सरकारें आती हैं, नारे बदलते हैं, लेकिन प्यास नहीं बुझती। नासिक जैसे अर्ध-शहरी क्षेत्रों में भी जब ये स्थिति है, तो आदिवासी और घने जंगलों में बसे गांवों की दशा की कल्पना मात्र ही सिहरन पैदा कर देती है। पेठ का यह गांव न तो बाढ़ग्रस्त है, न भूकंप-प्रभावित, फिर भी यहाँ पीने का पानी नहीं। क्यों ?जल संकट कोई अचानक आई आपदा नहीं, यह तो लंबे समय से तैयार किया गया एक 'सामाजिक अपराध' है—संवेदनहीनता का परिणाम। ग्राउंड वाटर लेवल गिरता रहा, तालाब और जलाशयों पर मॉल खड़े होते रहे, जल संरचनाओं की मरम्मत कागजों तक सीमित रही, और जनता को आश्वासन के पानी से बहलाया जाता रहा। कभी सरकारी बाबू कहते हैं कि पाइपलाइन बिछाई जा रही है, तो कभी सरपंच कहते हैं कि बिजली नहीं है, पंप चालू नहीं हो सकता। लेकिन असली सवाल कोई नहीं उठाता कि आखिर इन योजनाओं की मॉनिटरिंग कौन कर रहा है? पेठ जैसी जगहों में आरटीआई के ज़रिए पूछे गए सवालों के जवाब अक्सर 'रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं' कहकर टाल दिए जाते हैं। जनसुनवाई की बैठकें नदारद हैं और जनता के हिस्से में सिर्फ एक 'सुनो और भूल जाओ' वाली व्यवस्था है। यह तस्वीर केवल एक गांव की नहीं है, यह तस्वीर उस राष्ट्र की है जो अब भी अपनी 50 करोड़ ग्रामीण आबादी को स्वच्छ पानी की न्यूनतम गारंटी नहीं दे सका है। दुनिया भर में 'जलवायु परिवर्तन' की बड़ी-बड़ी कांफ्रेंस में भारत भागीदारी करता है, लेकिन अपने गांवों में पानी की कमी से आत्महत्या करते किसानों की सूची तक नहीं बनाता। क्या हमने कभी सोचा है कि जब एक बच्ची हर दिन 3-4 घंटे पानी लाने में खर्च करती है, तो उसकी शिक्षा, पोषण और स्वास्थ्य पर क्या असर पड़ता है? जब एक माँ, जो प्रसव के बाद बमुश्किल ठीक हुई हो, कुएं में उतरती है, तो उसे जिंदगी की कितनी कीमत चुकानी पड़ती है? और जब पानी की एक बाल्टी के लिए झगड़े होते हैं, तो समाज के ताने-बाने पर कैसा असर होता है? सरकारों के पास 'पानी पर राजनीति' का अद्भुत हुनर है। कभी इसे मुफ्त देने का वादा, कभी टैक्स घटाने का एलान, और कभी नदी जोड़ो योजना जैसे 'विकासशील स्वप्न'। लेकिन जब ज़मीनी हालात से इन्हें टकराया जाता है, तो हकीकत वही रहती है सूखे नल, टूटे बर्तन और कुएं में उतरती ज़िंदगियाँ।

क्या इन महिलाओं ने भारत माता की जय नहीं बोला? क्या इन्होंने भी वोट नहीं दिया था? क्या इनके आँसू भी राष्ट्रगीत के सुरों से कमज़ोर हैं? अगर नहीं, तो क्यों इनकी प्यास पर सिर्फ भाषण मिलता है, योजना नहीं? क्या लोकतंत्र सिर्फ चुनाव जीतने की मशीन है और जनता सिर्फ एक आँकड़ा? आज अगर बोरीचिवारी की कोई महिला संविधान की धारा 21 के तहत सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर दे कि उसे पीने के पानी की गारंटी दी जाए, तो क्या हम उसे विजयी कहेंगे या 'सरकारी तंत्र को बदनाम करने वाली'? दुख इस बात का है कि हम तकनीक की बात करते हैं, चंद्रयान की उपलब्धियों पर तालियाँ बजाते हैं, लेकिन धरती पर मौजूद कुएं के पानी तक पहुँचने के लिए हमारे पास कोई समाधान नहीं है। हम स्मार्ट सिटी बना रहे हैं, लेकिन बोरीचिवारी के लिए एक सिंपल पंप सेट भी नहीं लगा पाए और जब अगली बार प्रधानमंत्री कैमरे के सामने कहेंगे कि 'जल जीवन मिशन एक सफलता है', तो क्या बोरीचिवारी की कोई माँ अपना मटका दिखाकर पूछ सकेगी—'मोदी जी, इसमें क्या भरूं?' ऐसे में ये शब्द सिर्फ सरकार की विफलता पर कटाक्ष नहीं, बल्कि लोकतंत्र के असल मतलब की पुनर्परिभाषा है। पानी किसी का अहसान नहीं, यह हक़ है और जब हक़ नहीं मिलता, तो नागरिकता की गरिमा भी खो जाती है। बोरीचिवारी की महिलाएं नायक नहीं बनना चाहतीं, वे बस इंसान बनकर जीना चाहती हैं। वे पुरस्कार नहीं चाहतीं, उन्हें बस पानी चाहिए। इतना पानी, जितना किसी भी 'विश्वगुरु' देश के नागरिक को बिना जान गंवाए मिल सके, परंतु जब पानी भी एक 'विकास कथा' में बदल जाए, तो समझिए कि लोकतंत्र की आत्मा सूखने लगी है। शायद अब हमें कुएं में सिर्फ पानी नहीं, अपना जमीर भी तलाशना होगा।

- सोनम लववंशी

भारत के लिए युद्ध हमेशा अंतिम विकल्प है

भारतीय सनातन सभ्यता में ऐसे कई प्रसंग एक जैसे दर्ज हैं, जिन्हें देखकर और पढ़कर ऐसा प्रतीत होता रहा है मानो इतिहास स्वयं को दोहरा रहा हो। अनेक कालखंडों में, दशकों में, सदियों में और युगों में, हमने कई घटनाएं ऐसी पढ़ी हैं, जिनके अध्ययन उपरांत ऐसा लगता है जैसे आज जो हमारे रूबरू है उसे पहले भी कहीं और पहले भी देखा जा चुका है। उदाहरण के लिए हम भारत और पाकिस्तान के बीच स्थाई रूप से व्याप्त बने हुए तनाव को ले सकते हैं। आजादी के बाद से लेकर अब तक पाकिस्तान जो कुछ भी कर रहा है और भारत की ओर से जिस प्रकार से संयम, धैर्य का प्रदर्शन किया जा रहा है, यह हमें द्वापर युगीन कौरवों की अति और भगवान कृष्ण की सहृदयता का स्मरण कराता हैं।

जब कौरवों के षडयंत्रों को पूरी तरह विफल करते हुए पांडव अपना अधिकार प्राप्त करने हेतु प्रयासरत थे। तब उनके नेतृत्वकर्ता के रूप में भगवान कृष्ण ने यह निर्णय लिया कि हमें अंत तक युद्ध के अलावा उपलब्ध सभी विकल्पों पर विचार करना चाहिए। ऐसा ही हुआ, भगवान कृष्ण ने शांति दूत के रूप में हस्तिनापुर गमन किया और वहां उपस्थित दुर्योधन एवं धृतराष्ट्र सहित समस्त कुरुवंशियों को अपना प्रस्ताव प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि युद्ध किसी भी समस्या का सहज समाधान नहीं हो सकता। इससे राज सत्ता पर अधिपत्य जमाए रखने की आकांक्षा पाले बैठे लोगों की तुष्टि भले ही होती हो, लेकिन अनिष्ट प्रजा का ही होता है। दोनों ही पक्ष की सेनाओं के हजारों लाखों लोग मृत्यु को प्राप्त होते हैं। उनसे अधिक लोग सदा के लिए अपंग हो जाते हैं। फल स्वरुप मानव समाज को युगों युगों तक उस अपराध का असहनीय दंड भुगतना होता है, दरअसल जो उन्होंने किया ही नहीं होता। अत: टकराव का रास्ता छोड़ते हुए कुरु वंश को पांडवों का सम्मान बनाए रखना चाहिए। भगवान कृष्ण ने राजसभा में मौजूद प्रजा के गणमान्य प्रतिनिधियों और कुरु वंश के सामर्थ्यवान पदाधिकारियों को भी यह सीख दी कि वे दुर्योधन और धृतराष्ट्र की अपवित्र महत्वाकांक्षाओं को समझें और उन्हें पाप पूर्ण कृत्य करने से रोकें। ताकि युद्ध के रूप में आसन्न अनिष्ट एवं अनर्थ को रोका जा सके। सभी सामर्थ्यवान प्रबुद्ध जन चुपचाप बने रहे। वहीं काल के वशीभूत, अपने अनर्थ से अपरिचित दुर्योधन ने जब उनकी बातों को गंभीरता से नहीं लिया और भगवान कृष्ण को ग्वाला, गायों को चराने वाला, आदि शब्दों से असम्मानित करते हुए उन्हें गिरफ्तार करने का आदेश दे डाला, तब यह तय हो गया कि अब कुरुवंशियों को काल के गाल में समाने से कोई नहीं रोक सकता। समूचा ब्रह्मांड जानता है कि केवल और केवल दुर्योधन एवं धृतराष्ट्र की हठ धर्मिता के चलते महाभारत का युद्ध हुआ और उसमें लाखों लोग अकारण ही काल के गाल में समा गए। अंततः जीत सत्य स्वरूप श्री कृष्ण के सानिध्य में सज्ज पांडवों की ही हुई।

वर्तमान परिवेश में देखें तो भारत और पाकिस्तान के बीच स्थिति कुरु वंश और पांडवों जैसी ही है। देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी बार-बार पाकिस्तान और वहां के हुक्मरानों को चेतावनी दे रहे हैं कि अंततः युद्ध विनाश का कारण होता है। जबकि वहां के हुक्मरान और सेना प्रमुख हमारे प्रधानमंत्री के वक्तव्यों की ठीक उसी प्रकार अनदेखी कर रहे हैं, जैसे हस्तिनापुर की राजसभा में दुर्योधन ने भगवान कृष्ण के प्रति असम्मानजनक व्यवहार का प्रदर्शन किया था। श्री मोदी जानते हैं कि पाकिस्तानी राजनेता और वहां की सेना भारत विरोधी एजेंडे को ही लंबे समय तक सत्ता पर काबिज बने रहने का जरिया मान कर बैठे हुए हैं। यही कारण है कि उन्होंने पाकिस्तानी अवाम का भला चाहते हुए उसे भी आगाह किया है कि वह अपना भला बुरा समझे और दुनिया भर में आतंकवाद को निर्यात करने वाले वहां के नेताओं, हुक्मरानों तथा सेना की नापाक हरकतों को पहचानें, समय रहते उन्हें वास्तविकता का एहसास कराते हुए उन्हें भारत में आतंकवाद निर्यात करने के गलत रास्ते पर जाने से रोकें । यदि पाकिस्तानी अवाम के ईमानदार प्रयास हुए तो संभव है वह आने वाले समय में भारतीय सदाव्यता के चलते भुखमरी, कंगाली और निकट भविष्य में सन्निद्ध गृह युद्ध जैसी विभीषिका से स्वयं को बचा सकेगा। अब निर्णय पाकिस्तान को करना है कि उसे अपनी अवाम का पेट भरने के लिए रोटी की उपलब्धता उचित लगती है या फिर भारतीय सेना की गोलियों से मरना ज्यादा अच्छा लगता है।

यहां कुछ-कुछ प्रसंग सीख के रूप में हम रामायण युगीन घटनाओं से भी ग्रहण कर सकते हैं। उस कालखंड में भी मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम ने उस स्थिति में भी लंका वासियों का भला करने का और उन्हें अनिष्ट से बचाए रखने का हर संभव प्रयास किया था, जबकि वहां का राजा रावण उनकी धर्मपत्नी सीता जी का अपहरण करने का पाप कर चुका था। भगवान कृष्ण के सानिध्य में सज्ज पांडव और प्रभु श्री राम की कृपा में तैनात वानर दल किसी भी दृष्टि से पाप पूर्ण कृत्यों में संलग्न शत्रु पक्ष का अनिष्ट करने में कमजोर नहीं थे। संकल्प मात्र से ही दुष्टों को नाश करने का सामर्थ्य उन्हें सहज ही प्राप्त था। लेकिन प्रभु श्री राम ने भी पहले हनुमान जी को लंका भेजा, जिन्होंने लंका जलाने से पहले रावण को बार-बार समझाया कि वह युद्ध को हर हाल में टालने का हर संभव प्रयास करे। इसी में राक्षस जाति की भलाई है। जब समुद्र पर सेतु बन गया। युद्ध को आतुर वानर सेना लंका के समक्ष हुंकार भरने लगी। तब प्रभु श्री राम ने एक बार फिर लंका को विनाश से बचाने का रास्ता खोजा और अंगद को शांतिदूत के रूप में प्रेषित किया। जैसा कि हमारे धर्म ग्रंथ बताते हैं, रावण के सिर पर भी काल मंडरा रहा था। सो उसे सामने खड़ा सत्य भी समझ नहीं आ रहा था, या फिर यू कहा जाए कि वह समझना ही नहीं चाहता था। बात त्रेता युग की हो या फिर द्वापर की, पाप पूर्ण कृत्यों में संलग्न पक्ष ने सत्य के मार्ग पर अडिग, धर्म परायण, सामर्थ्यवान, सज्जनों की सहृदयता को कमजोरी ही समझा और स्वतः ही मृत्यु के भोज्य बन बैठे।

हाल ही में जब प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी गुजरात के प्रवास पर गए तब उन्होंने भुज की पवित्र भूमि से भारत और पड़ोसी देश को संबोधित करते हुए स्पष्ट किया कि सर्जिकल स्ट्राइक, एयर स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर भारतीय सेना के ऐसे प्रयास हैं, जिनके माध्यम से हमने आतंकवादियों का तो नाश किया, उनके प्रशिक्षण कैंपों को भी ध्वस्त किया। सामरिक महत्व के जिन एयर बेसों को देखकर पाकिस्तानी हुक्मरान और वहां की सेना फूली नहीं समा रही थी, उन्हें तहस नहश किया। लेकिन पाकिस्तानी अवाम के एक भी व्यक्ति को खरोच तक नहीं आने दी। उन्होंने स्पष्ट किया कि हमारे अचूक प्रहार और भारतीय आयुधों की पहुंच यह स्पष्ट करती है कि पाकिस्तान का कोई भी भूभाग भारतीय सेना के लक्ष्य से कतई दूर नहीं है। आशय स्पष्ट है, हमारा विरोध आतंकवाद से और आतंकवाद को पोषित करने वाली पाकिस्तानी सेना तथा वहां के हुक्मरानों से है। उन्होंने पहलगाम में जो नापाक हरकत की थी, इसका माकूल जवाब उन्हें उनके घर में घुसकर दिया जा चुका है। यदि इसके बावजूद भी पाकिस्तान नहीं सुधरा, उसने भारत में आतंकवादियों को भेजना बंद नहीं किया तो फिर अब उसकी इन हरकतों को भारतीय सेना पाकिस्तानी सैन्य अपराध के रूप में ही दिखेगी और उसका समूल नाश करने के लिए सदैव तैयार है।

देश के यशस्वी प्रधानमंत्री और समूची दुनिया की आशाओं के केंद्र बिंदु श्री नरेंद्र मोदी की इस दूरदर्शिता की तारीफ चहुं ओर हो रही है। विश्व के जो शांति पसंद देश हैं वे जानते हैं कि युद्ध से किसी का भला नहीं हुआ। इसे सदैव ही अंतिम विकल्प के रूप में देखा जाना चाहिए। और अधिक व्यापकता के साथ समझने के लिए रूस - यूक्रेन और इजराइल - फिलिस्तीन के बीच चल रहे युद्धों को अध्ययन स्वरूप देखा जा सकता है। इनमें से पहला युद्ध एक देश के सामरिक ठिकानों और अन्य कीमती धरोहरों पर कब्जा जमाए जाने को लेकर चल रहा है। इसमें पश्चिमी देशों और अमेरिका की कुटिल चालों को भी बारीकी से समझने की आवश्यकता है। दोनों देश इतना आगे निकल चुके हैं कि एक सामर्थ्यवान होने के चलते वापस नहीं लौट सकता। तो दूसरे से शांति की कीमतें वसूल करने की चालें चली जा रही हैं। दूसरा युद्ध विशुद्ध आतंकवाद के खिलाफ है। जैसे भारत के पहलगाम में आतंकियों ने निर्दोष नागरिकों की हत्याएं कीं, वैसे ही इजराइल में हमास के आतंकवादियों ने महिलाओं, बूढ़ों, बच्चों को चुन चुन कर मारा। भावावेश में इजरायल पहले हमास और फिर उसके दुनिया भर में व्याप्त हिमायतियों से उलझता चला गया तथा अभी तक उलझा हुआ है।

भारत के शत्रु देश और दुनिया के स्वयंभू ठेकेदार हमें और हमारी सेना को भी युद्ध के सुनियोजित जाल में उलझाने की तैयारी कर चुके थे। लेकिन दूरगामी परिणामों को पूर्व में ही भांप लेने की योग्यता रखने वाले प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी से यह षड्यंत्र छुप ना सका। उन्होंने पहलगाम का बदला भी लिया और कुछ ही घंटों में मामले को अंजाम तक पहुंचा कर दुश्मन को सफेद झंडा लहराने को विवश कर दिया।

पाकिस्तान इस दंडात्मक प्रक्रिया से हुए नुकसान और विश्व बिरादरी में हुई किरकिरी के बाद इन घटनाओं से सबक लेगा, इसकी संभावनाएं तो कम ही हैं फिर भी हमारी ईश्वर से यही प्रार्थना है कि उसे सद्बुद्धि प्राप्त हो ताकि वह भारत का बुरा करने के सपने देखने की बजाय अपना और अपनी अवाम का भला करने के बारे में सोचना शुरू कर दे। क्योंकि इसी में पाकिस्तान और वहां की आवाम की भलाई निहित है। आगे स्वयं पाकिस्तान को निश्चित करना है कि उसे रोटी चाहिए या फिर भारतीय सेना की गोली।

- डॉ. राघवेन्द्र शर्मा

आध्यात्मिक चेतना की अलख जगा रहा ब्रह्माकुमारीज का आनन्द सरोवर साधु-संत महासम्मेलन!

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय दुनियाभर में आध्यात्मिक ज्ञान के प्रसार के लिए नियमित रूप से सेवा कार्य कर रहा है। दुनिया के अन्य देशों के साथ ही भारत मे नारी शक्ति को आगे लेकर चल रही यह संस्था साधु -संतों को सम्मान देंकर उन्हें विश्व शान्ति व सदभाव के यज्ञ में आहुति दिलाने का कार्य कर रही है।इसी श्रृंखला में 30 मई से 2 जून तक ओम शांति रिट्रीट सेंटर गुरुग्राम में अखिल भारतीय साधु-संत महासम्मेलन आयोजित किया जा रहा है।जिसमे देश दुनिया के महान साधु -संत ब्रह्माकुमारीज के मंच से आध्यात्म के ज्ञान की खुशबू फैला रहे है।पिछले वर्ष भुनेश्वर में भारत को विश्वगुरु बनाने में साधु संत की भूमिका विषय पर हुए सफल आयोजन के बाद गुरुग्राम में साधु संतों के समागम ने नई आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार किया था। भुवनेश्वर उपक्षेत्र के अंतर्गत लगभग 150 ब्रह्माकुमारी केंद्रों से लगभग 200 बीके बहनें और भाई बीते वर्ष सितंबर माह के साधु -संत सम्मेलन में शामिल हुए थे। जिसमे स्वामी सचिन आनंद सरस्वती, स्वामी श्रद्धानंद सरस्वती, स्वामी अभेदानंद सरस्वती, स्वामी बिमलानंद सरस्वती, सुरेश स्वामी, स्वामी कृष्ण चरण दास, स्वामी प्रणबानंद, ब्रह्मचारी प्रफुल्ल चैतन्य, बाबा रमेश चंद दास, मोहंता त्रिलोकेश्वर भारती, स्वामी हारिस सरस्वती, स्वामीनी ऋताजानंद, स्वामी गुरेश्वरानंद, स्वामी ब्रह्मानंद सरस्वती, आनंद चैतन्य ब्रह्मचारी, स्वधी गीतादेवी, स्वामी निगमानंद, स्वामी ओमनानंद सरस्वती, किशोर शिवानंद स्वामी, चिंतामणि दास महाराज, वैष्णव चरण दास, स्वामी कृष्णानंद गुरु, केशव दास महाराज, स्वामी ओंकारानंद सरस्वती, सुधांशु अधिकारी आदि ने अपनी आध्यात्मिक विचार प्रक्रिया में विभिन्न परंपरा से जुड़े होने के बावजूद एक साथ मिलकर काम करने की बात की थी। भुनेश्वर साधु - संत सम्मेलन में भगवान आश्रम, गुरुकुल आश्रम, निगमानंद आश्रम, गुरुपद आश्रम, भगवान आश्रम, महिमा आश्रम, दिव्यजीवन संथा, चिन्मय मिशन, निगम कल्पतरु आश्रम, राधिका धाम, डिवाइन लाइफ सोसाइटी, पुरी बड़ा ओडियामठ, राधागोबिंद मठ, प्रज्ञा मिशन, सास्वत एजुकेशनल सोसाइटी, गायत्री शक्ति पीठ, पतंजलि आदि के आध्यात्मिक संतों ने एक स्वर में भारत को विश्व में शांति स्थापना के लिए संकल्प लिया था। संतों ने जीवन में आध्यात्म की पुर्नस्थापना के लिए ब्रह्माकुमारीज संस्थान के प्रयासों की मुक्त कंठ से प्रशंसा भी की थी।ब्रह्माकुमारीज दादियों का संकल्प था कि संतों को एक बार माउंट आबू लाना है। संतों की सेवा करनी है। इसी लक्ष्य को लेकर यह संत सम्मेलन आयोजित किया गया है। आध्यात्म, आरोग्य और आनंद की त्रिवेणी में संत समागम पर जो संत महात्मा महामंडलेश्वर एकत्रित होते हैं,उनका दिल से अभिनंदन किया जाता है। आज जब व्यक्ति के पास भौतिक साधनों का अंबार लग रहा है, तब भी वह अंदर ही अंदर खोखला होता जा रहा है। आज समाज के अंदर जो समरसता, सौहार्द चाहिए, सात्विकता चाहिए उसके स्थान पर दुष्टता, अराजकता, स्वार्थपरायणा दिखाई दे रही है।जिसे दूर करने के लिए संतों की त्याग, तपस्या और पवित्रता के साथ साथ ब्रह्माकुमारीज का राजयोग कारगर हो सकता है। आज सारा विश्व कहता है कि हमारे जीवन में आध्यात्मिकता की कमी है। लेकिन वास्तव में आध्यात्मिकता क्या है? जिस पर हम कह सकते है कि आत्मा और परमात्मा का ज्ञान ही आध्यात्मिकता है। यदि जीवन में उन्नति चाहिये तो ब्रहमाकुमारीज के राजयोग को सीखो और उसका नियमित अभ्यास करो। राजयोग इतना सहज है कि जितनी भी आपकी बुद्धि भटकती है, वह स्थिर हो जाएगी। यह कोई चमत्कार नहीं है बल्कि राजयोग की विधि है। आप जहां भी बैठो, खासकर सूर्य उदय होने के पहले और अस्त होने के बाद जो पूजा पाठ करते हो करो, लेकिन उसमें कुछ ओर जोड़ो। अपने आप से पूछो मैं कौन हूं? मन प्रश्न करेगा, बुद्धि जबाव देगी। एक ही जगह पर आप स्थितप्रज्ञ हो जाएंगे। भगवान पतित आत्मा को पावन बनाता है। इस आध्यात्मिक ज्ञान को जीवन में प्रयोग करते हो तो जीवन में सुख शांति आ जाएगी।आबू रोड के आनंद सरोवर में आयोजित हो रहे इस साधु-संत महासम्मेलन में परमपिता परमात्मा शिव अब पुन: प्रजापिता ब्रह्मा के माध्यम से गीता ज्ञान सुना रहे हैविषय स्वागत सत्र से लेकर उदघाटन सत्र में भी चर्चा हुई ,वही आध्यात्मिक पतन ,धर्म ग्लानि तथा शिव परमात्मा के धरती पर अवतरण को लेकर भी विभिन्न सत्रो में विचार विमर्श ,चर्चा-परिचर्चा चल रही है।इस महासम्मेलन में ब्रह्माकुमारीज महासचिव बीके बृजमोहन भाई,आध्यात्मिक ज्ञान साधिका बीके उषा दीदी,ओआरसी की निदेशक बीके आशा दीदी के साथ ही अनेक साधु -संत व आध्यात्मिक विद्वान भागीदारी निभा रहे है,जिनमे रुड़की से राजयोगिनी बीके गीता दीदी,ऋषिकेश से बीके आरती दीदी,राजयोगी सुशील भाई,शंकर मठ के पीठाधीश्वर स्वामी दिनेशानंद महाराज, वेद निकेतन आश्रम ऋषिकेश के स्वामी विद्यानन्द महाराज, स्वतंत्रता नन्द महाराज महासम्मेलन के साक्षीवक्ता बने है।ब्रह्माकुमारीज के बीच ये संत स्वयं को सौभाग्यशाली मान रहे है।इनका मत है कि ब्रह्माकुमारीज से जुड़े भाई बहन भी किसी संत से कम नही है,जो देश-समाज की रूहानियत में रहकर सेवा कर रहे है।

(लेखक विक्रमशिला हिंदी विद्यापीठ के उपकुलपति व वरिष्ठ साहित्यकार है)

- डॉ श्रीगोपाल नारसन

इन्दौर बाजार भाव –

इन्दौर। लेवाली ठंडी रहने से शनिवार को अनाज मंडी में मूंग बाजार मंदी पर रहे। चना भी मामूली लटक पर रहा। खाद्य तेलों में बाजार मजबूती पर रहे। तिलहनों में सोयाबीन सुर्खी पर रहा। किराना जिंसों में शक्कर सुस्त रही।

व्यापारिक सूत्रों के अनुसार मूंग में लेवाली ठंडी रहने से भावों में मंदी रही। मूंग में बाजार 50-100 रू. प्रति क्विं?टल तक टूटे। चना मामूली लटक पर रहा। खाद्य तेलों में बाजार मजबूत नज़र आये। तिलहनों में सोयाबीन 100-150 रू. प्रति क्विं?टल तक टूटा। सरसो व रायडा मजबूती पर रहा। उधर, किराना जिंसों में शक्कर सुस्त बनी रही। भाव इस प्रकार रहे ः-

किराना - शक्कर 4150-4170, खोपरा गोला 220-270, खोपरा बूरा 4000-6100 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 275-283, मीडियम 287-292, बेस्ट 300-310, ऊंझा हल्का 268-285, बेस्ट 295-310, हल्दी निजामाबाद 180-220, सांगली 250-270, साबूदाना हल्का 6000-6100, मीडियम 6200-6300, बेस्ट 6300-6500, ग्लास 6700, वरलक्ष्मी 5350, सौंफ मोटी 95-120, बेस्ट 280-315, एस्ट्रा बेस्ट 320-350, सौंफ बारि?क 280-290, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 770-800, गरबल 740-750, मटरदाना 825-850, खसखस अनक्लीन 1150-1250, क्लीन 1300-1350, दालचीनी 250-265, जायफल 725-750, बेस्ट 780-790, वाद्यान फूल 440-495, शाहजीरा 385, तेजपान 90-95, पत्थर फूल 340-425, बेस्ट 475-500, जावत्री 1675-1750, बेस्ट 1850-1890, केसर 175-185, सौंठ 375-400, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 765-775, बेस्ट 800-810, हींग (वनदेवी 751) 2600, पाउच 2650, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 160-185, सिंदूर 6600, देशी कपूर 750-775, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरि इलायची शंकर 2700-2800, मीडियम 2900-3050, बोल्ड 3100-3400, एक्ट्रा बोल्ड 3500-3700, पानबार 2450, बड़ी इलायची 1450-1825, तरबूज मगज 480-500, काजू (240) 900-950, काजू (210) 950-1000, काजू (320) 870-900, काजू एस. डब्ल्यू 800-810, जे.एच. 830-860, टुकड़ी 750-800, बादाम मगज 870-925, सिंगापुरी 795-815, अखरोट 450-650, जर्दालु 250-350, बेस्ट 450-600, किशमिश कंधारी 420-470, बेस्ट 550-650, इंडियन 140-150, बेस्ट 170-190, चारौली 1550-1650, बेस्ट 1700, मुनक्का 450-550, बेस्ट 650-900, अंजीर 750-1450, मखाना 1100-1625, खारक 115-135, मीडियम 140-180, बेस्ट 225-250, एक्ट्रा बेस्ट 300-310, पिस्ता 1300-1450, कंधारी 1750-1900, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2500-2550, (160) 2800-2850, (200) 3100-3150, (250) 3200-3250

तेल - सींगदाना 1350-1370, मुम्बई 1390, राजकोट तेलिया 2165, सोया साल्वेंट 1140-1145, सोया रिफाइंड 1205-1210, कपास्या 1230, धूलिया 1235, कड़ी 1235,

रात की धारणा - गुजरात लुज 1325, मुम्बई पाम 1190, मुम्बई सोया 1250,

खली - कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2200, देवास-उज्जैन 2200, खंडवा-बुरहानपुर 2175, अकोला 2990 (प्रति क्विं?टल)

तिलहन - सरसो 6400-6500, रायडा 5600, सोयाबीन 4200, टोली (महुआ बीज) 4000-4200, करंज 4000-4200, अलसी 7500-7600, अरंडी 4500-4700,

दलहन - चना कांटेवाला बेस्ट 5950-6000, एवरेज 5700-5800, काबूली चना बिटकी 6300-6600, काबली चना काटकू 6700-7200, काबूली चना मीडियम 7400-8300, काबूली चना डॉलर 9600-10600, मसूर बेस्ट 6100-6150, एवरेज 6000-6100, मूंग देशी 7300-7400, पाला 7400-7500, चमकी 7500-7600, नायलोन 7500-7600, तुअर निमाड़ी बेस्ट 6600-6700, एवरेज 6500-6600, हल्की 6400-6500, तुअर महाराष्ट्र 6900-7000, उड़द बेस्ट 8500-8600, एवरेज 8300-8400, शंकर 7900-8000, हल्की 7300-7500,

दाल - चना दाल एवरेज 8000-8200, बेस्ट 8300-8500, तुअर दाल सवा नं. 8300-8400, तुअर दाल फूल 9500-9700, तुअर दाल बोल्ड 11700-11800, मसूर दाल एवरेज 7400-7550, बेस्ट 7600-7750, मूंग दाल 9500-9600, बोल्ड 9800-10000, मूंग मोगर 10400-10500, बोल्ड 10600-10800, उड़द दाल 10600-10700, बोल्ड 10800-10900, मोगर 10900-11000, बोल्ड 11200-11400,

अनाज - गेहूं मिल क्वालिटी 2400-2500, लोकवन 2700-2650, बेस्ट 2750-2800, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2800-2900, पूर्णा 2900-3000, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2350-2400,

चावल - चावल हंसा सफेद 2900-3050, सेला 3400-3800, परमल 3400-3500, दुबराज 4000-4800, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8900, बासमती दुबार 8000-8500, मीनी दुबार 7000-7500, मोगरा 4500-6500, तिबार 9000-10000, बासमती (921) 10500-11500, बासमती सेला 6500-9000, पोहा 4500-5100,

मावा - इन्दौर 340, उज्जैन 280, रतलाम 270 रू. प्रति किलो।

इन्दौर सराफा बाजार –

इन्दौर। शनिवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। चॉंदी में बाजार सुस्ती के रहे। सोना भी नरमी पर रहा। भाव इस प्रकार रहे ः-

चॉंदी (9999) 97400, चॉंदी (99) 97300, टंच 96600, सिक्का 1000, सोना 10 ग्राम 96400,

आरआईआर पावर का मुनाफा और राजस्व बढ़ा

मुंबई । देश की प्रमुख पावर सेमीकंडक्टर निर्माता आरआईआर पावर इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड ने 31 मार्च 2025 को समाप्त तिमाही में 22.7 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि के साथ 26.46 करोड़ रुपये का राजस्व कमाया जो पिछले वर्ष की समान तिमाही में 21.57 करोड़ रुपये था। कंपनी ने बयान जारी कर बताया कि इस अवधि में कंपनी का मुनाफा 2.58 करोड़ रुपये रहा जबकि ईबीआईटीडीए 3.33 करोड़ रुपये रहा।

आज का राशिफल

मेष राशि - आज का दिन आपके लिए खास अनुभवों से भरा हो सकता है। जीवनसाथी की ओर से कोई सरप्राइज गिफ्ट या भावनात्मक सहयोग मिलने की संभावना है। व्यवसाय में कुछ नए प्रयोग या बदलाव लाभकारी सिद्ध हो सकते हैं। जो लोग नौकरी की तलाश में थे, उन्हें आज कोई अच्छा अवसर प्राप्त हो सकता है।

वृषभ राशि - आपके लिए आज का दिन मेहनत और सतर्कता से काम लेने का है। कार्यक्षेत्र में अतिरिक्त जिम्मेदारियाँ आ सकती हैं, जिनके लिए पहले से योजना बनाकर चलना बेहतर रहेगा। परिजनों से भावनात्मक लगाव बढ़ेगा, लेकिन दूर रह रहे किसी सदस्य की याद परेशान कर सकती है। बॉस या वरिष्ठ अधिकारियों की बातों को अनदेखा करना भारी पड़ सकता है।

मिथुन राशि - दिन कुछ हद तक आपके लिए चुनौतीपूर्ण साबित हो सकता है। आप यदि मनमर्जी से कार्य करेंगे, तो बार-बार नुकसान उठाना पड़ सकता है। किसी और से लिया गया वाहन प्रयोग करने से बचें, वरना दुर्घटना या विवाद की स्थिति बन सकती है। स्वास्थ्य संबंधित पुराने रोग फिर से उभर सकते हैं। खर्चों में नियंत्रण जरूरी है, अन्यथा तनाव बढ़ सकता है।

कर्क राशि - आज का दिन आर्थिक लाभ और मान-सम्मान की वृद्धि के संकेत दे रहा है। व्यापार में लाभ के योग बन रहे हैं और कोई सामाजिक या पारिवारिक जिम्मेदारी भी सफलतापूर्वक निभा सकेंगे। दांपत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी और संतान पक्ष से भी संतोषजनक समाचार मिल सकता है।

सिंह राशि - आज आपके लिए दिन मिला-जुला रहने वाला है। कार्यभार अधिक रहने से थकावट महसूस हो सकती है। सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों को मेहनत का फल मिलेगा और किसी सम्मान की प्राप्ति भी हो सकती है। संतान को शिक्षा में सहयोग देने की आवश्यकता पड़ सकती है।

कन्या राशि - आज का दिन आपके लिए उन्नति के नए मार्ग खोल सकता है। भाई-बहनों का भरपूर सहयोग मिलेगा, लेकिन आपकी कुछ मनमानी आदतें पारिवारिक माहौल को बिगाड़ सकती हैं। पिताजी से किसी विषय पर मतभेद हो सकते हैं, अत: सम्मानजनक व्यवहार बनाए रखें। ससुराल पक्ष से धन संबंधी कोई मामला आज अटक सकता है, इसलिए उधारी से बचें। माता-पिता के आशीर्वाद से रुका हुआ कार्य संपन्न होगा और नई नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को सफलता मिल सकती है।

तुला राशि - तनाव और मानसिक दबाव आज दिन भर महसूस हो सकता है। सामाजिक रूप से आप किसी जरूरतमंद की सहायता कर सकते हैं, जिससे आत्मसंतोष मिलेगा। कोई सरकारी योजना में निवेश करने का अवसर मिल सकता है, जो भविष्य में लाभकारी सिद्ध होगा। नौकरीपेशा लोगों को कोई बड़ी जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है, जिससे तनाव बढ़ेगा। राजनीति से जुड़े लोगों के लिए दिन उपयोगी है, प्रभावशाली व्यक्तियों से मुलाकात संभव है। नया मकान खरीदने की संभावना बन सकती है।

वृश्चिक राशि - भागदौड़ भरा दिन रहेगा, लेकिन इसके साथ ही कुछ सकारात्मक अनुभव भी होंगे। विशेष लोगों से मुलाकात के योग हैं, जो भविष्य में आपके लिए लाभदायक साबित हो सकते हैं। संतान से जुड़ी कोई खुशी मिलने वाली है। आज आवेश या जल्दबाज़ी में कोई बड़ा फैसला न लें। पुराने मित्र से भेंट मन को प्रसन्नता देगी। घर के रिनोवेशन या सजावट से जुड़े कार्य शुरू हो सकते हैं। किसी के साथ साझेदारी में व्यापार करने से बचना ही बेहतर रहेगा।

धनु राशि - आज का दिन आपके लिए यश, मान और प्रतिष्ठा में वृद्धि लेकर आ सकता है। कोई पुराना केस या कानूनी मामला आपके पक्ष में सुलझ सकता है। अतीत की किसी गलती से सबक लेकर आगे बढ़ना होगा। अनावश्यक खर्चों पर रोक लगाना जरूरी है, नहीं तो आर्थिक स्थिति बिगड़ सकती है। आसपास के लोगों से थोड़ी दूरी बनाए रखें, विशेषकर यदि उनकी ऊर्जा नकारात्मक हो। विदेश जाकर पढ़ाई करने की इच्छा रखने वाले छात्रों को शुभ समाचार मिल सकता है।

मकर राशि - आपके लिए आज का दिन योजनाओं को साकार करने का है। किसी नई योजना में धन निवेश करने का अच्छा अवसर मिलेगा। कोई नया काम शुरू करने से पहले पर्याप्त विचार-विमर्श करें। यदि आप किसी प्रॉपर्टी का सौदा करने जा रहे हैं, तो उसके सभी पहलुओं की सावधानी से जांच करें। माता की सेहत में कुछ गिरावट आ सकती है, सतर्क रहें। घर में नया इलेक्ट्रॉनिक उपकरण आ सकता है। किसी विरोधी की बातों में आकर निर्णय लेने से बचें।

कुंभ राशि - मिश्रित फल देने वाला दिन रहेगा। शेयर बाजार या बड़े वित्तीय निवेश से फिलहाल बचना बेहतर होगा, नहीं तो हानि हो सकती है। पारिवारिक जीवन सामान्य और सुखद रहेगा। मौसम में बदलाव का असर आपके स्वास्थ्य पर पड़ सकता है। अनावश्यक खर्चों को लेकर परेशानी हो सकती है, इसलिए खर्च में कटौती करें। किसी अनजान व्यक्ति की बातों में न आएं, धोखा हो सकता है। पुराने लेनदेन को आज निपटाने का अवसर मिल सकता है।

मीन राशि - दिन कुल मिलाकर खुशनुमा रहेगा, लेकिन आर्थिक दृष्टि से कमजोर रह सकता है। किसी छोटी यात्रा का योग है, लेकिन वाहन का प्रयोग सावधानी से करें। व्यापार में शत्रुओं से सावधान रहें, क्योंकि नुकसान की संभावना है। परिवार में किसी सदस्य से निराशाजनक समाचार मिल सकता है। अपने कार्यों में कुछ बदलाव करने की आवश्यकता महसूस होगी, जिससे आगे चलकर लाभ मिलेगा।

शब्दजाल - 7916

शब्द जाल में गोविंदा की10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे एवं तिरछे हो सकते हैं.

दा	क	जं	व	ग	द	रि	या	दि	ल	क
दा	वि	ल	ग	व	जी	ग	द	इ	ता	ली
गि	स	र्म	ल	बा	छ	पु	रा	रा	क	क
री	ज	क	दो	पु	ज	न	ह	न	त	क
क	खु	दो	आं	आं	लं	का	म	ग	व	क
जी	द	ल	प	य	खें	पू	ना	ण	र	को
ती	ग	ई	लि	या	प	बा	श	र	ला	ल
क	र्ज	ल्जा	ई	धा	ब	क	र	लो	श	पा
ने	बा	म	न्न	ब्रा	ह	त्या	री	ह	प	क
द	पा	ल	प	व	जी	र्त	ऐ	बें	हा	त
क	दु	ल्हे	रा	जा	न	रा	बा	द	प	थ

ईल्जाम, दादागिरी, जंगबाज, ताकतवर, हत्या, दरियादिल, खुदगर्ज, हम, दो आंखें बारह हाथ, दुल्हे राजा

शब्दजाल - 7915 का हल

हा	द	सा	ला	प	र	तू	ग	झ	क	नि
ग	ल	च	ह	रिं	मं	डी	दि	शा	को	शां
इ	पु	म	र	दा	ल	ग	र	ला	ल	त
कु	दा	रु	धा	ण	क	प	म	श	र	म
आ	श	न्न	ष	क	दा	री	ग	न	ता	द
रं	क्रो	प	व	गा	र्त	स	ती	प	ह	ती
गा	ल	श	अं	प	म	प	चो	ला	व	क
बा	अ	थी	ला	क	छ	श	न	र	जू	क
स	थो	तें	व	च	ज	द	क्ति	जू	नी	द
र	ल	प	ति	रं	क्र	ऐ	बें	न	रु	थो
ड	स	न	म	क	ह	रा	म	प	क	र

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 6860

ऊपर से नीचे:-

१. 'नदिया किनारे आओ' गीत वाली संजय दत्त, आफताभ, नंदिता दास की फिल्म-२
२. अमिताभ, अमजद, नीतूसिंह की 'सारा जमाना हसीनों का' गीत वाली फिल्म-३
३. 'दो दिवाने शहर में' गीत वाली अमोल पालेकर, जरीना वहाब की फिल्म-३
४. नसीरूद्दीनशाह, जैकी श्रॉफ, नगमा की 'मैं प्यासी नदिया' गीत वाली फिल्म-२
५. 'लिखे जो खत तुझे वो तेरी' गीत वाली शशिकपूर, आशा पारेख की फिल्म-४
७. मनोजकुमार, आशा पारेख की 'लो आ गई उन की याद' गीत वाली फिल्म-१,३
९. 'दो नैनों में आँसू भरे हैं' गीत वाली जीतेंद्र, हेमा, शर्मिला की फिल्म-३
११. जॉय मुखर्जी, माला, शर्मिलाकी 'वो हसीन दर्द देदो' गीत वाली फिल्म-४
१३. 'इस सो पहले कि याद तू आए' गीत वाली राजेश खन्ना, श्रीदेवी की फिल्म-४
१५. 'परिचय' में जीतेंद्र की नायिका?-२
१६. करण दीवान, स्वर्णलता की 'जब तुम ही चले परदेस' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'तन मन धन सब है' गीत वाली संजीवकुमार, लीना की फिल्म-४
२२. गुरूदत्त, शकीला, श्यामा की 'बाबू जी धीरे चलना' गीत वाली फिल्म-२,२
२३. रेखा, दिलीपकुमार, ममता की फिल्म-२
२४. शाहरूख, विवेक मुशरान, जूही की 'अपुन की लाइफ' गीत वाली फिल्म-४
२८. 'तेरे प्यार का' गीत वाली आफताब शिवदासनी, युक्ता मुखी की फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. 'ये जीवन है इस जीवन का यही है' गीत वाली फिल्म-२,१,२
४. राकेश रोशन, शत्रुघ्न सिन्हा, रीनाराय, रंजीता की फिल्म-४
६. फिल्म 'साया' में जॉन अब्राहम के साथ नायिका कौन थी-२
७. 'ऐसा कोई जिंदगी में' गीत वाली फिल्म-२
८. राजकिरण, जावेद खान की फिल्म-३
१०. 'है ना बोलो' गीत वाली फिल्म-३
१२. सुनीलदत्त, निम्मी की फिल्म-३
१४. 'देख सकता हूँ मैं कुछ' गीत वाली फिल्म-४
१७. अस्मित पटेल, मीरा की फिल्म-३
१९. 'आई जो तेरी याद' गीत वाली फिल्म-२
२०. फिल्म 'तक्षक' में अजय देवगन के साथ नायिका कौन थी-२
२१. शाहरूख, प्रियंका की 'ये मेरा दिल यार का दीवाना' गीतवाली फिल्म-२
२२. अक्षयकुमार, सुनील शेट्टी, जैकी, शत्रुघ्न, रवीना, लारा की फिल्म-२
२३. धर्मेन्द्र, जीतेंद्र, हेमा की फिल्म-३
२५. 'मैं नये जमाने की' गीत वाली अजय देवगन, रवीना की फिल्म-२
२६. फिरोज, संजय, मुमताज की 'गोरी के हाथ में' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'झोंपडी में चारपाई' गीत वाली जीतेंद्र, श्रीदेवी की फिल्म-३
२९. राजकपूर (डबल रोल), नर्गिस की 'आ जाने बहार' गीतवाली फिल्म-२
३०. 'फूल मांगूं ना बहार मांगूं' गीत वाली फिल्म-२
३१. कमल हासन, सनी, डिम्पल की फिल्म-३
३२. फिल्म 'तपस्या' की नायिका?-२
३३. अभिनेत्री 'मनीषा कोइराला' किस देश की रहने वाली है-३

फिल्म वर्ग पहेली- 6859

त्रि	शु	ल		ग	दा	र		धा	
दे		गा	य	ब		ह	म	रा	ज
व	च	न		न	ग	मा		वी	रू
	र		घ		ज	न	म		र
ती	स	री	मं	जि	ल		दा	व	त
स			डी			नू	री		
रा	जा	जी		अ	मृ	त		प	
कौ	न			प		न	व	रं	ग
न		अ	नु	रा	ग			प	
	जु	म्मा		ध		अ	प	रा	ध

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8384

बाएँ से दाएँ

1. साले की पत्नी-4
3. उच्च कुल का -3
5. पाताल-4
8. व्यंग, चुटीली बात-2
10. दुख, कष्ट-2
11. शराब का प्याला-2
13. सत्य, तेज-2
14. जुड़वा-3
15. विश्राम, राहत-3
17. मक्का-मदीना की यात्रा-2
19. झुका हुआ-2
20. टैक्स, हाथ-2
21. होठ, अधर-2
23. सुरक्षित-4
25. नाश, विनाश, विध्वंस-3
26. निश्चित -4

ऊपर से नीचे

1. नदी-3
2. संपत्ति, धन-2
3. वंश, खानदान-2
4. उत्तमता, परिष्कृतता-4
6. समुद्र, दरिया-3
7. अंधकार-2
9. जो जायज न हो-4
12. संस्कृत में 'मेरा'-2
13. सपाट- 4
16. जांघ-2
17. पैगंबर, महापुरुष-4
18. रनिवास (उर्दू-3)
20. हुनर, फन-2
22. देह, काया-3
23. गलत का विलोम -2
24. निश्चित-2

शब्द पहेली - 8383 का हल

फि	त	र	त		स	ला	म	त
रं		त	ल	ब	गा	र		मी
गी	ला			द			ह	ज
	ल		क	न	क		म	
ध	कि	या	ना		या	या	व	र
	ता		त	म	स		त	
ऐ	ब			ना			न	न
न		ख	ल	ना	य	क		क
क	र	त	ब		म	ल	म	ल

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

1 जून 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

(कुंडली: ४ मंगल चंद्र; ३ गुरु; २ सूर्य बुध; १; १२ शुक्र राहु शनि; ५; ११; ८; ६ केतु; ७; ९; १०)

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृष में	मिथुन	06.13 बजे से
चंद्र	कर्क में	कर्क	08.27 बजे से
मंगल	कर्क में	सिंह	10.43 बजे से
बुध	वृष में	कन्या	12.55 बजे से
गुरु	मिथुन में	तुला	15.05 बजे से
शुक्र	मीन में	वृश्चिक	17.20 ब.से
शनि	मीन में	धनु	19.36 बजे से
राहु	मीन में	मकर	21.41 बजे से
केतु	कन्या में	कुंभ	23.28 बजे से
		मीन	01.01 बजे से
		मेष	02.31 बजे से
		वृष	04.11 बजे से

राहुकाल 4.30 से 6.00 बजे तक

रविवार 2025 वर्ष का 152 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2082
शक संवत् 1946
मास ज्येष्ठ **पक्ष** शुक्ल
तिथि षष्ठी 20.00 बजे को समाप्त।
नक्षत्र आश्लेषा 21.37 बजे को समाप्त।
योग ध्रुव 09.11 बजे को समाप्त।
करण कौलव 08.01 बजे तदनन्तर तैतिल 20.00 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 04.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 22° 04'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872362
जूलियन दिन 2460827.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना जिल्हेज **तारीख** 04
विशेष स्कंद षष्ठी।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
उद्वेग	05.56 से 07.23 बजे तक	शुभ	05.36 से 07.09 बजे तक
चर	07.23 से 08.51 बजे तक	अमृत	07.09 से 08.41 बजे तक
लाभ	08.51 से 10.18 बजे तक	चर	08.41 से 10.14 बजे तक
अमृत	10.18 से 11.46 बजे तक	रोग	10.14 से 11.46 बजे तक
काल	11.46 से 01.14 बजे तक	काल	11.46 से 01.19 बजे तक
शुभ	01.14 से 02.41 बजे तक	लाभ	01.19 से 02.51 बजे तक
रोग	02.41 से 04.09 बजे तक	उद्वेग	02.51 से 04.24 बजे तक
उद्वेग	04.09 से 05.36 बजे तक	शुभ	04.24 से 05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः सच्चा सम्राट

ज्योतिष विद्या का एक प्रकांड पंडित एवं छाया शास्त्री कहीं से गुजर रहा था। रास्ते में उसे एक जगह पदचिह्न दिखाई पड़े। वह यह देखकर दंग रह गया कि ये पदचिह्न किसी चक्रवर्ती सम्राट के हैं। सामुदिक लक्षण जानने वाले उस ज्योतिषी ने सोचा- एक चक्रवर्ती सम्राट, इस रास्ते से! वह भी नंगे पैर। सम्राट यदि जाए तो सवारी पर जाए एवं साथ में सेना हो, हजारों आदमियों से घिरा हो, किंतु यह पदचिह्न तो एक ही व्यक्ति के हैं। क्या मेरा ज्योतिष मुझे धोखा दे रहा है? क्या मेरी बुद्धि मारी गई है? उस ज्योतिषी ने उन पदचिह्नों का पीछा किया। इस तरह वह वहां पहुंच गया जहां एक भिक्षुक ध्यान लगाए बैठा था। ज्योतिषी ने थोड़ी देर इंतजार किया। भिक्षुक जब ध्यान से उठा तब ज्योतिषी ने कहा, 'लगता है आज मेरा ज्योतिष झूठा पड़ गया है। ये पदचिह्न तो किसी सम्राट के हैं और आप एक भिक्षुक हैं।' वह भिक्षुक और कोई नहीं, भगवान महावीर थे। ज्योतिषी की बात सुनकर उन्होंने पूछा, 'राजा की क्या पहचान है?' ज्योतिषी ने उत्तर दिया, 'राजा अकेला नहीं होता है, लेकिन यहां आपके सिवाय कोई नहीं है।' महावीर ने कहा, 'नहीं, ध्यान रूपी पिता मेरे साथ हैं, अहिंसा रूपी माता और ब्रह्माचर्य रूपी भाई, अनासक्ति रूपी बहन, शांति रूपी पत्नी, विवेक रूपी पुत्र और क्षमा रूपी पुत्री, सभी तो हमारे साथ सदैव रहते हैं। सत्य रूपी मित्रों से मैं घिरा रहता हूं तो फिर अकेला कैसा?' ज्योतिषी ने कहा, 'अब मुझे समझ में आया कि सामुदिक लक्षण केवल बाहरी चीजों पर ही आधारित नहीं होते। मनुष्य में बहुत सारी संभावनाएं छिपी हुई हैं। वह अगर उनका सदुपयोग करता है तो सच्चा सम्राट बन जाता है। राजा की सेना तो सीमित होती है, लेकिन शुभ तरंगें सेना से भी दूर तक फैली रहती हैं।' ज्योतिषी ने नतमस्तक होकर कहा, 'स्वामी आपका ही वास्तविक राज्य है। मेरा ज्योतिष सार्थक हो गया। मुझे आप जैसे सच्चे सम्राट के दर्शन हो गए।'

सूडोकु नवताल- 7169

★★★✯☆ मध्यम

9		2		4	1	7		
1						6		
5	7	3	2				4	
				9	4	8		
4		7				9		6
		5	8	3				
	3				6	5	9	1
		6						7
		9	1	8		2		4

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7168 का हल

5	4	9	1	8	3	2	6	7
1	2	6	4	9	7	3	5	8
3	8	7	5	2	6	1	4	9
8	7	1	3	4	2	6	9	5
9	5	3	6	1	8	7	2	4
2	6	4	7	5	9	8	1	3
4	3	5	2	7	1	9	8	6
6	9	2	8	3	4	5	7	1
7	1	8	9	6	5	4	3	2

शेयर बाजार में दो दिन तेजी, तीन दिन गिरावट रही

- सेंसेक्स 182 अंक की गिरावट के साथ 81,451 पर बंद
- निफ्टी 82 अंक गिरकर 24,750.70 पर बंद

मुंबई। बीते सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों में उतार-चढ़ाव भरा कारोबार देखने को मिला। शेयर बाजार में सप्ताह में दो दिन बढ़त और तीन दिन गिरावट पर कारोबार हुआ। सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद हुए। बाजार के जानकारों ने कहा कि अमेरिकी अपील अदालत की ओर से पारस्परिक शुल्कों को अस्थायी रूप से बहाल करने के बाद व्यापार अनिश्चितता फिर बढ़ गई। बीते सप्ताह शेयर बाजार का पांच दिन का कारोबार इस प्रकार रहा- भारतीय शेयर बाजार सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को मजबूती के साथ खुले। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स आज 200 से ज्यादा अंक चढ़कर 81,928.95 पर खुला और 455 अंक चढ़कर 82,176 के स्तर पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 भी मजबूती के साथ 24,919.35 पर खुला और 148 अंक की तेजी रही, ये 25,001 के स्तर पर बंद

हुआ। एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, रिलायंस और इन्फोसिस जैसी भारी भरकम शेयरों में बिकवाली से बीएसई सेंसेक्स मंगलवार को 100 अंक से ऊपर की गिरावट लेकर 82,038.20 पर खुला और 624.82 अंक की गिरावट के साथ 81,551.63 पर बंद हुआ! नेशनल स्टॉक एक्सचेंज निफ्टी-50 भी गिरावट के साथ 24,956.65 पर खुला और 174.95 अंक की गिरावट के साथ 24,826.20 पर बंद हुआ। बुधवार को सेंसेक्स 100 अंक से ज्यादा की गिरावट लेकर 81,457 पर खुला और 239 अंक की गिरावट के साथ 81,312 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी-50 24,832 अंक पर लगभग फ्लैट खुला और 73 अंक की गिरावट रही, ये 24,752 के स्तर पर बंद हुआ। गुरुवार को बीएसई सेंसेक्स 200 से ज्यादा अंक चढ़कर 81,591.03 पर खुला और 320.70 अंक चढ़कर 81,633.02 पर बंद हुआ। निफ्टी-50 भी मजबूती के साथ 24,825.10 पर खुला और 81.15 अंक बढ़कर 24,833.60 पर बंद हुआ। घरेलू शेयर बाजार हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन लाल निशान पर खुला। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 219 अंक गिरकर 81,414.02 पर खुला और 182.01 अंक की गिरावट के साथ 81,451.01 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 53.6 अंक गिरकर 24,780 पर खुला और 82.90 अंक गिरकर 24,750.70 पर बंद हुआ।

केंद्र सरकार ने लोगों को दी राहत, कच्चे तेल पर आयात शुल्क घटाया

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने कच्चे पाम तेल, सोयाबीन तेल और सूरजमुखी तेल पर लगने वाले आयात शुल्क को 20 प्रतिशत से घटाकर 10 प्रतिशत कर दिया है। यह फैसला वित्त मंत्रालय द्वारा हाल ही में जारी अधिसूचना के तहत लागू किया गया है। इससे बाजार में खाने के तेल की कीमतों में गिरावट आ सकती है। भारत खाद्य तेल का लगभग आधा हिस्सा विदेश से आयात करता है, इसलिए इस आयात शुल्क में कमी का असर सीधे तेल की खुदरा कीमतों पर पड़ेगा। सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के एक व ?रिष्ठ अ ?धिकारी ने कहा कि इससे घरेलू बाजार में तेल सस्ता होगा और तेल रिफाइनिंग इंडस्ट्री को भी मजबूती मिलेगी। एक अन्य अधिकारी ने बताया कि तीनों कच्चे तेलों पर अब कुल प्रभावी आयात शुल्क करीब 16.5 प्रतिशत रह गया है, जो पहले 27.5 प्रतिशत था। हालांकि, यह राहत केवल कच्चे तेलों पर दी गई है, रिफाइंड पाम तेल और अन्य रिफाइंड तेलों पर अभी भी 32.5 प्रतिशत आयात शुल्क लागू रहेगा। उद्योग विशेषज्ञों का मानना है कि कच्चे और रिफाइंड तेलों के बीच आयात शुल्क के अंतर को बढ़ाने से घरेलू तेल उद्योग को फायदा होगा और रिफाइंड तेल के आयात में कमी आएगी।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर 692.72 अरब डॉलर हुआ

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के मुताबिक भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 23 मई को समाप्त सप्ताह में 6.99 अरब डॉलर बढ़कर 692.72 अरब डॉलर हो गया। इसके पहले 16 मई को समाप्त हुए सप्ताह में कुल विदेशी मुद्रा भंडार 4.89 अरब डॉलर घटकर 685.73 अरब डॉलर हो गया था। सितंबर, 2024 के अंत में विदेशी मुद्रा भंडार 704.88 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के मुताबिक 23 मई को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का एक प्रमुख हिस्सा विदेशी मुद्रा आस्तियां 45.16 लाख डॉलर बढ़कर 586.17 अरब डॉलर हो गईं। डॉलर के संदर्भ में उल्लेखित विदेशी मुद्रा आस्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे गए यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं की घट-बढ़ का प्रभाव शामिल होता है। समीक्षाधीन सप्ताह में स्वर्ण भंडार का मूल्य 2.37 अरब डॉलर बढ़कर 83.58 अरब डॉलर हो गया। विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 8.1 करोड़ डॉलर बढ़कर 18.57 अरब डॉलर हो गया। केंद्रीय बैंक के आंकड़ों के अनुसार, आलोच्य सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास भारत का आरक्षित भंडार भी तीन करोड़ डॉलर बढ़कर 4.40 अरब डॉलर हो गया।

नगर परिषद में ''विश्व तम्बाकू निषेध दिवस'' पर दिलाई शपथ

लांजी (पद्मेश न्यूज)। 31 मई दिन शनिवार को शासन के निर्देशानुसार नगर परिषद लांजी द्वारा कार्यालय परिसर में मुख्य नगरपालिका अधिकारी बी.एल.लिल्हारे के मार्गदर्शन में प्रातः 7.00 बजे ''विश्व तम्बाकू निषेध दिवस'' के अवसर पर अधिकारी/कर्मचारियों की उपस्थिति में नशामुक्ति के लिये जनजागृति हेतु परिषद पदाधिकारी सौरभ(मोनू) पशीने पार्षद वार्ड क्रमांक 11 के द्वारा शपथ दिलाई गई। ताकि समाज में तम्बाकु एवं बीडी, सिगरेट के सेवन से होने वाली हानि से मानव समाज को सुरक्षित रहने की प्रेरणा दी जा सकें। शपथ कार्यक्रम के पश्चात लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की 300वी जयंती पर श्रृद्धा पूर्वक स्मरण किया गया। अहिल्याबाई ने अपने शासन काल में महिलाओं के सम्मान, शिक्षा और समानता के लिए अनगिनत पहल की। विधवा-विवाह को समर्थन दिया, बालिका की शिक्षा और नारी गरिमा की रक्षा हेतु सशक्त संदेश प्रसारित किये।

उनका आदर्श आज भी समाज को प्रेरित करता है। इसी उद्देश्य से महिलाओं के साथ होने वाले अपराधों के विरूद्ध जनजागृति फैलाना एवं महिला सशिक्तकरण का संदेश दिया गया। उक्त आयोजन में अधिकारी कर्मचारियों में राजेश मिश्रा, श्रीमती वंदना भार्गव, संतोष भार्गव, तेजराम आसटकर, छगन लाल मिश्रा, रनदिप वराडे, विनोद रहमतकर, गोविंद राउत, शैलेन्द्र पाण्डे, आकाश महोबिया, मचलेश चोरवाडे, शमीम खान, नितिन बरगैया, संजय भण्डारकर, श्रीमती पूजा श्रीवास्तव, श्रीमती जैवंती कचवाहे एवं अन्य कर्मचारियों की उपस्थिति रही।

पुरानी रंजिश को लेकर युवक यशवंत पर ईंट से किया प्राणघातक हमला

लांजी (पद्मेश न्यूज)। नगर के वार्ड क्रमांक 7 अन्तर्गत निवासी यशवंत सोनवाने के साथ 3 लोगो ने मारपीट कर युवक यशवंत को लहुलुहान कर दिया। युवक ने बताया कि पुरानी रंजिश को लेकर कालबेले परिवार के तीन लोगो ने मारपीट की है। इस संबध में घायल युवक यशवंत ने बताया कि 30 मई को रात्रि करीब 9:30 बजे मै रेंज ऑफिस लांजी के चौक पर खड़ा था उस समय किशोर उर्फ बबलू कालबेले आया और पुरानी रंजिश की बात को लेकर अनाप शनाप बात करने लगा और गंदी गंदी गालियॉ दी। मैने उसी गाली देने से मना किया तो किशोर कालबेले ने मुझे हाथ मुक्को से मारपीट की है और अपने घर पर फोन करके विशाल कालबेले एवं विवेक कालबेले को बुलाया, दोनो आये मुझे हाथ मुक्को से मारपीट की, विशाल ने मुझे ईंट से मेरे सर पर एवं आंख पर मारा जिससे खुन निकलने लगा, बीच बचाव करने आये मेरे साथियों ने मुझे बचाया, जाते जाते उक्त लोगो के द्वारा मुझे जान से मारने की धमकी दी गई है। यशवंत कालबेले के द्वारा दुसरे दिन लांजी थाना पंहुचकर उक्त संबंध में रिपोर्ट करवाई गई है। यशवंत ने यह भी बताया कि मुझे लगभग 15 से 20 टांके लगाये गये है सर पर गंभीर चोटे आई है। उक्त

कथन के आधार पर लांजी पुलिस के द्वारा आरोपी किशोर कालबेले, विशाल कालबेले,बबलू कालबेले के विरूद्ध अपराध क्रमांक 115/25 धारा 296, 115 (2), 351 (2), 3 (5) बीएनएस कायम कर विवेचना में लिया गया है।

शादी में शामिल होने फार्म हाउस गए युवक की स्विमिंग पूल में डूबने से मौत

स्लाइडिंग करते समय गहरे पानी में समाया, इकलौता बेटा था मृतक

भोपाल(ईएमएस)। देहात क्षेत्र के गुनगा थाना इलाके में स्थित ग्राम हरार्खेड़ा के एक फार्म हाउस में बने पांच फीट गहरे स्विमिंग पूल में नहाते समय एक युवक की डूबने से मौत हो गई। घटना गुरुवार रात की है। युवक दोस्त की बहन की शादी समारोह में गया था। कार्यक्रम शुरू होने से पहले सभी दोस्त नहाने के लिए स्विमिंग पूल में उतर गए। पूल में स्लाइड भी थी। युवक स्लाइड से पानी में उतरा और करीब 30 सैकेंड तक वह बाहर नहीं आया। शक होने पर दोस्तों ने उसे बाहर निकाला और इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करा दिया, जहां शुक्रवार सुबह उसकी मौत हो गई। मृतक परिवार में इकलौता बेटा था। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

थाना पुलिस ने बताया कि अयान अहमद (20), कबीटपुरा का रहने वाला था। वह ई-रिक्शा चलाता था। अयान परिवार का इकलौता बेटा था। उसकी बड़ी बहन की शादी हो चुकी है। पिता निजी कारखाने में मजदूरी करते हैं। परिवार की आर्थिक ठीक नहीं थी। इन दिनों अयान की दोस्त की बहन शादी चल रही है। गरुवार को वह दोस्तों के साथ गुनगा स्थित हरार्खेड़ा में बने विकेशन विला फार्म हाउस पर गया था, वहां करीब 5 फीट गहरा स्विमिंग पूल था, उसमें स्लिाइड भी लगी थी। शादी समारोह से पहले दोस्तों के साथ स्विमिंग पूल में नहाने उतर गया। वह नहाते हुए स्लाइड से गहरे पानी में चला गया। इसके बाद ऊपर नहीं आया। अचानक एक दोस्त का ध्यान गया कि अयान पानी में जाने के बाद बाहर नहीं आया। तब उसे बाहर निकाला गया। लोगों ने पेट दबाकर उसे बचाने का प्रयास किया। वह होश में आ गया था। इलाज के लिए उसे निजी अस्पताल में भर्ती किया गया। शुक्रवार सुबह इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। सूचना मिकने पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पीएम के बाद परिजनों को सौंप दिया है। फिलहाल पुलिस आगे की जांच कर रही है।

विकास कार्यों का श्रेय लेने अलग-अलग प्लेटफॉर्म पर दिख रहे नेता

ग्वालियर-चंबल में दो नेताओं के बीच वर्चस्व की जंग

भोपाल। एक इलाके में एक ही राजा होता है और उसका नाम शेर होता है। जंगल का कानून यही होता है लेकिन राजनीति में भी कई बार ऐसा देखने को मिलता है। फिलहाल भाजपा में कुछ ऐसी ही तस्वीर सामने आ रही हैं। एक इलाके में दो-दो बड़े नेताओं की सक्रियता के चलते राजनीतिक गरमी चरम पर है। इसका जीता जागता उदाहरण विकास कार्यों को लेकर मची होड़ है। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि डबल इंजन सरकार का वादा करने वाले ग्वालियर-चंबल अंचल के नेता अब अलग-अलग प्लेटफार्म पर दिख रहे हैं। कहा जा रहा है कि केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर के बीच राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता के कारण क्षेत्र के विकास पर असर पड़ रहा है। क्षेत्र में जब भी कोई विकास कार्य होता है या प्रस्ताव आता है दोनों नेताओं के समर्थक श्रेय लेने में जुट जाते हैं।

ग्वालियर-चंबल अंचल में आज स्थिति यह हो गई है कि छोटे से कार्य की अनुमति या सैद्धांतिक स्वीकृति होने पर ही आभार पत्र जारी किए जाने की बाढ़ लग रही है। इसके केंद्र में केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया होते हैं या फिर विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ताजा मामला ग्वालियर-बेंगलुरु के बीच प्रस्तावित सीधी नई ट्रेन के श्रेय को लेकर है। रेलवे ने इस मार्ग पर यात्रियों की उपलब्धता का सर्वे कर इस नई ट्रेन को स्वीकृति दी। अभी बहुत कुछ तय होना बाकी है, लेकिन केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया व नरेंद्र सिंह तोमर के खास ग्वालियर सांसद भारत सिंह कुशवाह और उनके समर्थकों के बीच श्रेय लेने-देने की होड़ शुरू हो गई। अपने-अपने दावे को पुष्ट करने के लिए रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को लिखे पत्र इंटरनेट मीडिया पर बहुप्रसारित किए गए। फिर आभार पत्र भी जारी किए गए।

पहली बार सामने नहीं आई गुटबाजी

यह पहली दफा नहीं है जब गुटबाजी सामने आई हो। ग्वालियर के न्यू सिटी सेंटर स्थित रेलवे ओवर ब्रिज के लोकार्पण,ग्वालियर के नीडम आरओबी का फीता काटने से लेकर ग्वालियर से शिवपुरी के लिए वेस्टर्न बाइपास जैसे मामलों में जिस तरह समर्थकों को आगे कर दोनों पक्षों की बीच राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता नजर आई, ऐसे में यह दूरी जनता के बीच भी जगजाहिर हो गई है। उधर, नए कार्यों पर श्रेय लेने के बीच पीएम ई-बस, ग्रीनफील्ड सिटी और नए आरओबी जैसे विकास कार्यों में ग्वालियर के पिछड़ने की चिंता किसी को नहीं है। आपको बता दें कि ज्योतिरादित्य सिंधिया और नरेंद्र सिंह तोमर ग्वालियर—चंबल के बड़े नेता हैं। नरेंद्र सिंह तोमर मुरैना जिले की दिमनी विधानसभा सीट से विधायक चुने गए हैं। इससे पहले वे केंद्रीय मंत्री रह चुके हैं और उससे भी पहले वह मध्यप्रदेश भाजपा अध्यक्ष रहे हैं। वहीं, ज्योतिरादित्य सिंधिया गुना-शिवपुरी लोकसभा सीट से सांसद हैं। वर्तमान में केंद्रीय मंत्री हैं। पांच साल पहले ज्योतिरादित्य सिंधिया के भाजपा में शामिल होने के बाद अंचल के बड़े नेता और तत्कालीन केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर के बीच राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता शुरू हो गई थी। दोनों ही नेता ग्वालियर-चंबल संभाग में अपना राजनीतिक वर्चस्व बनाए रखना चाहते हैं। ज्योतिरादित्य और नरेंद्र सिंह का राजनीतिक कद काफी बड़ा है। वे अपने समर्थक मंत्रियों और सांसदों के माध्यम से वर्चस्व की लड़ाई लड़ते रहते हैं। ग्वालियर सांसद भारत सिंह कुशवाह विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर के खेमे के माने जाते हैं और ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर व प्रभारी मंत्री तुलसी सिलावट ज्योतिरादित्य के पक्के समर्थक हैं। भारत सिंह अपने संसदीय क्षेत्र में ज्योतिरादित्य के दखल पर शीर्ष व प्रदेश नेतृत्व के सामने आपत्ति दर्ज करा चुके हैं। इसके बाद ज्योतिरादित्य को अपने गुना-शिवपुरी संसदीय क्षेत्र को छोडक़र अंचल में केंद्र व प्रदेश सरकार के विकास कार्यों की समीक्षा से किनारा करना पड़ा।

जल जीवन मिशन से केंद्र ने खींचे हाथ

7.5 लाख घरों में पानी सप्लाई की लागत वहन करने से किया इनकार

भोपाल। मप्र में 51,548 हजार गांवों के 1.11 करोड़ घरों में पाइप लाइन बिछाकर पेयजल पहुंचाने की महत्वाकांक्षी योजना की राह में बजट रोड़ा बन गया है। जल जीवन मिशन में प्रदेश के एक-एक गांव के प्रत्येक घर तक नल से जल पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है, लेकिन प्रदेश में करीब 8 हजार मजरे-टोलों के 7.50 लाख घर जल जीवन मिशन में शामिल होने से छूट गए। विभाग ने जुलाई, 2024 में इन मजरे टोलों में नल से पानी सप्लाई किए जाने को लेकर 2500 करोड़ रुपए का प्रस्ताव तैयार कर केंद्र को भेजा था। केंद्र से 50 प्रतिशत राशि देने का अनुरोध किया गया था। लेकिन केंद्र ने अपने हिस्से के 1250 करोड़ रूपए देने से मना कर दिया है। अतः अब यह राशि मप्र को अकेली की वहन करनी पड़ेगी।

गौरतलब है कि जल जीवन मिशन को 2019 में शुरू किया गया था। इसे 3.60 लाख करोड़ की लागत से कार्यांवित किया जा रहा है, जिसमें केंद्र सरकार की तरफ से 2.08 लाख करोड़ और राज्यों की तरफ से 1.52 लाख करोड़ का योगदान है। यह मिशन अपने लक्ष्य को पूरा करने की राह पर है। मिशन का लक्ष्य केवल सभी के लिए सुरक्षित पेयजल पहुंचाना है। पिछले साल अक्टूबर में आई एक रिपोर्ट में कहा गया था कि पिछले पांच वर्षों में भारत में ग्रामीण परिवारों के लिए नल के पानी के कनेक्शन में पांच गुना की वृद्धि हुई है। अक्तूबर 2024 तक नल कनेक्शन वाले ग्रामीण परिवारों की संख्या बढक़र 15.20 करोड़ हो गई। मिशन के लॉन्च के दौरान केवल 3.23 ग्रामीण परिवारों के पास ही नल का कनेक्शन था, लेकिन वर्तमान समय में इसमें पांच गुना वृद्धि हुई है। रिपोर्ट में बताया गया, 10 अक्तूबर 2024 तक जेजेएम के तहत 11.96 अतिरिक्त घरों को नल का कनेक्शन प्रदान किया गया। इसी के साथ अब मौजूदा समय में 15.20 करोड़ ग्रामीण परिवार नल के कनेक्शन का लाभ उठा रहे हैं।

8 हजार गांवों में नहीं पहुंचा नल से जल

प्रदेश में अभी 8 हजार गांवों में नल से जल पहुंचाना है। केंद्र सरकार ने प्रदेश में जल जीवन मिशन में छूटे करीब 8 हजार गांव (मजरे-टोलों) के 7.5 लाख घरों में पानी सप्लाई की लागत वहन करने से इनकार कर दिया है। केंद्र के इनकार करने के बाद लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग इस मामले को लेकर मुख्य सचिव के पास पहुंचा। अधिकारियों ने इस संबंध में मुख्य सचिव के समक्ष प्रेजेंटेशन दिया। उन्होंने अधिकारियों के साथ बैठकें कीं और प्रस्ताव को आगे बढ़ाने पर सहमति दे दी। इन गांवों तक नल से जल पहुंचाने पर करीब 2500 करोड़ रुपए खर्च होंगे। यह पूरी राशि मप्र सरकार वहन करेगी। साथ ही मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि जल जीवन मिशन का रिवीजन कर देखें कि और कितने गांव जल जीवन मिशन में शामिल होने से छूट रहे हैं, उन्हें भी मिशन में शामिल करें। जल्द ही इस संबंध में प्रस्ताव को कैबिनेट की बैठक में आएगा।

अब राज्य का वहन करना होगा पूरी राशि

पीएचई विभाग के अधिकारियों का कहना है कि जल जीवन मिशन में प्रदेश के एक-एक गांव के प्रत्येक घर तक नल से जल पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है, लेकिन प्रदेश में करीब 8 हजार मजरे-टोलों के 7.50 लाख घर जल जीवन मिशन में शामिल होने से छूट गए। विभाग ने जुलाई, 2024 में इन मजरे टोलों में नल से पानी सप्लाई किए जाने को लेकर 2500 करोड़ रुपए का प्रस्ताव तैयार कर केंद्र को भेजा था। केंद्र से 50 प्रतिशत राशि देने का अनुरोध किया गया था। योजना में केंद्र और राज्य सरकार द्वारा 50:50 प्रतिशत राशि वहन की जाती है। प्रस्ताव का परीक्षण करने के बाद केंद्र सरकार ने राशि देने से इनकार कर दिया। इससे यह प्रस्ताव अटक गया। इसके बाद पीएचई के अफसरों ने इस मामले से मुख्य सचिव अनुराग जैन को अवगत कराया। उन्होंने जल जीवन मिशन की समीक्षा करते हुए केंद्र सरकार को भेजे गए प्रस्ताव पर विस्तार से चर्चा की और इसे आगे बढ़ाने की सहमति दे दी। प्रमुख सचिव पीएचई पी. नरहरि का कहना है कि प्रस्ताव फायनल कर लिया गया है। जल्द ही इसे कैबिनेट की बैठक में रखा जाएगा।

90 प्रतिशत काम पूरा

अधिकारियों का कहना है कि जल जीवन मिशन के तहत प्रदेश में 51 हजार से ज्यादा गांवों में नल से जल की सप्लाई की जानी है। मिशन में एकल नल जल योजनाओं की संख्या 27 हजार 990 है। इनका 90 प्रतिशत काम पूरा हो गया है। दिसंबर, 2025 तक एकल नल-जल योजनाओं का काम पूरा करने का लक्ष्य तय किया है। प्रदेश में समूह नल-जल योजनाओं की संख्या 147 है। इनमें 23 हजार से ज्यादा गांव शामिल हैं। दिसंबर 2026 तक इनका निर्माण कार्य पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। जल जीवन मिशन में प्रदेश में ग्रामीण क्षेत्र के करीब एक करोड़ 11 लाख घरों तक एकल और समूह नल-जल योजनाओं के जरिए नलों से जल पहुंचाया जाएगा। प्रदेश में बुरहानपुर और निवाड़ी हर घर जल प्रमाणित जिला घोषित हो चुके हैं। बता दें कि देश के प्रत्येक गांव के हर घर में नल से पानी की सप्लाई के लिए केंद्र सरकार ने 15 अगस्त, 2019 को जल जीवन मिशन लॉन्च किया था। इसकी डेडलाइन मार्च, 2024 रखी गई थी, लेकिन निर्धारित अवधि में मध्यप्रदेश समेत अधिकतर राज्यों में यह काम पूरा नहीं हो पाया। इसे देखते हुए केंद्र सरकार ने जल जीवन मिशन की अवधि वर्ष 2028 तक बढ़ा दी है।

मप्र की पहली मेट्रो दौड़ी पटरी पर

भोपाल। अभी तक देश में केन्द्र सरकार ने उन शहरों में ही मेट्रो चलाने की अनुमति दी जहां की आबादी 1 करोड़ या उससे अधिक है। मगर इंदौर और भोपाल दो ऐसे शहर हैं जहां पर इससे कम आबादी होने पर भी भी मेट्रो की सौगात मिली। इंदौर में तो शनिवार से यात्री संचालन मेट्रो का शुरू हो गया। हालांकि भोपाल में अभी थोड़ा और समय लगेगा। इंदौर-भोपाल मेट्रो की यात्रा इतनी आसान नहीं रही है। 2011 से इसकी योजना बनाई गई, जब तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान थे। उन्होंने हालांकि 2018 तक ही मेट्रो चलाने की घोषणा की थी, जिसमें विलंब भी हुआ। तत्पश्चात सितम्बर 2019 में तत्कालीन मुख्यमंत्री कमलनाथ ने इंदौर मेट्रो रेल प्रोजेक्ट की नींव रखी और उसके बाद 2023 में फिर से मुख्यमंत्री बने शिवराज सिंह चौहान ने ट्रायल रन लिया और अब मोहन सरकार को यात्री संचालन का मौका मिला। भोपाल के जम्बूरी मैदान से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इंदौर मेट्रो का वर्चुअली लोकार्पण किया और उसके बाद ही महिलाओं-अतिथियों से लदी सजी-धजी मेट्रो ट्रेन 6 किलोमीटर के प्रायोरिटी कॉरिडोर पर दौडऩे लगी। 32 किलोमीटर का पहला चरण अमल में लाया जाना है और राह इतनी आसान नहीं है। अभी तो अंडरग्राउंड मेट्रो का काम ही शुरू नहीं हुआ है। क्योंकि उसके ड्राइंग-डिजाइन में बार-बार परिवर्तन के प्रयास किए जाते रहे हैं। दिसम्बर-2011 में इंदौर मेट्रो की योजना बनी और फिर दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने इंदौर-भोपाल मेट्रो के लिए डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार की और जनवरी 2012 में टीम ने भोपाल आकर दौरा किया और फिर केन्द्र सरकार ने 2013 में मुंबई की कम्पनी को डीपीआर बनाने का जिम्मा सौंपा। महत्वपूर्ण तथ्य यह भी है कि उस दौरान केन्द्र में कांग्रेस की सरकार थी और तब कमलनाथ ही मंत्री थे और उन्होंने इसकी मंजूरी दी, जिसका उल्लेख उन्होंने मुख्यमंत्री बनने के बाद इंदौर में मेट्रो रेल प्रोजेक्ट की आधारशीला रखते हुए कही भी थी। 2013 में मुंबई की कम्पनी ने काम शुरू किया और उसके बाद फिर तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने अपने घोषणा-पत्र में ही 2018 तक मेट्रो चलाने की बात कही, जो हालांकि पूरी नहीं हो सकी। अक्टूबर 2018 में केन्द्र सरकार ने मेट्रो की डीपीआर को मंजूरी दी। तब तक केन्द्र में मोदी सरकार भी पूरी ताकत से काम करने लगी थी। उसके बाद विधानसभा चुनाव में श्रेय लेने के लिए इसी 6 किलोमीटर के प्रायोरिटी कॉरिडोर पर तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने ट्रायल रन लिया और उस वक्त मध्यप्रदेश मेट्रो कॉर्पोरेशन के एमडी मनीष सिंह थे और उन्होंने ही तत्परता से ट्रायल रन के लिए प्रायोरिटी कॉरिडोर तैयार करवाया। इंदौर मेट्रो प्रोजेक्ट उनके कार्यकाल में ही सबसे तेज गति से चला और तमाम बाधाओं को मनीष सिंह ने तुरंत-फुरत दूर करवाते हुए कुछ ही महीनों में मेट्रो चलाकर दिखा भी दी। उसके बाद पिछले 2 सालों से काम की रफ्तार धीमी ही रही और आज भी उसी 6 किलोमीटर पर यात्री संचालन शुरू हो रहा है जिस पर ट्रायल रन लिया गया था। यानी अगर काम की रफ्तार अच्छी रहती तो कम से कम गांधी नगर से विजय नगर तक ही यात्री संचालन शुरू किया जा सकता था, जिसे अब इस साल के अंत तक शुरू करने की बात कल विभागीय मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने की है। अब सीएम डॉ. यादव के नेतृत्व में इंदौर-भोपाल मेट्रो का संचालन शुरू हो रहा है।

क्रिकेट खेलने गए 5 वीं के छात्र की करंट लगने से मौत

बॉल उठाने के दौरान खुले तारों की चपेट में आया, -परिवार में इकलौता बेटा था किशोर

भोपाल। शहर के हबीबगंज थाना इलाके में स्थित ई-7 में स्थित मैदान में क्रिकेट खेलने गये 5 वीं के छात्र की करंट की चपेट में आने से मौत हो जाने की घटना सामने आई है। छात्र बीती सुबह खेलने गया था, इसी दौरान करीब साढ़े नौ बजे वह हादसे का शिकार हो गया। हादसे को लेकर लोगो ने बिजली विभाग पर लापरवाही के आरोप लगोय है, बताया गया है कि ग्राउंड में लगे ट्रांसफॉर्मर के तार खुले पड़े थे। फिलहाल मर्ग कायम कर पुलिस मामले में आगे की जांच कर रही है। मिली जानकारी के अनुसार शाहपुरा के इंदिरा नगर मल्टी 12 नंबर में परिवार सहित रहने वाला जितेद्रं जोगे 10 नंबर मार्केट में फूलों की दुकान लगाता है। उनका सबसे छोटा 13 साल का बेटा वंश जोगे 5 वीं का छात्र था। वंश परिवार का इकलौता लड़का था, उससे बड़ी उसकी तीन बड़ी बहने है। बीती सुबह वंश अपने दोस्तों के साथ क्रिकेट खेलने के लिए ई-7 के एक ग्राउंड में गया था। खेल के प्यास लगने पर वंश सभी के लिए दुकान पर मठा लेने के लिए चला गया। वहां से लौटते समय उसको ट्रांसफॉर्मर के पास बॉल पड़ी मिली। जैसे ही वंश ट्रांसफॉर्मर के पास से बॉल उठा कर फेंकने लगा उसी समय वह वहॉ बिखरे पड़े बिजली के तारों की चपेट में आ गया। करंट का जोरदार झटका लगने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने किशोर वंश के शव को पीएम के लिए भेज दिया था। परिवार वालो ने पुलिस को बताया की वंश पढ़ने में बहुत होशियार था, साथ ही उसे क्रिकेट खेलने का काफी शौक था। वह रोजाना क्रिकेट खेलने के लिए जाता था। परिवार वालो ने क्रिकेट अकादमी में भी उसका नाम लिखवाया था। शव को पीएम के बाद परिवार वालो को सौपतें हुए पुलिस आगे की जॉच कर रही है।

लांजी में ''पद्मेश''
इंटरनेट (ब्राडबेंड)
कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

जनता के दर पर पहुंचेंगे पदयात्रा कर 'माननीय'

- मोदी सरकार 3.0 की उपलब्धियां जन-जन तक पहुंचाने की कवायद

भोपाल। मप्र में फिलहाल कोई चुनाव नहीं है। फिर भी मप्र के माननीय (सांसद, मंत्री, विधायक) अपने-अपने क्षेत्र में जनता के दर पर पहुंच कर केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं का फीडबैक लेंगे। दरअसल, भाजपा ने पूरे देश में मोदी 3.0 सरकार की उपलब्धियों को जनता तक पहुंचाने का जो प्लान बनाया है, उसमें पार्टी के सांसद और मंत्रियों को कार्यक्रम दिया गया है कि वे हर दिन करीब 20 किलोमीटर की पदयात्रा करके जनता के बीच पहुंचे।

भाजपा संगठन में मप्र को आदर्श राज्य के तौर पर गिना जाता है। मप्र में मोदी सरकार की उपलब्धियां जनता तक पहुंचाने के लिए मंत्रियों और सांसदों में होड़ लगी है। नंबर बढ़ाने की इतनी जल्दबाजी है कि संगठन से हरी झंडी मिलने से पहले ही केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अपने लोकसभा क्षेत्र में पदयात्रा शुरू कर दी। शिवराज के पीछे-पीछे छिंदवाड़ा से सांसद विवेक साहू बंटी 1 जून से पदयात्रा निकालने की तैयारी कर चुके हैं। भोपाल सांसद आलोक शर्मा भी इसी कतार में है और जून के पहले हफ्ते में मोदी सरकार की उपलब्धियों का पिटारा लिए पदयात्रा पर निकलेंगे।

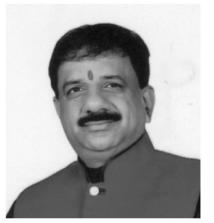

सबसे पहले शिवराज ने संभाला मोर्चा

भाजपा ने पूरे देश में मोदी 3.0 सरकार की उपलब्धियों को जनता तक पहुंचाने का जो प्लान बनाया है उसका देश में सबसे पहले अमल मप्र में हुआ, जहां केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अपनी सीट पर पदयात्रा शुरू कर दी। जब देशभर में मोदी 3.0 सरकार के एक वर्ष के कार्यकाल के कार्यक्रम पार्टी की ओर से प्रसारित किए जा रहे हैं, तब तक शिवराज सिंह चौहान हफ्ते में दो दिन पदयात्रा के प्लान के मुताबिक करीब 40 किलोमीटर की यात्रा पूरी कर चुके हैं। वहीं, शिवराज की पदयात्रा को लेकर कांग्रेस ने आरोप लगाया उनसे मप्र का मोह नहीं छूट पा रहा है। कांग्रेस की प्रदेश प्रवक्ता संगीता शर्मा कहती हैं यही वजह है कि 6 बार के सांसद और 4 बार के मुख्यमंत्री अपनी उस सीट में पदयात्रा कर रहे हैं, जहां वह अपने चुनाव प्रचार के दौरान भी नहीं जाते थे।

बंटी साहू की 72 घंटे की पदयात्रा

छिंदवाड़ा सीट पर कमल खिलाने के बाद चर्चा में आए सांसद विवेक साहू बंटी ने भी पदयात्रा का कार्यक्रम तैयार कर लिया है। इसे नाम दिया है मेरा गांव मेरा सांसद अभियान। 72 घंटे की पदयात्रा का प्लान बंटी साहू ने तैयार किया है। एक जून से बंटी साहू की अपनी लोकसभा सीट छिंदवाड़ा में ये पदयात्रा शुरू होगी। इन 3 दिन में सांसद का पूरा फोकस गांवों पर रहेगा। गांव-गांव पहुंचकर विवेक बंटी साहू मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल के एक वर्ष पूरा होने की उपलब्धियां गिनाएंगे। विवेक साहू बंटी का कहना है उनकी इस पदयात्रा एकमात्र उद्देश्य मोदी सरकार की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाना है।

आलोक शर्मा भी पीछे नहीं

भोपाल के सांसद आलोक शर्मा भी जून के पहले हफ्ते में ही पदयात्रा करेंगे। लेकिन प्लान ये है कि एक जून भोपाल के विलीनीकरण के दिन से यात्रा शुरू की जाए। हालांकि अभी तारीख निश्चित नहीं हुई है। सांसद आलोक शर्मा ने कहा कि ये मप्र का सौभाग्य है कि जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के तीसरे कार्यकाल का पहला साल पूरा हो रहा है तो उसके ठीक पहले वे मप्र के दौरे पर आ रहे हैं। आज मप्र ही नहीं देश के हर हिस्से में मोदी सरकार की योजनाओं की बदौलत तस्वीर बदली है। मैं अपनी लोकसभा सीट पर पदयात्रा शुरू करूंगा और जनता के बीच पहुंच कर संवाद करूंगा।

मोदी सरकार 3.0 पर भाजपा का मेगा प्लान

भाजपा ऑपरेशन सिंदूर के साथ मोदी सरकार 3.0 के पहले कार्यकाल की वर्षगांठ के मौके पर पूरे देश में लहर खड़ी करने की तैयारी में है। इसके लिए पूरे देश में अभियान चलाया जाएगा। जिसका सबसे महत्वपूर्ण फीचर हैं सांसद और केन्द्रीय मंत्रियों की पदयात्राएं और जनसंपर्क। पूरे एक महीने मोदी सरकार की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाई जाएंगी। टारगेट दिया गया है कि पार्टी के सांसद के साथ केन्द्रीय मंत्री हर दिन अपनी अपनी लोकसभा सीट में 15 से 20 किलोमीटर की पैदल चलेंगे। जानकारों के मुताबिक संगठन के स्तर पर पार्टी की प्लानिंग कई सारे पहलूओं को देखते हुए होती है। सांसदों और केन्द्रीय मंत्रियों का जनता के बीच पदयात्रा करके पहुंचना भी पार्टी का बड़ा संदेश है। मोदी खुद को प्रधानसेवक कहते हैं और इन पदयात्राओं के पीछे भी यही सोच है कि सेवक की तरह सांसद अपनी जनता के बीच में पहुंचें।

'आंबेडकर' बनेंगे भीम आर्मी-आजाद पार्टी के लिए संजीवनी

- ग्वालियर-चंबल में फिर जड़ें जमाने का प्रयास

भोपाल। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की ग्वालियर खंडपीठ परिसर में डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा स्थापना के विवाद को लेकर भीम आर्मी और आजाद पार्टी जैसे संगठन ग्वालियर-चंबल अंचल में अपनी जड़ें जमाने के प्रयास में हैं।

2018 में एट्रोसिटी एक्ट के नाम पर हुए जातीय संघर्ष के करीब सात वर्ष बाद अंचल में फिर तनावपूर्ण माहौल है। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष जीतू पटवारी द्वारा प्रतिमा स्थापना के समर्थन में बयान देकर प्रदेश की राजनीति को गर्माने का प्रयास किया गया है।

जातिगत राजनीति का आश्रय

उप्र की सीमा से सटे होने के कारण अंचल में जातिगत राजनीति को आश्रय अवश्य मिलता रहा है, लेकिन यहां के मतदाताओं ने इन दलों को कभी अपने वोट की ताकत देकर सत्ता तक नहीं पहुंचाया है। आंबेडकर के नाम पर ग्वालियर-अंचल में राजनीति नई बात नहीं है। इससे पहले भी बाबा साहेब के नाम पर राजनीतिक विवादों ने तूल पकड़ा है। पहली बार जातिगत राजनीति का केंद्र उच्च न्यायालय परिसर बना है। प्रशासन का भी मानना है कि उच्च न्यायालय में संविधान निर्माता बाबा साहेब की प्रतिमा लगाने का मामला न्यायालय परिसर का आंतरिक मामला है।

मामले को तूल देने की कोशिश

पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुरेश कैत के साथ बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों की बैठक भी हो चुकी है। विवाद की स्थिति को देखते हुए उच्च न्यायालय में परिसर में डॉ. आंबेडकर की प्रतिमा लगाने के मामले को स्थगित कर दिया गया है, लेकिन भीम आर्मी व आजाद समाज पार्टी इस मामले को तूल देने का प्रयास रही है। दोनों ही दलों ने 16 जून को ग्वालियर में डॉ. आंबेडकर के नाम पर महापंचायत करने का एलान किया है। भीम आर्मी के प्रदेश अध्यक्ष सुनील बरेसिया और आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव रविंद्र भाटी सक्रिय हैं। सोशल मीडिया पर सक्रिय वामपंथी विचारधारा से प्रभावित लोग भी भडक़ाऊ वीडियो व पोस्ट वायरल कर रहे हैं।

एक करोड़ की कृषि भूमि पर 50 पैसा टैक्स

भोपाल। मध्य प्रदेश में कृषि भूमि मालिकों को शायद इस बात की जानकारी नहीं है कि उनसे हर साल भू-राजस्व वसूला जाता है। आमतौर अगर ये टैक्स किसान जमा नहीं करते लेकिन इसका बकाया उन पर चढ़ता जाता है। क्योंकि ये टैक्स इतना मामूली है कि सुनकर यकीन करना मुश्किल है। ये टैक्स अंग्रेज शासनकाल से चला आ रहा है। इसे न तो खत्म किया गया है और न ही बढ़ाया गया है। नियम के अनुसार हर बीघा पर भू-राजस्व (टैक्स) सालाना 50 पैसे लेकर 10 रुपये तक है। फिर चाहे इस जमीन की कीमत कितनी ही क्यों न हो। आमतौर पर जब जमीन का नामांतरण होता है या फिर खरीद-फरोख्त होती है, तभी इस टैक्स को भरा जाता है। यानी अगर एक बीघा जमीन की कीमत अगर 1 करोड़ रुपये है तो इस पर भू-राजस्व 50 पैसे लेकर 10 रुपये तक है।

भू-राजस्व कर 96 साल से जस का तस

मध्य प्रदेश में कृषि भूमि पर लिए जाने वाला भू-राजस्व 96 साल से जस का तस है। न इसे बढ़ाया गया और न कम किया गया। आज से दशकों साल पहले ये टैक्स किसानों को भारी पड़ता था लेकिन अब ये न के बराबर है। उस समय भू-लगान के डर से बड़े जमींदार या भू-स्वामी अपनी जमीन सरकार को सुपुर्द कर देते थे या फिर दान कर देते थे। जब ये राशि बहुत ज्यादा मानी जाती थी, तब भू-लगान वसूलने के लिए राजस्व विभाग ने हरेक गांव में वसूली पटेल की नियुक्ति की थी। ये वसूली पटेल कलेक्शन कर पटवारी के पास राशि जमा करवाता था। इसमें उसे कमीशन मिलता था। लेकिन अब ये राशि इतनी कम है कि न तो वसूली पटेल को रुचि रही और न ही राजस्व विभाग को।

भू-लगान का पूरा इतिहास समझिए

भू-लगान की व्यवस्था ब्रिटिश काल से ही चली आ रही है। ब्रिटिश राज में 1793 में लॉर्ड कॉर्नलविस ने पहली बार जमीदारों को जमीन का मालिकाना हक देते हुए उनसे भू राजस्व की वसूली शुरू की। जमीदार किसानों से राजस्व वसूल कर कुछ हिस्सा अपने पास रख कर ब्रिटिश सरकार को देते थे, जिसे स्थाई बंदोबस्त व्यवस्था कहा गया। अलग-अलग समय में इस व्यवस्था में परिवर्तन किए गए। इसके बाद 1929-30 में मिसल बंदोबस्त को अपनाया गया, जो ब्रिटिश कालीन भारत की संपूर्ण राजस्व भूमि का रिकॉर्ड था। इस काल में निर्धारित किए गए भू-लगान को आज भी आजाद भारत में जारी रखा गया है। हालांकि आजाद भारत में 1956 के राजस्व रिकॉर्ड और बंदोबस्त लागू हैं।

बहुत पहले की बात है। बड़े जमीदारों और राजाओं ने भू-लगान नहीं भर पाने के कारण जमीन सरकार के हवाले कर दी थी। रतलाम, सैलाना और सेमलिया राजपरिवार से संबंधित महाराज अजय सिंह बताते हैं आज जमीनों के दाम करोड़ों में पहुंच गए हैं। अब जमीन से उत्पादन एवं कमाई भी अच्छी होने लगी है। लेकिन भू-लगान आज भी पैसे में ही बना हुआ है। लेकिन तब हालात ऐसे नहीं थे। देश आजाद होने के बाद भी भू राजस्व व्यवस्था अंग्रेजकालीन ही चल रही थी। तब एक बीघा जमीन का यही कुछ पैसे का भू-राजस्व बड़ा महंगा पड़ता था। जमींदार और राज परिवारों के पास हजारों बीघा जमीन थी, जिसका राजस्व भरने वह सक्षम नहीं थे। इसलिए या तो जमीन को सरकार को सुपुर्द कर दी गई या उन्हें अन्य लोगों को दान कर दी गई।

अभी भू-लगान ऑनलाइन भरने की व्यवस्था है

रतलाम के तहसीलदार ऋषभ ठाकुर बताते हैं भू-राजस्व संहिता में भू-राजस्व लेने की प्रक्रिया स्पष्ट है। इसके अनुसार भू-स्वामी को उसे जमीन का मालिकाना हक है, जिसके एवज में उन्हें भू-लगान यानि भू-राजस्व शासन को जमा करवाना है। अंतत- यह समस्त भूमि सरकार की ही है। अंग्रेज काल में यह राजस्व अवश्य महंगा लगता होगा लेकिन आज के दौर में यह बेहद नॉमिनल है। किसान ऑनलाइन माध्यम से भी यह राजस्व शासन को जमा करवा सकते हैं।

नौ साल बाद खुलेगी पदोन्नति की राह

-मानसून सत्र में पेश हो सकता है प्रस्ताव

भोपाल। मप्र सरकार पदोन्नति में आरक्षण की नौ साल पुरानी अड़चन खत्म करने का प्रयास कर रही है। नए नियमों का प्रारूप तैयार किया गया है। मुख्यमंत्री कर्मचारी संगठनों से इस पर बातचीत करेंगे। मानसून सत्र में प्रस्ताव पेश किए जाने की उम्मीद है। प्रदेश में नौ साल से रुकी पदोन्नति प्रक्रिया फिर से शुरू करने के लिए सरकार सक्रिय है। मुख्य सचिव अनुराग जैन की देखरेख में नए लोक सेवा पदोन्नति नियम बनाए गए हैं। इस पर चर्चा के लिए गुरुवार को सामान्य प्रशासन विभाग ने प्रमुख कर्मचारी संगठन अजाक्स और सपाक्स के प्रतिनिधियों को बुलाया। मुख्य सचिव अनुराग जैन की अध्यक्षता में दोनों संगठनों के साथ अलग-अलग बैठक हुई। सरकार के प्रस्ताव पर अजाक्स, पदोन्नति की प्रक्रिया पर सहमत हो गया है। जबकि सपाक्स को कुछ बिंदुओं पर आपत्ति है। इन पर अगली समन्वय बैठक में चर्चा होगी। बैठक में सामान्य प्रशासन विभाग के अपर मुख्य सचिव संजय दुबे समेत अन्य अधिकारी मौजूद थे। मंत्रालय में मुख्य सचिव ने पहले अजाक्स प्रतिनिधियों से चर्चा की।

मप्र में सरकारी कर्मचारियों की पदोन्नति को लेकर वर्षों से चला आ रहा आरक्षण विवाद अब हल की ओर बढ़ता दिख रहा है। मई 2016 से यह मुद्दा लंबित है, जब राज्य सरकार ने पदोन्नति से जुड़े आरक्षण नियम निरस्त किए थे। तब से अब तक न तो स्पष्ट नीति बनी, न ही न्यायिक गतिरोध पूरी तरह सुलझा। नए प्रस्ताव को लेकर सपाक्स और अजाक्स जैसे संगठनों ने भी सामान्य प्रशासन विभाग को अपनी राय दी है। सुप्रीम कोर्ट की नागराज कमेटी की तीनों शर्तों प्रतिनिधित्व, योग्यता और पिछड़ापन का पालन भी प्रस्ताव में किया गया है। इस मसले पर अनारक्षित (सामान्य) और आरक्षित (एससी-एसटी) वर्गों की राय भिन्न है। सामान्य वर्ग का मानना है कि आरक्षण के कारण उनके अधिकार प्रभावित हो रहे हैं। वे चाहते हैं कि पदोन्नति में योग्यता सह वरिष्ठता का सिद्धांत लागू हो और आरक्षित पदों की संख्या को सीमित रखा जाए। वहीं आरक्षित वर्ग के कर्मचारी संविधान में दिए गए आरक्षण के प्रावधानों का पूरी तरह पालन किए जाने की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि आरक्षण के साथ-साथ योग्यता सह वरिष्ठता का संतुलन बना रहना चाहिए। वे यह भी चाहते हैं कि पहले अनारक्षित पदों पर पदोन्नति की जाए और उसके बाद आरक्षित पदों को भरा जाए।

कर्मचारियों से संवाद की तैयारी

सीएम मोहन यादव ने इस जटिल मुद्दे को संवेदनशीलता से लेते हुए अव सभी प्रमुख कर्मचारी संगठनों के साथ बैठक करने का फैसला किया है। उनका उद्देश्य एक सर्वमान्य प्रारूप पर आग सहमति बनाना है, जिससे कि बाद में कोई कानूनी अड़चन न खड़ी हो और सभी पक्षों को संतुष्ट किया जा सके। अब मुख्यमंत्री मोहन यादव के नेतृत्व में सरकार इस मसले को स्थायी समाधान देने की ओर अग्रसर है। कर्मचाटी संगठनों से सवाद, सर्वमान्य नीति और विधानसभा में प्रस्ताव रखने की प्रक्रिया यह संकेत देती है कि राज्य सरकार इस विवाद को समास कर एक नई और पारदर्शी प्रणाली लागू करना चाहती है। नई पदोन्नति नीति का मसौदा मुख्य सचिव अनुराग जैन की निगरानी में तैयार किया गया है। इसमें न्यायिक दिशा-निर्देशों, पूर्व के अनुभवों और कर्मचारियों के हितों को ध्यान में रखते हुए संतुलन बनाने की कोशिश की गई है। प्रारूप को मानसून सत्र में विधानसभा में प्रस्तुत किया जा सकता है। 2016 से अब तक प्रदेश के एक लाख से अधिक अधिकारी और कर्मचारी विना प्रमोशन के ही सेवानिवृत्त हो चुके है। इस दौरान अस्थायी समाधान के रूप में उच्च पद का प्रभार देने की व्यवस्था की गई थी, लेकिन यह नीति सीमित दायरे में ही लागू हो पाई, जिससे व्यापक असंतोष पैदा हुआ। तत्कालीन शिवराज सरकार ने पदोन्नति विवाद का समाधान निकालने के लिए प्रयास जरूर किए थे। लेकिन नियमों के स्पष्ट अभाव और न्यायिक स्थगन के कारण सभी प्रयास निष्प्रभावी रहे। कई विभागों में कर्मचारियों को प्रमोशन की पात्रता होने के बावजूद अवसर नहीं मिला, जिससे शासन व्यवस्था भी प्रभावित हुडी

अजाक्स की सहमति, सपाक्स की आपत्ति

शासन की ओर से कहा गया कि न्यायालय से पदोन्नति का समाधान निकलने में लंबा समय लग सकता है। इससे बेहतर है कि न्यायालय के आदेश के परिपालन में आपसी समन्वय से पदोन्नति का समाधान निकाल लिया जाए। मुख्य सचिव ने दोनों संगठनों के पदाधिकारियों को पदोन्नति प्रारूप से अवगत कराया। साथ ही उनके सुझाव लिए। अजाक्स ने पदोन्नति प्रस्ताव पर सहमति दे दी है। जबकि सपाक्स ने 3 बिंदुओं पर आपत्ति ली है। इनमें क्रीमीलेयर को पदोन्नति में आरक्षण, अनारक्षित के पद पर आरक्षित को पदोन्नति समेत एक अन्य बिंदु शामिल है। दोनों पक्षों से चर्चा के बाद मुख्य सचिव ने अपर मुख्य सचिव संजय दुबे को अगले एक हफ्ते के भीतर दोनों पक्षों को बुलाकर समन्वय बैठक करने के लिए अधिकृत किया है। सरकार के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पदोन्नति को लेकर दोनों पक्षों के बीच सहमति लगभग बन गई है। अगले एक हफ्ते के भीतर पदोन्नति प्रस्ताव की स्थिति को मुख्यमंत्री के समक्ष रखा जाएगा। इसके बाद पदोन्नति का प्रारूप तैयार कर जून में कैबिनेट में लाया जा सकता है।

कर्मचारियों को मिलेगा डबल प्रमोशन

जिन कर्मचारियों और अधिकारियों को पदोन्नति मिले 8 साल से अधिक का समय बीत चुका है, या फिर जिन्होंने साल 2014-15 के बाद ज्वाइन किया और उनकी समयावधि 8 साल पूरी हो चुकी है। ऐसे कर्मचारियों-अधिकारियों को सरकार डबल प्रमोशन का लाभ देगी। हालांकि मुख्यमंत्री ने साफ तौर पर कहा है कि कर्मचारियों को डबल प्रमोशन का लाभ तो मिलेगा, लेकिन एक साथ नहीं। सरकार की मंशा है कि इस वर्ष एक प्रमोशन देने के बाद दूसरा प्रमोशन उनको अगले वर्ष दिया जाए। जिससे कर्मचारियों की कमी न हो। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को सामान्य प्रशासन विभाग के अधिकारियों द्वारा प्रस्तावित नए पदोन्नति नियमों की जानकारी दी जा चुकी है। इसके बाद मुख्यमंत्री ने तय किया है कि वे सपाक्स, अजाक्स समेत अन्य प्रमुख कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधियों से सीधा संवाद करेंगे। इसका उद्देश्य एक ऐसा समाधान निकालना है, जिससे सभी पक्ष संतुष्ट हों और मामला दोबारा अदालत में न जाए।

- कांग्रेस की जय हिंद सभा में कमलनाथ बोले-

मप्र बन गया है झूठ की राजधानी

भोपाल। मध्यप्रदेश में शनिवार को दो बड़े आयोजन हुए। राजधानी भोपाल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नारी शक्ति महासम्मेलन को संबोधित किया, तो दूसरी ओर जबलपुर में कांग्रेस की जय हिंद सभा आयोजित की गई, जिसमें केंद्र की सैन्य और विदेश नीतियों पर सवाल खड़े किए गए। जबलपुर में आयोजित जय हिंद सभा में पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ, दिग्विजय सिंह, छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम भूपेश बघेल, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, राज्यसभा सांसद विवेक तन्खा और सज्जन सिंह वर्मा सहित कई नेता मौजूद रहें।कार्यक्रम की शुरुआत से पहले भूपेश बघेल और जीतू पटवारी ने शौर्य स्मारक पहुंचकर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। वहीं, दिग्विजय सिंह ने मंच से दूरी बनाते हुए आमजनों के

बीच बैठकर सभा में हिस्सा लिया।

पूर्व मंत्री और विधायक लखन घनघोरिया ने पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह से मंच पर चलने का आग्रह किया, लेकिन दिग्विजय सिंह ने वहीं वरिष्ठ नागरिकों के बीच बैठना पसंद किया। बता दें ग्वालियर के एक कार्यक्रम में पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह को मंच पर जगह नहीं मिली थी, तब उन्होंने सार्वजनिक रूप से ऐलान किया था कि अब वे किसी भी मंच पर नहीं बैठेंगे।

सेना देश की है, किसी पार्टी की नहीं- भूपेश बघेल

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने शौर्य स्मारक कार्यक्रम के दौरान केंद्र सरकार पर तीखे सवाल दागे। उन्होंने कहा कि सेना किसी एक पार्टी की नहीं, बल्कि पूरे देश की होती है। उनके पराक्रम पर कोई सवाल नहीं है, सवाल सरकार की मंशा और फैसलों की पारदर्शिता पर है। उन्होंने आरोप लगाया कि पहलगाम में मारे गए चार आतंकियों की अब तक पहचान सरकार क्यों नहीं कर पाई? आखिर ऐसी क्या मजबूरी है कि 56 इंच का सीना दिखाने वाले अब अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के दबाव में काम कर रहे हैं? भूपेश बघेल ने केंद्र से सवाल किया कि सीजफायर की शर्तें स्पष्ट रूप से सार्वजनिक क्यों नहीं की गईं? उन्होंने पूछा, क्या अमेरिकी राष्ट्रपति के कहने पर भारत ने सीजफायर घोषित किया? उन्होंने शिमला समझौते का हवाला देते हुए कहा कि उसमें स्पष्ट लिखा है कि भारत और पाकिस्तान के बीच के मुद्दों में कोई तीसरा पक्ष दखल नहीं देगा। बघेल ने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का उदाहरण देते हुए कहा कि उन्होंने पाकिस्तान से लडक़र बांग्लादेश बनवाया था। आज देश की स्थिति क्या है, यह पूरे देश के सामने है।

पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने कार्यक्रम में कहा कि इतनी बड़ी संख्या में आप लोग आए हैं, ये साबित करता है कि आपको सेना पर गर्व है। जबलपुर का गौरव है कि यहां गोली और बारूद बनती है। उन्होंने कहा कि मैंने 1971 का बांग्लादेश युद्ध देखा है।

विधानसभा में सत्र के दौरान दिखेगा ड्रेस कोड

वेल ऑफ द हाउस में बैठने वाले अधिकारी-कर्मचारी एक कलर के यूनिफार्म में रहेंगे

भोपाल। विधानसभा सत्र के दौरान अब विधानसभा के अधिकारी कर्मचारी ड्रेसकोड में सदन के भीतर बैठेंगे। इसका कलर कैसा होगा, अभी यह तय किया जाना बाकी है, लेकिन विधानसभा सचिवालय ने 37 पुरुष और 5 महिला अधिकारी, कर्मचारियों के लिए ड्रेस कोड लागू करने का फैसला किया है। सदन में वेल ऑफ द हाउस में बैठने वाले 37 पुरुषों को शर्ट-पैंट और महिलाओं को एक ही तरह की साड़ी, ब्लाउज दिए जाएंगे। इसके साथ ही इन सभी 42 अधिकारी कर्मचारी को समर जैकेट और बंद गले का कोट भी तैयार कराकर दिया जाएगा।

विधानसभा के सदन में वेल ऑफ द हाउस में बैठने वाले अधिकारियों, कर्मचारियों के लिए रेमंड्स की यूनिफॉर्म और साड़ी खरीदने के लिए नियम बनाए हैं। इसमें अधिकारियों और कर्मचारियों के ड्रेस कोड का जो कपड़ा लिया जाएगा और उसकी सिलाई पर जो खर्च आएगा उसका पूरा खर्च विधानसभा उठाएगी। विधानसभा सचिवालय ने कहा है कि इसके लिए जिस कम्पनी को ठेका दिया जाएगा उसके टेलर कर्मचारियों और अधिकारियों के यूनिफॉर्म की नाप लेने विधानसभा पहुंचकर नाप लेंगे। यूनिफॉर्म की नाप लेने के बाद 21 दिन में यूनिफॉर्म बनाकर देना होगी। ऐसा नहीं किया तो अमानत राशि राजसात की जा सकेगी। इसके लिए 10 जून को दोपहर तक टेंडर ऑफर बुलाए गए हैं। इसी दिन टेंडर डालने वालों की मौजूदगी में टेंडर खोले जाएंगे।

अधिकारी और कर्मचारियों को मिलेंगे दो यूनिफॉर्म

विधानसभा सचिवालय द्वारा जारी निर्देश में कहा गया है कि यूनिफॉर्म के लिए जो व्यवस्था तय हुई है उसमें एक कर्मचारी अधिकारी दो यूनिफॉर्म दी जाएगी। इसके साथ ही इन्हें एक समर जैकेट, बंद गले का कोट भी सिलवाकर सचिवालय द्वारा दिया जाएगा। इसके अलावा 5 महिला अधिकारियों के लिए एक जोड़ा साड़ी ब्लाउज, बंद गले का कोट और समय जैकेट बनाकर दिया जाएगा।

आज निर्धारित होगा कौन भिड़ेगा आरसीबी के साथ फायनल में

नई दिल्ली। आईपीएल 2025 के दूसरे क्वालीफायर में पंजाब किंग्स और मुंबई इंडियंस के बीच आज रविवार, 1 जून को जोरदार मुकाबला होने वाला है। पंजाब किंग्स, जो पहली बार आईपीएल का खिताब जीतने की कोशिश कर रही है, को पहले क्वालीफायर में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ मिली करारी हार से झटका लगा था, जिससे टीम का आत्मविश्वास जरूर प्रभावित हुआ होगा। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में पंजाब के लिए यह मुकाबला किसी सेमीफाइनल से कम नहीं होगा, क्योंकि टीम को मुंबई इंडियंस जैसी अनुभवी टीम से टक्कर देनी है। गेंदबाजी विभाग में प्रमुख खिलाड़ियों के बाहर होने से टीम को अतिरिक्त दबाव झेलना पड़ रहा है, खासकर तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह पर जिम्मेदारी बढ़ गई है। मार्को यानसन और युजवेंद्र चहल की अनुपस्थिति पंजाब की गेंदबाजी को कमजोर कर चुकी है, और अब बल्लेबाजों को बढ़िया प्रदर्शन कर इस कमी की भरपाई करनी होगी। पिछले मैच में पंजाब का बल्लेबाजी विभाग खासा प्रभावित नजर आया था,

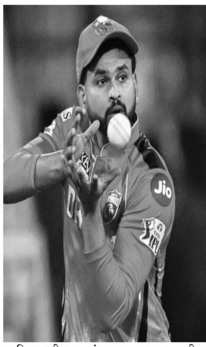

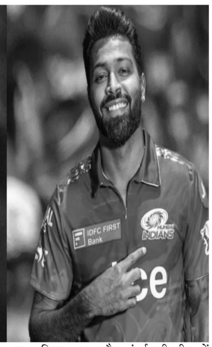

इसलिए टीम प्रबंधन इस बार पूरी सतर्कता से रणनीति बनाएगा।

मुंबई इंडियंस ने एलिमिनेटर मैच में मजबूत दावेदार गुजरात टाइटंस को हराकर अपने छठे खिताब की ओर एक बड़ा कदम बढ़ाया है। इस जीत से मुंबई के खिलाड़ियों का आत्मविश्वास बढ़ा है। मुंबई की टीम में नॉकआउट मुकाबलों का अच्छा अनुभव है, जो ऐसे दबाव वाले मैचों में काम आता है। कोच माहेला जयवर्धने ने टीम को अच्छी तरह से संगठित किया है और उन्होंने पिछले सीजन में मुंबई को प्लेऑफ में पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई थी। मुंबई इंडियंस की टीम में रोहित शर्मा ने हाल ही में शानदार बल्लेबाजी की है और वह अपनी लय में लौट आए हैं, जो पंजाब के गेंदबाजों के लिए चिंता का विषय है। इसके अलावा जसप्रीत बुमराह, सूर्यकुमार यादव, तिलक वर्मा और हार्दिक पांड्या जैसे खिलाड़ी भी टीम की सफलता के लिए महत्वपूर्ण हैं। नरेंद्र मोदी स्टेडियम की पिच बल्लेबाजों के लिए अनुकूल मानी जाती है, जहां बड़े स्कोर बनना आम है। इस वजह से मैच का परिणाम काफी हद तक गेंदबाजों के प्रदर्शन पर निर्भर करेगा। दोनों टीमों के लिए यह मुकाबला बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि विजेता सीधे फाइनल में पहुंचेगा। पंजाब किंग्स को अपनी पिछली हार से सबक लेकर संयम और ऊर्जा के साथ खेलना होगा, जबकि मुंबई इंडियंस अपनी मजबूत टीम और अनुभव का फायदा उठाना चाहेगी। यह मुकाबला दर्शकों के लिए रोमांचक साबित होगा और आईपीएल के इस सीजन के लिए एक निर्णायक मोड़ साबित होगा।

टीम इस प्रकार हैं :-

मुंबई इंडियंस- हार्दिक पांड्या (कप्तान), सूर्यकुमार यादव, रोहित शर्मा, तिलक वर्मा, बेवोन जैकब्स, रॉबिन मिंज (विकेटकीपर), कृष्णन श्रीजीत (विकेटकीपर), नमन धीर, राज बावा, मिशेल सेंटनर, जसप्रीत बुमराह, अर्जुन तेंदुलकर, अश्विनी कुमार, रीस टॉपले, कर्ण शर्मा, ट्रेंट बोल्ट, दीपक चाहर, सत्यनारायण राजू, मुजीब उर रहमान, रघु शर्मा, जॉनी बेयरस्टो (विकेटकीपर), रिचर्ड ग्लीसन, चैरिथ असलंका।

पंजाब किंग्स- श्रेयस अय्यर (कप्तान), नेहल वढेरा, विष्णु विनोद (विकेटकीपर), जोश इंग्लिस (विकेटकीपर), हरनूर पन्नू, पाइला अविनाश, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), शशांक सिंह, मार्कस स्टोइनिस, हरप्रीत बराड़, अजमतुल्लाह उमरजई, प्रियांश आर्य, आरोन हार्डी, मुशीर खान, सूर्यांश शेडगे, मिच ओवेन, अर्शदीप सिंह, युजवेंद्र चहल, विशाल विजयकुमार, यश ठाकुर, कुलदीप सेन, जेवियर बार्टलेट, प्रवीण दुबे, काइल जैमीसन।

अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम की पिच किस टीम का देगी साथ

बल्लेबाजी और लक्ष्य का पीछा करने वाली टीमों ने 21-21 मैच जीते

नई दिल्ली। आईपीएल 2025 का अब समापन होने जा रहा है और अहमदाबाद का नरेंद्र मोदी स्टेडियम इसका गवाह बनेगा। शुक्रवार को मुंबई इंडियंस ने क्वालीफायर-2 में प्रवेश कर लिया है। इससे पहले रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने पंजाब को हराकर सीधे फाइनल में जगह बना ली है। अब 1 जून को क्वालीफायर-2 में मुंबई इंडियंस और पंजाब किंग्स का मुकाबला होगा और जो टीम यह मुकाबला जीतेगी, वह 3 जून को फाइनल में आरसीबी से खिताबी मुकाबल करेगी। अहमदाबाद स्थित नरेंद्र मोदी स्टेडियम में अब तक आईपीएल के 42 मैच खेले गए हैं, जिनमें से पहले बल्लेबाजी और लक्ष्य का पीछा करते हुए टीमों ने समान 21-21 मैच जीते हैं। हालांकि आईपीएल 2025 में ट्रेंड में बदलाव दिखा। इस सीजन में यहां खेले गए 7 मुकाबलों में से 6 बार पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम जीती है, जबकि केवल एक बार लक्ष्य का पीछा कर टीम को जीत मिली है। पिच का मिजाज इस सीजन में बल्लेबाजों के हिसाब का रहा है, खासकर शुरुआती ओवरों में तेज गेंदबाजों को सीम मूवमेंट तो मिला, लेकिन बल्लेबाजों ने स्ट्रोक खेलने में ज्यादा सहजता दिखाई। बीच के ओवरों में स्पिनरों ने जरूर प्रभाव डाला, लेकिन 200 रन से ज्यादा स्कोर 7 मैचों में 9 बार बना है, जो साफ संकेत देता है कि यह हाई-स्कोरिंग वेन्यू रहा है। इस मैदान का हाईएस्ट स्कोर 243/5 और लोएस्ट 89 रन रहा है। वहीं, सफल रन चेज का रिकॉर्ड 204/3 का है। प्रति ओवर औसतन 8.93 रन बने हैं और प्रति विकेट 28.73 रन का औसत रहा है। ऐसे में मुंबई और पंजाब दोनों के सामने रणनीति साफ है टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करना फायदे का सौदा होगा। अब देखना यह है कि कौन सी टीम इस पिच का सही आकलन कर जीत हासिल करती है।

मुंबई और गुजरात मैच में साईं सुदर्शन ने बनाए 80 रन, टॉप-5 में खिलाड़ियों में शामिल

नई दिल्ली। मुंबई इंडियंस और गुजरात टाइंटस के बीच शुक्रवार को चंडीगढ़ में एलिमिनेटर मैच खेला गया, जिसमें मुंबई ने 20 रन से जीत हासिल की। इसके साथ मुंबई ने क्वालीफायर-2 में अपनी जगह बना ली है। फाइनल मैच में पेश करने के लिए मुंबई 1 जून यानी रविवार को अहमदाबाद में पंजाब किंग्स से भिड़ेगी। गुजरात टाइंटस भले ही ये नॉकआउट मैच नहीं जीत सकी, लेकिन उसके सलामी बल्लेबाज साईं सुदर्शन ने दमदार पारी खेलते हुए अपनी चमक बिखेरी।

साईं सुदर्शन ने 49 बॉल में 1 छक्के और 10 चौकों की मदद से 80 रन बनाए जिसके साथ वह किसी एक आईपीएल सीजन सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में पांचवें स्थान पर आ गए हैं। सुदर्शन आईपीएल-2025 में अब तक 15 मुकाबले खेल चुके हैं, जिसमें उन्होंने 54.21 की औसत के साथ 759 रन बनाए हैं। इस दौरान साईं सुदर्शन 1 शतक और 6 अर्धशतक जड़ चुके हैं।

आईपीएल के किसी एक सीजन में सर्वाधिक रन बनाने का रिकॉर्ड विराट कोहली के नाम दर्ज है, जिन्होंने साल 2016 में कुल 16 मैच खेलते हुए 973 रन बनाए थे। उस सीजन में कोहली ने चार शतक और 7 अर्धशतक लगाए थे। इस सूची में शुभमन गिल दूसरे नंबर पर हैं, जिन्होंने साल 2023 में 890 रन जुटाए थे, जबकि जोस बटलर ने 2022 में 863 रन के साथ तीसरे स्थान पर हैं। डेविड वॉर्नर इस मामले मे 848 रन के साथ चौथे नंबर पर हैं।

शुक्रवार को खेले गए एलिमिनेटर मुकाबले में मुंबई इंडियंस ने 5 विकेट खोकर 228 रन बनाए थे। इस दौरान रोहित शर्मा ने 81 रन की पारी खेली, जबकि जॉनी बेयरस्टो ने 47 रन का योगदान दिया। गुजरात टीम की ओर से प्रसिद्ध कृष्णा और साईं किशोर को 2-2 विकेट मिले। इसके जवाब में गुजरात की टीम निर्धारित 20 ओवरों में 208/6 से आगे नहीं बढ़ सकी। टीम के लिए साईं सुदर्शन ने 80 रन की शानदार पारी खेली, जबकि वॉशिंगटन सुंदर ने 48 रन बनाए, लेकिन टीम जीत हासिल नहीं कर सकी। मुंबई के लिए ट्रेंट बोल्ट ने सर्वाधिक 2 विकेट लिए। आईपीएल-2025 का खिताबी मुकाबला 3 जून को अहमदाबाद में खेला जाना है, जिसमें आरसीबी पहले ही अपनी जगह बना चुकी है।

गुजरात की हार में विलेन बने मेंडिस, कई गलतियों से टीम टूर्नामेंट से हुई बाहर

मुल्लांपुर। आईपीएल 2025 में पॉइंट टेबल पर नंबर वन पर रहने वाली गुजरात टाइटंस का सफर थम गया। मुंबई इंडियंस ने 20 रन से हराकर गुजरात टाइटंस को इस नंबर से बाहर कर दिया। आईपीएल 2025 के इस मुकाबले में कांटे की टक्कर देखने को मिली और अगर गुजरात टाइटंस के डेब्यूटेंट ने गलतियां न की होती तो शायद नतीजा कुछ और होता। शुभमन गिल ने जिस खिलाड़ी को जॉस बटलर की जगह डेब्यू कराया, वह टीम की हार का बड़ा कारण बना। कुसल मेंडिस ने मैच में ना सिर्फ दो आसान कैच छोड़े बल्कि आउट भी बड़े अजीबोगरीब तरीके से हुए। आईपीएल 2025 में शुक्रवार को गुजरात टाइटंस और मुंबई इंडियंस के बीच एलिमिनेटर मुकाबला खेला गया। मुंबई ने पहले बैटिंग करते हुए 5 विकेट पर 228 रन बनाए। इसमें रोहित शर्मा ने 50 गेंद में 81 रन बनाए। रोहित को इस मैच में 2 जीवनदान मिले, जिसकी बदौलत हिटमैन आईपीएल इतिहास में मुंबई

के लिए प्लेऑफ में सबसे बड़ी पारी खेलने वाले बैटर बन गए। रोहित शर्मा का एक कैच कुसल मेंडिस ने छोड़ा, जब हिटमैन ने 12 रन बनाए थे तब मोहम्मद सिराज ने उन्हें तकरीबन आउट कर ही दिया था लेकिन उन्हें कुसल मेंडिस का साथ नहीं मिला। मैच के तीसरे ओवर में रोहित ने बड़ा शॉट खेलने की कोशिश की। गेंद बैट का किनारा लेकर विकेटकीपर कुसल मेंडिस के पास पहुंची लेकिन वे कैच के लिए तैयार ही नहीं थे। इस तरह एक विकेटकीपर के लिए जो आसान कैच हो सकता था उसे मेंडिस ने गवां दिया। यह रोहित का दूसरा कैच था जो छूटा था। कुसल मेंडिस ने दूसरा कैच 12वें ओवर में सूर्यकुमार यादव का छोड़ा। इस बार गेंदबाज थे गेराल्ड कोएत्जी, जिन्होंने रोहित का पहला कैच लपका। जब सूर्या का कैच छूटा तब वे 25 रन बनाकर खेल रहे थे। सूर्या तो इसके बाद ज्यादा रन नहीं बना सके और 33 के स्कोर पर चलते बने लेकिन रोहित ने ऐसी कोई गलती नहीं की और कैच छोड़ने वालों को सजा दी। दो कैच छोड़कर मुंबई इंडियंस को 200 के पार पहुंचने में मदद करने वाले कुसल मेंडिस के पास बैटिंग में इसकी भरपाई करने का मौका था। कुसल ने बैटिंग में अच्छी शुरुआत भी की। एक समय उन्होंने 9 गेंद में 20 रन बना लिए थे, लेकिन तभी मिचेल सैंटनर की एक गेंद को पुल करने की कोशिश में कुसल मेंडिस इतने पीछे रह गए कि उनका पैर स्टंप्स से जा टकराया। नतीजा तीनों स्टंप्स अपनी जगह से इधर-उधर हो गए और कुसल सिर झुकाए पैवेलियन लौट गए। बता दें यह कुसल मेंडिस का आईपीएल में पहला मैच था। 30 साल के कुसल मेंडिस श्रीलंका के स्टार्स बैटर्स में शुमार हैं। वे उन चुनिंदा बैटर्स में से एक हैं जो तीनों ही फॉर्मेट में खेलते हैं। बता दें कुसल मेंडिस ने श्रीलंका के लिए 143 वनडे, 71 टेस्ट और 78 टी20 इंटरनेशनल मैच खेले हैं।

जब लगे मैच पकड़ से बाहर जा रहा हैं, तब जस्सी को गेंदबाजी सौंप दो

मुंबई। मुंबई इंडियंस ने एलिमिनेटर में गुजरात टाइटंस को 20 रन से हराकर क्वालिफायर 2 में प्रवेश किया है। मैच जीतने के बाद मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या ने कहा कि एक समय मैच बराबर पर था, विकेट बल्लेबाजी के लिए अच्छी हो गई थी लेकिन हमें अपने नर्व्स पर कंट्रोल रखना था। हार्दिक ने कहा कि हर किसी ने अपना योगदान दिया। जसप्रीत बुमराह को गेंद देने का फ़ैसला करना बेहद आसान है, जब भी लगे कि मैच हाथ से बाहर हो रहा हैं, आप बुमराह को गेंद दे सकते हैं। यह महत्वपूर्ण था कि जस्सी आकर वह ओवर डाले ताकि अंतर लंबा हो जाए (18वां ओवर)।

महिला बन ओलंपिक में जीता गोल्ड, वर्ल्ड बॉक्सिंग ने लगाया बैन

नई दिल्ली। पेरिस ओलंपिक 2024 अल्जीरिया की बॉक्सर इमाने खलीफ की वजह से हमेशा याद किया जाएगा। उन्होंने महिला कैटेगरी में गोल्ड मेडल हासिल किया था जबकि वह पुरुष वाली ताकत रखते थे। ऐसा उनसे लड़ने वाली मुक्केबाज ने दावा किया था। बता दें इमाने खलीफ के जेंडर को लेकर विवाद हुआ था क्योंकि वह पुरुष हुआ करते थे और अपना जेंडर चेंज करवाया था। अब मुक्केबाजी संघ ने इस मामले में बड़ा फैसला लेते हुए जेंडर टेस्ट को अनिवार्य कर दिया है। इस फैसले की वजह से अब उन पर बैन लग जाएगा जब तक वह टेस्ट को क्लीयर नहीं करते। वर्ल्ड बॉक्सिंग ने घोषणा की है कि वह अपने प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले पुरुष और महिला एथलीट भाग लेने के योग्य है या नहीं इसको तय करने के लिए जेंडर टेस्ट कराना होगा। अंतरराष्ट्रीय महासंघ ने यह नीति तब लागू करने का फैसला लिया है जब पिछले साल पेरिस ओलंपिक में अल्जीरिया की महिला वेल्टरवेट स्वर्ण पदक विजेता इमाने खलीफ को लेकर विवाद हुआ था। वर्ल्ड बॉक्सिंग 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक में मुक्केबाजी का आयोजन करेगा, जिसे अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति द्वारा अस्थायी मान्यता दी गई है। वर्ल्ड बॉक्सिंग ने कहा कि उसने अल्जीरियाई बॉक्सिंग महासंघ को सूचित कर दिया है कि अगर इमाने खलीफ नीदरलैंड्स में 5-10 जून से होने वाले आइंडहोवन बॉक्स कप में भाग लेना चाहती हैं तो उन्हें जेंडर टेस्ट देना होगा।

बाउंड्री पर बुमराह से बर्दाश्त नहीं हुआ जयवर्धने का ज्ञान, कोच को फिर यूं समझाया; वीडियो वायरल

नई दिल्ली। मुंबई इंडियंस ने आईपीएल 2025 के क्वालीफायर-2 में एंट्री कर ली है। एमआई ने एलिमिनेटर में गुजरात टाइटंस को 20 रनों हरा दिया है। यह हाई-स्कोरिंग मुकाबला रहा। मुंबई ने 5 विकेट खोकर 228 रन का स्कोर बनाया और गुजरात ने 6 विकेट गंवाकर 220 रन ही बना सकी। एक समय गुजरात की मैच पर पकड़ थी लेकिन मुंबई के गेंदबाज जसप्रीत बुमराह संकटमोचक बन गए। उन्होंने मुंबई को वॉशिंगटन सुंदर का विकेट दिलाकर गुजरात से मैच में छीन लिया। हालांकि, मैच के दौरान बाउंड्री पर बुमराह से हेड कोच महेला जयवर्धने का ज्ञान बर्दाश्त नहीं हुआ। उन्होंने फिर अपने अंदाज में कोच को समझाया कि टेंशन मत लीजिए, जिसका वीडियो जमकर वायरल हो रहा है। टीम के हेड कोच जयवर्धने ने 13वें ओवर में बुमराह को कुछ निर्देश देने की कोशिश की। बुमराह उस वक्त बाउंड्री के नजदीक फील्डिंग कर रहे थे। कोच ने जो बात कही, बुमराह उससे सहमत नहीं हुए। उन्होंने इशारों में कोच को जो समझाया, उसे कमेंटेटर जतिन सप्रू ने अपने शब्दों में बयां किया। कमेंटेटर ने कहा कि बुमराह कह रहे हैं कि मैं अपना काम बहुत अच्छी तरह जानता हूं। मैं हूं ना, थोड़ा शांत रहिए। मौका दीजिए तो सही। वहीं, बुमराह जब 14वें ओवर में गेंदबाजी के लिए आए तो उन्होंने यॉर्कर पर सुंदर को बोल्ड कर दिया और मुंबई को राहत दी। सुंदर ने 24 गेंदों में 5 चौकों और 3 छक्कों की मदद से 48 रनों की पारी खेली। उन्होंने साई सुदर्शन 49 गेंदों में 80 के साथ तीसरे विकेट के लिए 84 रनों की साझेदारी की।

बुमराह ने एलिमिनेटर मैच में किफायती गेंदबाजी की। उन्होंने 4 ओवरों के स्पेल में महज 27 रन देकर एक बहुत ही खास विकेट चटकाया। सुदर्शन 16वें ओवर में रिचर्ड ग्लीसन का शिकार बने। वह स्कूप शॉट खेलने के प्रयास में बोल्ड हुए। गुजरात ने 16वें ओवर तक मैच अपनी पाले में रखा लेकिन सुदर्शन के विकेट के बाद मुंबई ने मैच पर अपना शिकंजा कस लिया। गुजरात को आखिरी दो ओवर में 36 रन चाहिये थे और दो बल्लेबाज राहुल तेवतिया और शेरफान रदरफोर्ड क्रीज पर थे। आखिरी ओवर में 24 रन की जरूरत थी और मुंबई के लिए इस मैच के जरिए डेब्यू करने वाले ग्लीसन ने तीन ही रन दिए और मुंबई ने मैच जीत कर क्वालीफायर-2 में एंट्री कर ली।

रोहित ने पांच नए रिकॉर्ड अपने नाम किए

नई दिल्ली। मुंबई इंडियंस के स्टार बल्लेबाज रोहित शर्मा ने आईपीएल 2025 के एलिमिनेटर मैच में गुजरात टाइटंस के खिलाफ जबरदस्त प्रदर्शन कर 50 गेंदों में 9 चौकों और 4 छक्कों की मदद से 81 रन ठोक दिए। इस तूफानी पारी की बदौलत मुंबई इंडियंस ने 228/5 का विशाल स्कोर खड़ा किया, इसके जवाब में गुजरात टाइटंस सिर्फ 208 रनों तक ही सीमित रह सके। इस जीत के साथ मुंबई इंडियंस ने क्वालीफायर-2 में अपनी जगह बना ली। रोहित को शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेऑफ मैच का प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। रोहित ने इस मैच में पांच नए रिकॉर्ड अपने नाम किए हैं। सबसे पहले, उन्होंने आईपीएल प्लेऑफ में 80 या उससे अधिक रन बनाने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बनने का कारनामा किया। उन्होंने 38 साल और 30 दिन की उम्र में यह उपलब्धि हासिल की, जिससे माइकल हसी का रिकॉर्ड टूट गया था, जिन्होंने 2013 में 37 साल और 359 दिन की उम्र में क्वालीफायर-1 में 86 रन बनाए थे।

दूसरे, रोहित अब आईपीएल में कुल 271 मैचों में 302 छक्के जड़ चुके हैं। वे

आईपीएल में 300 छक्के लगाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बने हैं। कुल मिलाकर वे इस सूची में दूसरे स्थान पर हैं, जहां वेस्टइंडीज के पूर्व विस्फोटक बल्लेबाज क्रिस गेल पहले नंबर पर हैं, जिन्होंने 142 मैचों में 357 छक्के जड़े हैं। तीसरे, उन्होंने मुंबई इंडियंस के लिए प्लेऑफ में सबसे बड़ी पारी खेलने का रिकॉर्ड भी अपने नाम किया है। इसके पहले यह रिकॉर्ड सूर्यकुमार यादव के नाम था, जिन्होंने 2019 में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ क्वालीफायर-1 में नाबाद 71 रन बनाए थे।

चौथा रोहित को आईपीएल प्लेऑफ में प्लेयर ऑफ द मैच बनने वाले तीसरे सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बने है। इस मामले में सबसे ऊपर पूर्व भारतीय स्पिनर अनिल कुंबले हैं, जो 38 साल और 219 दिन की उम्र में प्लेयर ऑफ द मैच बने थे। अंत में, रोहित टी20 क्रिकेट में एक टीम के लिए सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले खिलाड़ियों की सूची में दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। उन्होंने मुंबई इंडियंस के लिए 235 मैचों में 267 छक्के लगाए हैं, जबकि क्रिस गेल, जिन्होंने आरसीबी के लिए 91 मैचों में 263 छक्के लगाए थे, तीसरे स्थान पर हैं। इस शानदार पारी और रिकॉर्ड के साथ रोहित ने फिर साबित कर दिया कि वे आईपीएल के सबसे बड़े और भरोसेमंद बल्लेबाजों में से एक हैं।

पाकिस्तान ने बांग्लादेश को हराया

नई दिल्ली,। पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच गद्दाफी स्टेडियम में हुए दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में मेजबान पाकिस्तान ने मेहमान टीम को 57 रनों से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली। मुकाबले में पाकिस्तान ने बल्ले और गेंद से दमदार प्रदर्शन किया, वहीं बांग्लादेश की ओर से एक निचले क्रम के बल्लेबाज तंजीम हसन साकिब ने ऐतिहासिक पारी खेली, जो मैच की सबसे बड़ी चर्चा का विषय बनी।

पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया और उनकी शुरुआत बेहद आक्रामक रही। पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान ने 41 गेंदों में 74 रन बनाए, जबकि उनके साथी हसन नवाज ने महज 26 गेंदों में 51 रनों की तोबड़तोड़ पारी खेली। इन दोनों की शानदार पारियों की बदौलत पाकिस्तान ने निर्धारित 20 ओवरों में 6 विकेट के नुकसान पर 201 रन बनाए। जवाब में बांग्लादेश की टीम लक्ष्य का पीछा करते हुए दबाव में दिखी और नियमित अंतराल पर विकेट गिरते रहे। चौथे ओवर में पहला विकेट गिरने के बाद बांग्लादेश की पारी ताश के पत्तों की तरह बिखरती चली

गई और टीम मात्र 77 रनों पर अपने 7 विकेट गंवा चुकी थी।

इसके बाद जब बांग्लादेश की हार लगभग तय थी, तब नंबर-9 पर बल्लेबाजी करने उतरे तंजीम साकिब ने उम्मीद से कई गुना बढ़कर प्रदर्शन किया। उन्होंने न केवल पाकिस्तानी गेंदबाजों को कड़ी टक्कर दी, बल्कि टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के इतिहास में एक अनोखा रिकॉर्ड बनाया। साकिब पूर्ण सदस्य टीमों की ओर से टी20 आई में 9वें नंबर पर अर्धशतक जड़ने वाले पहले बल्लेबाज बने। उनकी यह जुझारू पारी टीम को शर्मनाक हार से बचाने में जरूर सफल रही, लेकिन जीत की दूरी फिर भी बहुत दूर थी। अंतत: बांग्लादेश की पूरी टीम 19 ओवर में 144 रनों पर सिमट गई और पाकिस्तान ने यह मुकाबला 57 रनों से जीत लिया।

मुंबई इंडियंस के खिलाड़ी सूर्यकुमार ने आईपीएल में बनाया अनोखा रिकॉर्ड

नई दिल्ली। हार्दिक पंड्या की कप्तानी वाली मुंबई इंडियंस ने शानदार प्रदर्शन कर गुजरात टाइटंस को एलिमिनेटर मुकाबले में हराकर क्वालिफायर 2 में जगह पक्की कर ली है। मुंबई ने निर्धारित 20 ओवर में 5 विकेट पर 228 रन बनाए, इसमें रोहित शर्मा की तोबड़तोड़ पारी शामिल थी। लक्ष्य का पीछा करते हुए गुजरात की टीम एक वक्त तेज़ी से बढ़ रही थी, लेकिन मुंबई के गेंदबाजों ने बेहतरीन प्रदर्शन कर टीम 6 विकेट पर केवल 208 रन ही बना सकी।

इस मुकाबले में सूर्यकुमार यादव ने भले ही छोटी पारी खेली, लेकिन उन्होंने आईपीएल इतिहास में एक खास रिकॉर्ड बनाया। सूर्यकुमार ने इस सीजन 33 रन बनाकर अपनी 15वीं 25 प्लस रनों की पारी खेली, जो किसी भी टी20 टूर्नामेंट में अब तक का सबसे अधिक आंकड़ा है। इस प्रदर्शन ने उन्हें आईपीएल 2025 में सबसे लगातार और स्थिर बल्लेबाजों में से एक बनाया है। मुंबई इंडियंस के लिए सूर्यकुमार का रिकॉर्ड उनकी टीम को खिताबी दौड़ में बनाए रखने में अहम भूमिका निभा रहा है।

मुंबई इंडियंस की शुरुआत सीजन में खास नहीं रही थी, लेकिन पहले पांच मैचों के बाद सूर्यकुमार और टीम ने अपनी रफ्तार पकड़ी और कुल 14 मैचों में से 8 में जीत दर्ज कर प्लेऑफ में अपनी जगह सुनिश्चित की। सूर्यकुमार इस सीजन मुंबई की बल्लेबाजी के सबसे मजबूत स्तंभ रहे हैं, जिन्होंने ओपनर रोहित शर्मा और अन्य बल्लेबाजों से अधिक रन बनाए हैं। आईपीएल 2025 में वे 673 रन के साथ दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं।

टी20 टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा 25 प्लस रनों की पारियों के मामले में सूर्यकुमार अब शीर्ष स्थान पर हैं। उनके पीछे केन विलियमसन ने 2018 में 13 बार 25 से अधिक रन बनाए थे, वहीं शुभमन गिल ने 2023 में भी 13 ऐसी पारियां खेलीं। मुंबई इंडियंस अब क्वालिफायर 2 में पंजाब किंग्स का सामना करेगी, और सूर्यकुमार यादव की फार्म टीम के लिए बड़ा हथियार साबित हो सकती है।

देशभर में पैर पसार रहा कोरोना

- 24 घंटे में 685 नए मरीज, 4 की मौत... 3395 हुए एक्टिव केस

नई दिल्ली। देश में एक बार फिर कोरोना संक्रमण के मामलों में बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से 31 मई को सुबह 8 बजे तक जारी आंकड़ों के मुताबिक देश में कोरोना के एक्टिव मरीजों की संख्या बढ़कर 3395 हो गई है। बीते 24 घंटे में 685 नए संक्रमित मरीज सामने आए हैं, जबकि 1,435 मरीजों को स्वस्थ होने के बाद अस्पताल से छुट्टी दी गई। इसी बीच बड़ी चिंता की बात ये है कि पिछले 24 घंटे में संक्रमण से 4 लोगों की मौत भी हुई है, जिनमें छत्तीसगढ़, कर्नाटक, केरल और उत्तर प्रदेश से एक-एक मरीज शामिल है।

केरल में सबसे ज्यादा 727 मामले हैं। महाराष्ट्र एक्टिव केसेज के मामले में दूसरे नंबर पर है। शुक्रवार को राज्य में 84 नए केस सामने आए, यहां अब 681 मरीज हैं। देश के 60 फीसदी एक्टिव केस इन्हीं दो राज्यों में हैं। कर्नाटक के मैसूर में शुक्रवार को 63 साल के एक बुजुर्ग की मौत हो गई। राज्य में कोरोना से यह तीसरी मौत है। इसके अलावा, महाराष्ट्र, केरल, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में कुल 13 मरीजों की मौत हो चुकी है। कुल मृतक की संख्या 16 पहुंच गई है। गुजरात के अहमदाबाद में शुक्रवार को एक दिन के नवजात की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। बच्चे को आईसीयू में रखा गया है। पिछले सप्ताह बच्चे की मां भी कोरोना पॉजिटिव पाई गई थी, हालांकि अब उनकी रिपोर्ट निगेटिव है। मेघालय में 7 महीने बाद कोविड के 2 मिले हैं।

कितने एक्टिव केस हैं देश में

- केरल- 1,336
- महाराष्ट्र- 467
- दिल्ली- 375
- कर्नाटक- 234
- पश्चिम बंगाल- 205
- तमिलनाडु- 185
- उत्तर प्रदेश- 117
- गुजरात-265
- पुडुचेरी- 41
- राजस्थान- 60
- हरियाणा- 26
- मध्य प्रदेश- 16
- झारखंड- 6
- पंजाब- 5

राज्यों को अलर्ट रहने और टेस्टिंग बढ़ाने के निर्देश

स्वास्थ्य मंत्रालय लगातार राज्यों को अलर्ट मोड में रहने और टेस्टिंग बढ़ाने के निर्देश दे रहा है। नागरिकों से भी अपील की जा रही है कि हल्के लक्षण दिखने पर तुरंत जांच कराएं और जरूरी सावधानियों का पालन करें।

मिजोरम में 7 महीने बाद कोविड का पहला केस मिला

मिजोरम में 2 लोगों में कोविड-19 की पुष्टि हुई है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि राज्य में इस तरह का आखिरी मामला सामने आने के 7 महीने बाद कोविड के केस मिले। मिजोरम में कोविड-19 का आखिरी मामला अक्टूबर 2024 में सामने आया था, उस दौरान राज्य में 73 लोग वायरस से संक्रमित हुए थे। उन्होंने बताया कि मरीजों का इलाज आइजोल के पास फल्कोन में जोरम मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में चल रहा है। राज्य के स्वास्थ्य विभाग के इंटीग्रेटेड रोग निगरानी कार्यक्रम ने लोगों से न घबराने की बात कही है।

महाराष्ट्र में 9 हजार से ज्यादा कोविड टेस्ट

महाराष्ट्र सरकार ने बताया कि शुक्रवार को कोविड के 84 नए मामले सामने आए। जबकि मुंबई में जनवरी 2025 से अब तक कुल 681 केस मिले हैं। जनवरी से अब तक राज्य में 9592 कोविड-19 टेस्ट किए गए। वहीं, जम्मू-कश्मीर में गुरुवार को कोविड-19 के दो मामले सामने आए थे। दोनों मरीज केरल के रहने वाले हैं और श्रीनगर के गवर्नमेंट डेंटल कॉलेज में पढ़ाई कर रहे हैं।

एआई से नौकरी जाने का खतरा लगातार बढ़ रहा

नई दिल्ली। संयुक्त राष्ट्र के अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन और पोलैंड के डिजिटल मामलों के मंत्रालय के राष्ट्रीय अनुसंधान संस्थान की हालिया रिपोर्ट में पाया गया है कि उच्च आय वाले देशों में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस यानी एआई से नौकरी जाने का खतरा बढ़ रहा है। महिला-प्रधान पदों में से लगभग 10 जबकि पुरुषों के 3.5 प्रतिशत पदों पर यह खतरा बना हुआ है।

रिपोर्ट में कहा गया है एआई से सबसे ज्यादा असंतुलन उच्च आय वाले देशों में बना हुआ है। इन देशों में महिलाओं की प्रमुखता वालीं 41 त्न उच्च भुगतान वालीं नौकरियां एआई के कारण रीप्लेस हो सकती हैं, जबकि पुरुषों के मामले में नौकरियों की यह संख्या 28त्न है। रिपोर्ट में कहा गया है कि यूरोप और मध्य एशिया में महिलाओं की 39 प्रतिशत नौकरियां प्रभावित हो सकती हैं, जबकि पुरुषों की 26 प्रतिशत नौकरियां प्रभावित होंगी। वैश्विक स्तर पर चार में से एक कर्मचारी ऐसे रोजगार में काम करता है जिसमें उसका कामकाज एआई से प्रभावित होगा।

इस अध्ययन के लिए पोलैंड में विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत 1,640 लोगों के साथ सर्वेक्षण किया गया, जिसके परिणामों का विश्लेषण अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों के एक छोटे समूह द्वारा किया गया। इसके बाद शोधकर्ताओं ने एक एआइ मॉडल विकसित कर यह पता लगाया कि 2,500 व्यवसायों और 29,000 से अधिक कामकाजों के स्वचालित होने की कितनी संभावना है।

अध्ययन में पाया गया कि डेटा एंट्री क्लर्क, टाइपिस्ट, वर्ड प्रोसेसिंग ऑपरेटर, अकाउंटेंट और बुक कीपिंग क्लर्क जैसे लिपिकीय व्यवसायों के एआई से रीप्लेस होने की सबसे अधिक संभावना है। इस तरह के रोजगारों में महिलाओं की प्रमुखता है। क्योंकि इनके कामों में दोहराव अधिक है और नयापन कम। साथ ही मीटिंग नोट्स लेना या अपॉइंटमेंट शेड्यूल करना आदि भी एआइ से प्रभावित कामकाज हैं।

भारी बारिश और भूस्खलन ने पूर्वोत्तर में मचाई तबाही, 19 की मौत

नई दिल्ली। देश में समय से पहले आया मानसून पूर्वोत्तर में जमकर तबाही मचा रहा है। बीते तीन दिनों में पूर्वोत्तर के मणिपुर, मिजोरम, असम, अरुणाचल प्रदेश, त्रिपुरा में लगातार भारी बारिश, भूस्खलन और बाढ़ में 19 लोगों की मौत हो चुकी है। जबकि 12 हजार से ज्यादा परिवार प्रभावित हुए हैं। इन राज्यों में घर गिरने से बड़ी संख्या में लोग बेघर हो गए हैं। नदियां उफान पर हैं। मौसम विभाग ने सभी राज्यों के लिए अलर्ट जारी किया है।

मिजोरम के लॉन्टलाई शहर में लैंडस्लाइड के कारण पांच घर और एक होटल ढहने से कई लोगों के मारे जाने की आशंका है। उधर सिक्किम में भारी बारिश के कारण थेंग और चुंगथांग इलाकों में लैंडस्लाइड हुई। कई घर मलबे में दब गए। मेघालय में तेज बारिश से पूर्वी खासी हिल्स जिले में लैंडस्लाइड हुई। एक महिला की मौत हो गई। एक व्यक्ति पानी में डूब गया। मावकिनरू ब्लॉक में पेड़ के नीचे दबने से 15 साल के लड़के की जान चली गई। जम्मू-कश्मीर में शनिवार को बर्फबारी हुई। इसके चलते गुरेज-बांदीपुरा रोड और मुगल रोड पर ट्रैफिक रोक दिया गया है। हिमाचल प्रदेश में तेज आंधी-बारिश का अलर्ट है। इसे देखते हुए स्थानीय लोगों और टूरिस्ट को एडवाइजरी जारी की गई है। मई में मानसून की दस्तक ने बारिश का नया रिकॉर्ड बना दिया है। देश में 30 मई तक 116.6 मिमी बारिश दर्ज हुई है जो मई में सबसे अधिक बारिश का रिकॉर्ड है। पिछला रिकॉर्ड 1990 का था, तब 110.7 मिमी बारिश हुई थी। सामान्य रूप से मई में औसतन 61.4 मिमी बारिश होती है। मणिपुर में बारिश के चलते नदियों का जलस्तर बढ़ गया है। नम्बुल, इरिल और नम्बोल नदी का जलस्तर भी चेतावनी स्तर तक पहुंच गया है। इंफाल पूर्वी जिले के कई इलाकों में इंफाल नदी के उफान पर होने के कारण कई इलाकों में पानी भर गया। आईएमडी ने रेड अलर्ट जारी किया है और मणिपुर में व्यापक रूप से हल्की या मध्यम वर्षा जारी रहने की संभावना जताई है।

नेपाल में बारिश से बिहार के किशनगंज जिले की नदियां उफान पर हैं। कनकई, बूढ़ी कनकई और मेची नदी का जलस्तर बढ़ गया है। नदी के किनारे बसे निचले इलाकों में घुस गया है। इससे मक्का और सब्जी की फसल पूरी तरह से बर्बाद हो गई है।

एकजुट और मजबूत भारत का श्रेय संविधान को-गवई

प्रयागराज। भारत के प्रधान न्यायाधीश न्यायमूर्ति बी.आर. गवई ने शनिवार को कहा कि देश पर जब भी संकट आया उसने मजबूती और एकजुटता के साथ उसका सामना किया और इसका श्रेय संविधान को दिया जाना चाहिए। यहां इलाहाबाद उच्च न्यायालय में 680 करोड़ रुपये की लागत से नवनिर्मित अधिवक्ता चौंबर भवन और मल्टी लेवल पार्किंग का उद्घाटन करने के बाद कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गवई ने कहा कि न्यायपालिका का मौलिक कर्तव्य देश के उस आखिरी नागरिक तक पहुंचना है जिसे न्याय की जरूरत है। उन्होंने यह भी कहा कि विधायिका और कार्यपालिका का भी यही कर्तव्य है।

प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि जब भी संकट आया, भारत एकजुट और मजबूत रहा। इसका श्रेय संविधान को दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान लागू होने की 75 वर्ष की यात्रा में विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका ने सामाजिक और आर्थिक समानता लाने में बड़ा योगदान दिया है। कई ऐसे कानून लाए गए जिसमें जमीदार से जमीन लेकर भूमिहीन व्यक्तियों को दी गई। उन्होंने कहा कि समय समय पर इन कानूनों को चुनौती दी गई। 1973 से पहले उच्चतम न्यायालय का विचार था

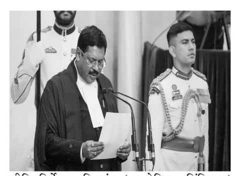

नीति निर्देशक सिद्धांत (डायरेक्टिव प्रिंसिपल) और मौलिक अधिकारों के बीच टकराव की स्थिति बनेगी तो मौलिक अधिकार ऊपर होगा।

सीजेआई गवई ने कहा कि 1973 में 13 न्यायाधीशों का निर्णय आया कि संसद को संविधान में संशोधन का अधिकार है और इसके लिए वह मौलिक अधिकारों में संशोधन कर सकती है, लेकिन उसके पास संविधान के मूल ढांचे में बदलाव करने का अधिकार नहीं है। प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि इस पीठ ने यह भी कहा था कि मौलिक अधिकार और नीति निर्देशक सिद्धांत दोनों ही संविधान की आत्मा हैं। ये दोनों संविधान के स्वर्ण रथ के दो पहिए हैं जिसमें से यदि एक पहिया रोको तो पूरा रथ रुक जाएगा। उन्होंने कहा कि मैं हमेशा कहता रहा हूं कि बार और बेंच एक सिक्के के दो पहलू हैं। जब तक बार और बेंच साथ मिलकर काम नहीं करते तब तक न्याय के रथ को आगे नहीं बढ़ा सकते। उन्होंने कहा कि आज इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने पूरे देश के लिए एक अच्छा आदर्श दिया है जिसमें बार के लिए (परिसर निर्माण हेतु) न्यायाधीशों ने 12 बंगले खाली कर दिए और अपने वकील भाइयों की सुविधा का ध्यान रखा।

उद्घाटन समारोह में उच्चतम न्यायालय के न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति जेके माहेश्वरी, न्यायमूर्ति पंकज मिथल, न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा, केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल, इलाहाबाद उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश अरुण भंसाली और दिल्ली उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश डीके उपाध्याय भी मौजूद थे। इलाहाबाद उच्च न्यायालय में निर्मित मल्टीलेवल पार्किंग में 3,835 वाहनों की पार्किंग क्षमता है और साथ ही 2,366 चैंबर बनाए गए हैं। इस 14 मंजिला भवन के भूमिगत तल और भूतल सहित पांच मंजिल पार्किंग के लिए आरक्षित हैं। वहीं छह मंजिल अधिवक्ताओं के चौंबर के लिए समर्पित हैं। इस भवन में 26 लिफ्ट, 28 एस्कलेटर और चार ट्रैवलेटर्स बनाए गए हैं।

विधायक किशोर समरीते को 6 माह की सजा

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने मध्य प्रदेश के पूर्व विधायक किशोर समरीते को 6 महीने की सजा सुनाई है। यह सजा किशोर समरीते को संसद को बम से उडाने की धमकी देने के मामले में अपराध सिद्ध हो जाने पर यह सजा दी गई है। कोर्ट ने एक माह पहले सजा का फैसला सुरक्षित कर लिया था। हाल ही में अदालत ने अपना फैसला सुनाया है। दिल्ली की न्यायालय ने विस्फोटक अधिनियम के तहत दर्ज अपराध में यह सजा सुनाई है।16 सितंबर 2022 को संसद भवन में स्पीड पोस्ट के माध्यम से एक पत्र और एक पार्सल भेजा गया था। जिसमें राष्ट्रीय ध्वज और संविधान की एक प्रति तथा संदिग्ध पदार्थ था। किशोर समरीते ने अपने पत्र में इस पाउडर को विस्फोटक बताया था। इसी आधार पर दिल्ली पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर मामला न्यायालय में पेश किया था। जहां पर सुनवाई के पश्चात उन्हें सजा सुनाई गई है।

आतंकवाद के आकाओं को चुकानी होगी बड़ी कीमत, जयशंकर की पाक को चेतावनी

दीक्षांत समारोह में छात्रों को किया संबोधित

वडोदरा। भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने वडोदरा से पाकिस्तान को स्पष्ट शब्दों में चेतावनी दी कि भारत आतंकवाद को बर्दाश्त नहीं करेगा और आतंक के आकाओं को इसकी भारी कीमत चुकानी होगी। उन्होंने कहा कि भारत की सुरक्षा नीति जीरो टॉलरेंस पर आधारित है और राष्ट्रहित में कोई भी निर्णय दबाव में नहीं, बल्कि मजबूती से लिए जाते हैं।

दरअसल विदेश मंत्री जयशंकर वडोदरा की एक प्राइवेट यूनिवर्सिटी में छात्रों के दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। यहां उन्होंने कहा कि हम कभी भी न्यूक्लियर के नाम पर ब्लैकमेलिंग के आगे नहीं झुकेंगे। भारत के राष्ट्रीय हितों से जुड़े जो भी निर्णय लेने ज़रूरी हैं, वे लिए गए हैं और लिए जाते रहेंगे। जयशंकर ने इस बात पर ज़ोर दिया कि अब आतंकवाद के केंद्र अछूते नहीं रहेंगे। आतंकवाद को पालने-पोसने और उसे रणनीतिक साधन की तरह इस्तेमाल करने वालों को इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी।

यह बयान ऐसे समय में आया है जबकि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हालिया आतंकी हमले को लेकर देश में रोष व्याप्त है। इस आतंकी हमले को पर्यटन उद्योग को नुकसान पहुंचाने और धार्मिक नफरत फैलाने की साजिश करार देते हुए विदेश मंत्री ने कहा कि ऐसे प्रयासों को मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा, और दिया गया है। उन्होंने 26/11 मुंबई हमले का हवाला देते हुए कहा कि पहले भी भारत को आतंक के खिलाफ कठोर कार्रवाई करनी पड़ी थी, लेकिन अब देश की सुरक्षा नीति कहीं अधिक मुखर और निर्णायक हो चुकी है। जयशंकर ने भारत की विदेश और सुरक्षा नीति की तीन प्रमुख विशेषताओं को रेखांकित करते हुए कहा, निर्णय लेने में दबाव नहीं सहा जाएगा, राष्ट्रीय हित सर्वोपरि होंगे और आतंकवाद पर पूर्ण प्रतिबंध और आक्रामक प्रतिरोध जारी रहेगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि भारत की रणनीति अब सिर्फ प्रतिक्रिया नहीं, बल्कि सक्रिय प्रतिरोध और रोकथाम पर आधारित है।

यहां बताते चलें कि विदेश मंत्री जयशंकर का यह बयान शांग्री-ला डायलॉग में सीडीएस जनरल अनिल चौहान के कड़े रुख के बाद आया है, जहां भारत ने पाकिस्तान और चीन को लेकर अपनी नवीन रणनीति और आत्मनिर्भर सुरक्षा दृष्टिकोण को दोहराया। अब भारत का आतंकवाद और उसके आकाओं के लिए कड़ा संदेश है, कि भारत अब सहन नहीं करता, भारत अब उत्तर देता है।

सीडीएस ने फाइटर विमान गिरने पर दिया गोलमाल जवाब

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने संसद के विशेष सत्र की मांग की

नई दिल्ली (ईएमएस)। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत-पाकिस्तान सैन्य संघर्ष में भारत के कितने फाइटर विमान गिरे? इस सवाल का जवाब रत के चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) अनिल चौहान ने विदेशी मीडिया को घुमा-फिराकर दिया है जिस पर

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने संसद के विशेष सत्र की मांग की है। उन्होंने कहा कि हम ऑपरेशन सिंदूर पर सवाल पूछना चाहते है। कांग्रेस नेता ने ऑपरेशन सिंदूर की जांच की जांच उठाई और कहा कि कारगिल की तरह रिव्यू कमेटी बने। खरगे ने कहा कि सीडीएस के बयान के बाद संसद का विशेष सत्र बुलाया जाना जरूरी है।

खरगे ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखे एक लंबी पोस्ट में संसद के विशेष सत्र की मांग की। उन्होंने लिखा कि सिंगापुर में सीडीएस द्वारा दिए गए इंटरव्यू के मद्देनजर कुछ बहुत महत्वपूर्ण प्रश्न हैं, जिन्हें पूछे जाने की जरूरत है। ये सवाल तभी पूछे जा सकते हैं, जब संसद का विशेष सत्र तुरंत बुलाया जाए। कांग्रेस नेता ने आगे लिखा कि सरकार ने देश को गुमराह किया है। युद्ध का कोहरा अब छंट रहा है। हमारे वायुसेना के पायलट दुश्मन से लड़ते हुए अपनी जान जोखिम में डाल रहे थे। हमें कुछ नुकसान हुआ है, लेकिन हमारे पायलट सुरक्षित हैं। अपने पोस्ट में सीडीएस के इंटरव्यू को कोट करते हुए खरगे ने लिखा, सीडीएस के अनुसार, हमने इसे बनाया, इसे सुधारा, इसे ठीक किया और फिर दो दिनों के बाद इसे फिर से लागू किया और अपने सभी जेट विमानों को फिर से लंबी दूरी तक निशाना बनाते हुए उड़ाया।

ज्ञात रहे कि सिंगापुर में 'शांगरी-ला वार्ता में शामिल होने पहुंचे सीडीएस अनिल चौहान ने ब्लूमबर्ग को दिए एक इंटरव्यू में भारत के विमान गिराए जाने से जुड़े सवाल पर गोल-मटोल जवाब दिया। जिससे पाकिस्तान का दावा मजबूत होता नजर आ रहा है।

सिंगापुर में 22वें शांगरी-ला डायलॉग में शामिल होने गए भारतीय चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) अनिल चौहान ने ब्लूमबर्ग को दिए एक इंटरव्यू में कहा कि कोई भी युद्ध बगैर किसी नुकसान के नहीं लड़ा जा सकता है। भारत ने पाकिस्तान को जिस प्रभावी तरीके से जवाब दिया उसकी सराहना हो रही है।

सीडीएस ने आगे कहा कि अच्छी बात यह है कि हम अपनी सामरिक गलती को समझने में सक्षम हैं, उसे सुधार सकते हैं। और दो दिन बाद उसे फिर से लागू कर सकते हैं। फिर अपने सभी जेट विमानों को लंबी दूरी पर निशाना साधते हुए फिर से उड़ा सकते हैं। सीडीएस के इस बयान के बाद भारत में सियासी तूफान मच गया है।

हरदोई में कार खाई में गिरी, पांच की मौत और 6 घायल

- मामला हरदोई जिले के मझिला थाना क्षेत्र के गांव कुसुमा का

हरदोई । उत्तर प्रदेश के हरदोई में शनिवार को शादी से लौट रही बारातियों की कार खाई में गिर गई। इस हादसे में मासूम सहित पांच लोगों की मौत हो गई और छह घायल हो गए। मामला हरदोई जिले के मझिला थाना क्षेत्र के गांव कुसुमा का है। बताया जा रहा है कि पाली थाना क्षेत्र के पटिया नीम निवासी नीरज पुत्र राम सेवक की बारात मझिला थाना क्षेत्र के कुसुमा गांव गई थी। शादी के बाद बारात वापस लौट रही थी, तभी एक कार कुसुमा गांव के पास अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई। हादसा इतना भीषण था कि कार सवार एक मासूम बच्चे समेत पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि छह अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को शाहबाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। यहां डॉक्टरों ने छह लोगों की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें हायर सेंटर रेफर कर दिया है। सीओ शाहबाद (सर्किल ऑफिसर) ने कहा ?कि 30 और 31 मई की रात पाली थाना क्षेत्र के महुला पटियान से नीरज पुत्र राम सेवक की बारात मझिला थाना क्षेत्र के कुसुमा गांव से लौट रही थी। तभी उनकी कार अनियंत्रित हो गई, जिसके कारण यह हादसा हुआ। डॉक्टरों ने पांच लोगों को मृत घोषित कर दिया है और बाकी घायलों का इलाज चल रहा है। एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि हम एक शादी में गए थे, तभी कुसुमा से आते समय हादसा हो गया। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आगे की कार्रवाई कर रही है। उधर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनपद हरदोई में हुए सड़क हादसे का संज्ञान लिया और शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। साथ ही घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की भी कामना की है।

असम में देशद्रोहियों के खिलाफ एक्शन जारी, पाकिस्तान प्रेमी की गिरफ्तारी

डिसपुर। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि पाकिस्तान से मोहब्बत रखने के आरोप में राज्य में एक और व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। इस तरह गिरफ्तारियों की कुल संख्या 79 हो गई है। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान दरांग जिले के मंगलदाई निवासी फरीज-उल हक के रूप में हुई है। सीएम सरमा ने कहा, पाकिस्तान के प्रति सहानुभूति रखने वालों पर कार्रवाई लगातार जारी है। अब तक 79 लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। सीएम शर्मा ने पहले कहा था कि देशद्रोहियों पर राज्यव्यापी कार्रवाई जारी रहेगी और किसी को बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस ने उन लोगों के खिलाफ कार्रवाई शुरू की है जो कथित तौर पर "भारत विरोधी और पाकिस्तान समर्थक गतिविधियों" में लिप्त हैं।

एनएचएआई की जमीन पर अतिक्रमण कर किराए पर दी, कोर्ट भी हैरान

हाईकोर्ट ने की याचिका खारिज, मामले को बताया अनूठा मामला

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सहारनपुर में भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की जमीन पर वक्फ मदरसा द्वारा निर्माण कराकर उसे किराए पर देने पर आश्चर्य जताया है। यह बताए जाने पर कि याचिकाकर्ता वक्फ ने एनएचएआई की भूमि पर अतिक्रमण किया है, हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल ने वक्फ की याचिका खारिज कर दी। हाईकोर्ट ने इस मामले को एक 'अनूठा मामला' बताया, जहां एनएचएआई की जमीन पर अतिक्रमण करके मदरसा और कुछ अन्य निर्माण किए गए और इस संपत्ति के वक्फ संपत्ति होने का दावा किया जा रहा है।

वक्फ ने विवादित संपत्ति को ध्वस्त करने से प्रतिवादियों को रोकने और किसी नए निर्माण पर रोक लगाने की मांग करते हुए यह याचिका दायर की थी। याचिकाकर्ता ने दलील दी कि उस जमीन पर एक मदरसा, मस्जिद और एक

पुलिस चौकी पहले से मौजूद थी। याचिकाकर्ता के इस दावे के संबंध में वह भूमि वक्फ की संपत्ति है, प्रतिवादियों ने कहा कि यह संपत्ति वक्फ के तौर पर वक्फ बोर्ड में पंजीकृत नहीं है। प्रतिवादियों ने मामले में एक संशोधन याचिका दायर की, जिसे निचली अदालत ने स्वीकार कर लिया।

इसके खिलाफ याचिकाकर्ता ने पुनरीक्षण याचिका दायर की, जो खारिज कर दी गई। इसके बाद याचिकाकर्ता ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। कोर्ट ने कहा कि संशोधन की याचिका स्वीकार नहीं की जा सकती क्योंकि प्रतिवादी इसके जरिये एक नया वाद खड़ा कर रहे हैं।

हाईकोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता ने किसी भी स्तर पर वक्फ का पंजीकरण नहीं दिखाया और यह नहीं बताया कि कैसे वह संपत्ति, वक्फ अधिनियम, 1995 के तहत वक्फ संपत्ति है। कोर्ट ने कहा कि वह एनएचएआई की संपत्ति है और निचली अदालत के आदेश के खिलाफ दायर याचिका खारिज कर दी। यह आदेश 12 मई का है, जिसे शुक्रवार को अपलोड किया गया था।

दोपहर 3.15 पर दो सरकारी भवन उड़ जाएंगे, सभी को वहां से निकाल लो

नई दिल्ली। दिल्ली में दो प्रमुख सरकारी इमारतों, उद्योग भवन और निर्माण भवन को बम से उड़ाने की धमकी ईमेल के जरिये मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने तलाशी अभियान शुरु किया है। जांच के बाद यह धमकी झूठी निकली। दोनों केंद्रीय सरकारी परिसरों के वरिष्ठ अधिकारियों को सुबह 6ः49 बजे ई-मेल के जरिए धमकी दी गई थी कि परिसर में आईईडी लगाए गए हैं और चेतावनी दी कि दोपहर 3ः15 बजे तक सभी को वहां से निकाल लें।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दोनों इमारतों में स्थित मंत्रालयों के शीर्ष अधिकारियों को सुबह 6ः49 बजे एक जैसे ई-मेल भेजकर आत्मघाती आईईडी की धमकी दी गई। उद्योग भवन में वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के साथ-साथ भारी उद्योग मंत्रालय का कार्यालय भी है, जबकि निर्माण भवन में केंद्रीय स्वास्थ्य और आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालयों के कार्यालय हैं।

रिपोर्ट में सुरक्षा अधिकारियों ने बताया कि यह फर्जी ई-मेल विदेश से भेजे जाने का शक है और केंद्रीय साइबर सुरक्षा एजेंसियां जांच कर रही हैं। शनिवार सुबह दोनों भवनों में तलाशी शुरु की गई। सुरक्षा अधिकारियों ने बताया कि कोई भी आपत्तिजनक या संदिग्ध वस्तु नहीं मिली और दोपहर बाद यह धमकी झूठी साबित हुई। पुलिस अब आगे की जांच कर रही है कि यह मेल किसने भेजा।

वेतन नहीं मिलने के कारण चलित पशु चिकित्सा इकाई के अधिकारी कर्मचारी गये अनिश्चितकालीन हड़ताल पर

जिले के 11 ब्लॉकों में पशु चिकित्सा सेवाएं होगी प्रभावित, विभाग कह रहा बनाएंगे व्यवस्था

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। जिले के चलित पशु चिकित्सा इकाई के अधिकारी , कर्मचारी वेतन नहीं मिलने के कारण अब अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए हैं । बताया जा रहा है कि पशु चिकित्सा इकाई के अधिकारी कर्मचारियों को 3 महीने से वेतन नहीं दिया गया है और विभाग द्वारा सभी सरकारी कार्य इन आउटसोर्स कर्मचारी से लिए जा रहे हैं। लेकिन वेतन समय पर नहीं दिया जा रहा है। साथ ही अन्य अलग-अलग अधिकारी, कर्मचारियों की समस्या और मांगों को लेकर अब आउटसोर्स कर्मचारी द्वारा जिले के साथ-साथ प्रदेश स्तर पर अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी गई है । जिसमें जिले के लगभग चलित पशु इकाई के 33 अधिकारी, कर्मचारी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर हैं । विभाग बाधित होने वाली सेवाओं को वैकल्पिक व्यवस्था बनाते हुए सुचारू रखें जाने की बात कह रहा है।

आपको बता दे कि तीन माह से वेतन नहीं मिलने के कारण, चलित पशु चिकित्सा इकाई के वाहनों को खड़ा कर, पूरा अमला, अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चला गया है। जिससे ग्रामीण क्षेत्र में वाहन के माध्यम से दी जाने वाली पशु उपचार, टीकाकरण, गर्भाधान जैसी अन्य सेवाओं पर सीधा असर पड़ा है। जिले के सभी 11 ब्लॉक बालाघाट शहर, ब्लॉक बालाघाट, बिरसा, बैहर, परसवाड़ा, वारासिवनी, खैरलांजी, लालबर्रा, किरनापुर, लाजी और कटंगी में वाहनों के साथ अमला तैनात है, जिस अमले ने, वाहनों को खड़ा कर अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी है। इस सुविधा का पूरा काम टीएनएम प्रायवेट लिमिटेड कंपनी देखती है। कंपनी द्वारा इन चलित पशु चिकित्सा इकाई के अधिकारी, कर्मचारियों को आउटसोर्स के अनुसार वर्ष 2023 में भर्ती किया गया था और समय पर वेतनमान सहित अन्य सुविधा दिए जाने की बात कही गई थी। किंतु बीते कुछ महीनो से कंपनी द्वारा अधिकारी, कर्मचारियों को समय पर वेतन नहीं दिया जा रहा है तो वहीं पूरा काम लिए जाने के बाद भी, दी जाने वाली सुविधाएं अधिकारी, कर्मचारी को नहीं मिल रही है और यह सिर्फ बालाघाट में ही नहीं बल्कि पूरे प्रदेश स्तर पर इसी प्रकार से अधिकारी, कर्मचारी परेशान है। जिस कारण सभी ने लामबंद होते हुए अब अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी है । जिसमें अधिकारी, कर्मचारियों का कहना है कि जब तक उन्हें 3 महीने का वेतन पहले नहीं मिलता और प्रति महीने समय पर उन्हें वेतन नहीं दिया जाता तो वह अनिश्चितकालीन हड़ताल पर ही रहेंगे और विभाग का कोई भी काम नहीं करेंगे।

तीन माह से कर्मचारियों को वेतन नहीं मिला है-कृष्णकांत

डॉ. कृष्णकांत बताते है कि तीन माह से चलित पशु चिकित्सा इकाई में तैनात आउटसोर्स कर्मचारियों को वेतन नहीं मिला है और ना ही उनका पीएफ काटा जा रहा है। बीमा भी रेग्युलर नहीं कट रहा है। यहां तक की वाहन के पार्ट्स, यदि खराब होते है तो अमले से ही उसकी भरपाई की जाती है। जिले में ऐसे 33 कर्मी है, जिनमें दो पशु चिकित्सक और तीन एवीएफओ है। सभी कर्मियों को अवकाश की कोई सुविधा नहीं है। एवीएफओ को बेसिक मानदेय भी नहीं दिया जा रहा है और ना ही नियुक्ति अनुबंध के तहत उन्हें इंक्रीमेंट दिया जा रहा है। बावजूद इसके कर्मी काम करने मजबूर है लेकिन तीन माह से वेतन नहीं मिलने से परेशान, कर्मियों ने वाहनों को खड़ा कर अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी है। हमारी मांग है कि हमें प्रतिमाह और निर्धारित समयावधि में वेतन प्रदाय किया जाए।

वर्ष 2023 में चलित पशु चिकित्सा वाहन की हुई थी शुरूआत

पशुपालकों को सुविधा देने के लिए सरकार ने मई 2023 में चलित पशु चिकित्सा वाहन की शुरूआत की थी। मई 2023 से संचालित इस सुविधा में वाहन चालक से लेकर पशु चिकित्सक और सहायक पशु फिल्ड ऑफिसर की तैनाती आउटसोर्स से की गई है। इस सुविधा के प्रारंभ होने से पूर्व पशुपालकों को पशु चिकित्सालय आना होता था या फिर डॉक्टर की टीम घर पहुंचकर पशुओं का उपचार करती थी लेकिन इस सुविधा के शुरू होने के बाद, अब पशुओं के उपचार के लिए चलित पशु वाहन अस्पताल के रूप में घर-घर पहुंचकर पशुओं का इलाज करता है। इस वाहन में पशु चिकित्सक के साथ ही सहायक पशु फिल्ड ऑफिसर और वाहन चालक को रखा गया है। जिसमें सारी दवाएं, शासन की ओर से प्रदाय की जाती है। हालांकि पशुओं के लिए इसका शुल्क 150 रूपए और श्वान तथा बिल्ली के लिए शुल्क 300 रूपए निर्धारित है। जो पशु कल्याण समिति में होता है।

सुविधा को सुचारू करने का प्रयास किया जा रहा है - एन.डी. पुरी

दूसरी ओर पशु चिकित्सा विभाग के उपसंचालक डॉ. एन.डी. पुरी बताते है कि चलित पशु चिकित्सा इकाई के अमले के हड़ताल पर चले जाने से, विभागीय कर्मियों को तैनात कर, सुविधा को सुचारू करने का प्रयास किया जा रहा है। जहां तक आउटसोर्स कर्मियों की हड़ताल का मुद्दा है, यह शासन स्तर का मामला है। वह बताते है कि मानदेय जारी हो चुका है लेकिन उन्हें कर्मियों के खाते में आने में थोड़ा विलंब लगेगा।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

एक महिला की रस्सी बाल्टी सहित कुएं में गिरने से मौत

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। कटंगी थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम बोपली में इसी ग्राम की एक महिला की खेत के कुएं में बाल्टी सहित गिरने से मौत हो गई। 30 मई की शाम करीब 6:30 बजे करीब यह घटना उस समय हुई जब यह महिला अपने खेत के कुएं से पानी लाने के लिए गई थी। कटंगी पुलिस ने मृतिका प्रमिला पति तेजराम राहंगडाले 50 वर्ष का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रमिला खेती किसानी करती थी। जिसके पति की पूर्व में ही मौत हो चुकी है। जिसका एक बेटा है और और वह खेती किसानी के अलावा नल फिटिंग का भी काम करता है। बताया कि प्रमिला के घर से लगा हुआ ही खेत है और खेत में कुएं है जहां से पानी निस्तार के लिए लाया जाता है। 30 मई की शाम 6:30 बजे करीब प्रमिला अपने खेत के कुएं तरफ पानी लाने के लिए गई थी। किंतु वह घर नहीं लौटी ।प्रमिला को खेत कुँए तरफ देखा गया था ।शाम को प्रमिला घर में नहीं थी। उसके बेटे नवीश राहंगडाले ने अपनी मां प्रमिला को गांव मोहल्ले में खोजबीन किया किंतु वह नहीं मिली। रात्रि में खेत कुएं में देखने पर कुएं के अंदर प्रमिला का शव देखा गया। जिसकी रिपोर्ट रात्रि 1:15 बजे करीब कटंगी पुलिस थाना में की गई थी। कटंगी पुलिस थाना से प्रधान आरक्षक तोषेन्द्र हरिनखेडे अपने स्टाफ के साथ ग्राम बोपली पहुंचेऔर मौके का निरीक्षण कर कुएं में चारपाई डलवा कर प्रमिला का शव बाहर निकलवाये । रात्रि में ही प्रमिला का शव कटंगी अस्पताल ला लिया गया था। 31 मई को प्रधान आरक्षक तोषेन्द्र हरिनखेडे प्रमिला का शव पंचनामा कार्यवाही पश्चात पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिए। कुए के अंदर रस्सा बाल्टी भी। पाई गई। संभावना व्यक्त की गई है कि खेत मे बिना जगत के कुएं में पानी निकालते समय अचानक फिसलने से प्रमिला रस्सा बाल्टी सहित कुएं में गिर गई। जिससे उसकी कुँए के अंदर डूबने से मौत हो गई। प्रधान आरक्षक श्री हरिनखेडे द्वारा धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर जांच की जा रही है।

AICTE भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त एवं RGPV & DTE भोपाल से सम्बध्द
सतपुड़ा इंजीनियरिंग & पॉलिटेक्निक कॉलेज
प्रवेश प्रारंभ
B.Tech. & Polytechnic
- COMPUTER SCIENCE ENGINEERING
- MINING ENGINEERING
- CIVIL ENGINEERING
- MECHANICAL ENGINEERING
- ELECTRICAL ENGINEERING

Lateral Entry Admission NEP 2020 के तहत किसी भी ब्रांच से डिप्लोमा/B.Sc. (Maths) उत्तीर्ण छात्रों का B.Tech. एवं ITI उत्तीर्ण छात्रों का पॉलिटेक्निक के
द्वितीय वर्ष में सीधे प्रवेश
सतपुड़ा कैम्पस, लालबर्रा रोड, गर्रा, बालाघाट
6262604111, 9425836824

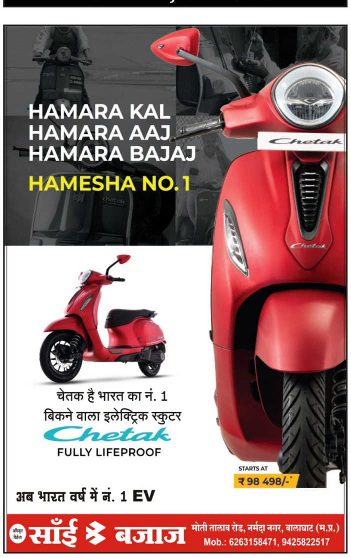

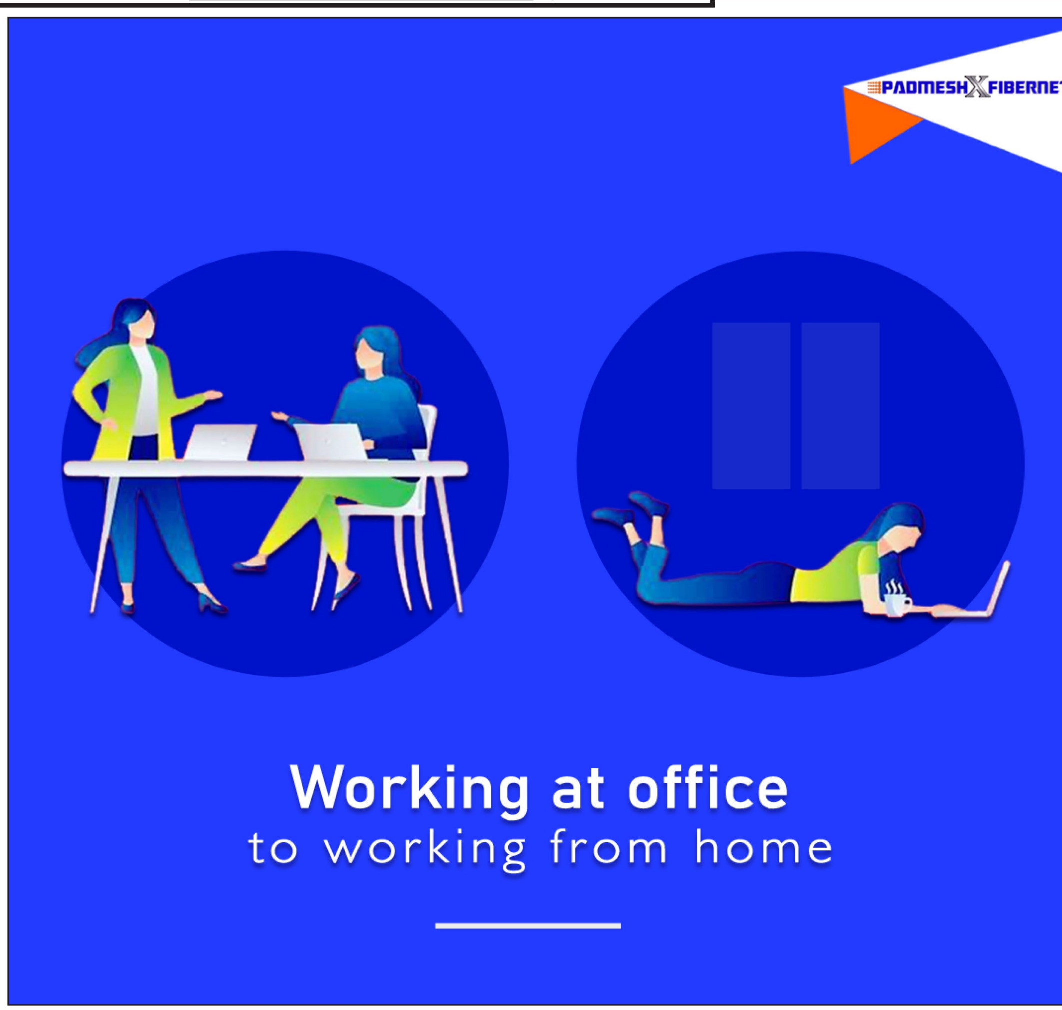

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर काली पुतली चौक, बालाघाट से प्रकाशित, संपादक- उमेश बागरेचा, मो.नं. - ९४२५१३८७१० रजि. नं. एम.पी. एच. आई. एन. /२००९/३२३११, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट